वार्षिक प्रतिवेदन

2005-2006

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

वार्षिक प्रतिवेदन

2005-2006

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुल-सचिव,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : www.rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : sanskrit.nic.in

मुद्रक:
अमर प्रिंटिंग प्रैस
8/25, विजय नगर, दिल्ली-110009

विषय-सूची

		पृष्ठ
1.	**पर्यवलोकन**	5-8
2.	**वर्ष 2005-2006 में उपलब्धियाँ**	9
3.	**संरचना एवं क्रियाकलाप**	10-15
4.	**अनुभाग**	16-28
4.1	शैक्षणिक अनुभाग	16
4.2	शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	16
4.3	पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग	17
4.4	परीक्षा अनुभाग	22
4.5	प्रशासन अनुभाग	24
4.6	वित्त अनुभाग	25
4.7	योजना अनुभाग	26
4.8	पुस्तकालय	28
5.	**परिसर**	29-50
5.1	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	30
5.2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)	33
5.3	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू व कश्मीर)	35
5.4	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	36
5.5	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	38
5.6	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	40
5.7	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)	43
5.8	गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश)	47
5.9	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	48
5.10	के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	50
6.	**योजनाएँ**	51-60
6.1	संस्कृत के प्रोत्साहन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं और पाठशालाओं को वित्तीय सहायता	51
6.2	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा	53
6.3	शास्त्र चूड़ामणि योजना	54
6.4	व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना	55
6.5	संस्कृत शब्दकोश परियोजना	56
6.6	संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान प्रदान करने की योजना	56
6.7	संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना	57
6.8	ग्रन्थ क्रय योजना	57
6.9	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना	58

6.10	शोध तथा उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्ति प्रदान योजना	59
7.	**वर्ष की प्रमुख घटनाएँ**	**61-78**
7.1	प्रतिष्ठापन समारोह	61
7.2	संस्थान का प्रथम दीक्षान्त-समारोह	62
7.3	माननीय श्री अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मन्त्री द्वारा भोपाल परिसर के नए भवन का शिलान्यास	63
7.4	संस्कृत सप्ताहोत्सव	64
7.5	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता का दरभंगा, बिहार में आयोजन	65
7.6	श्री बी.एस. बासवान, शिक्षा सचिव का आगमन	66
7.7	'धातुरत्नाकरः' के द्वितीय व छठे खंड का प्रवर्त्तन	67
7.8	बैंकाक में अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन	68
7.9	श्रीमती बेला बैनर्जी, संयुक्त सचिव (भाषाएं) का लखनऊ व इलाहाबाद परिसरों का दौरा	68
7.10	श्री निकोलस जेन का पाण्डिचेरी फ्रेंच संस्थान, 11, लूईस स्ट्रीट, पाण्डिचेरी से आगमन	68
7.11	हिन्दी पखवाड़ा	69
7.12	अनौपचारिक शिक्षक-प्रशिक्षण	69
7.13	फलित ज्योतिष पर स्वाध्याय योजना की कार्यशाला	69
7.14	भारतीय विज्ञान का इतिहास एवं तत्त्व-ज्ञान : अभिनव प्रवृत्तियाँ तथा भावी सम्भावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	70
7.15	वसन्तोत्सव	70
8.	**संलग्नक**	**79-142**
	क. प्रबन्धन परिषद् के सदस्यों की सूची	79
	ख. वित्त समिति के सदस्यों की सूची	80
	ग. संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण	81
	घ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि-प्राप्त शोध छात्रों का विवरण	89
	ङ. सम्बद्ध संस्थाएँ	91
	च. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें	99
	छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय	102
	ज. मुख्यालय में अनुभाग-वार कार्यरत स्टाफ संख्या	108
	झ. वर्ष 2005-06 में वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण	110
	ञ. राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र तथा बादरायण व्यास सम्मान प्राप्तकर्ता	111
	ट. वित्तीय सहायता से प्रकाशित हुए प्रकाशनों का विवरण	117
	ठ. प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण	120
	ड. वार्षिक अनुदान प्राप्तकर्ता आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण	124
	ढ. परवर्ती वर्ष हेतु शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ देने के लिए विचारित प्रस्तावों की राज्य-वार संख्या का विवरण	126
	ण. वर्ष 2005-06 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं लेखा परीक्षित वार्षिक लेखे	127

1. पर्यवलोकन

1.1 भूमिका और कार्य

सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत और अब मानित विश्वविद्यालय के रूप में कार्यरत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्थापना अखिल भारत में संस्कृत के विकास व संवर्धन हेतु अक्तूबर, 1970 में स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। यह प्रारम्भ से ही भारत सरकार द्वारा पूर्णतया निधिबद्ध है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है और संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय को सहयोग देता है। इसने सभी दृष्टिकोणों से संस्कृत भाषा और शिक्षण के प्रतिरक्षण, प्रसार व विकास हेतु भारत सरकार के शिक्षा मन्त्रालय द्वारा 1956 में स्थापित संस्कृत आयोग द्वारा की गई विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु केन्द्रीय निकाय के कर्त्तव्यों को ग्रहण कर लिया है।

संस्थान के पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में उत्कृष्ट महत्त्वपूर्ण कार्यों, अप्रकाशित संस्कृत मूल-पाठों के श्रेष्ठ प्रकाशनों, 50,000 से भी अधिक दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के संरक्षण तथा प्रबन्धन को महत्त्व देते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से प्रभावी मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है जो अधिसूचना सं.एफ. 9-28/2000 यू 3 द्वारा अनुगत है जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है।

इस अवधि में प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति के पद पर सुशोभित हैं। डॉ. सी. गिरि ने 1 दिसम्बर, 2005 से कुलसचिव का पद ग्रहण किया है।

संस्था के बहिर्नियम में निर्दिष्टानुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत विद्या व शोध का प्रसार, विकास व प्रोत्साहन हैं और उनका पालन करते हुए;

i. संस्कृत विद्या की सभी विधाओं में शोध का आरम्भ, अनुदान, प्रोत्साहन तथा संयोजन करना है, साथ-साथ शिक्षक-प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपि विज्ञान आदि को भी संरक्षण देना है जिससे पाठमूलक प्रासंगिक विषयों में आधुनिक शोध के निष्कर्ष के साथ सम्बन्ध स्पष्ट किया जा सके तथा इनका प्रकाशन हो सके।

ii. देश के विविध भागों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, अधिग्रहण तथा संचालन करना और समान उद्देश्यों वाली अन्य संस्थाओं को संस्थान से संबद्ध करना।

iii. केन्द्रीय प्रशासनिक संकाय के रूप में इसके द्वारा स्थापित अथवा अधिगृहीत समस्त केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों का प्रबंधन तथा उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में अधिकाधिक प्रभावी सहयोग करना जिससे विशिष्ट क्षेत्रों में विद्यापीठों के बीच कर्मचारियों, छात्रों व शोध और राष्ट्रिय कार्य-विभाजन के अन्तर्बदल और स्थानान्तरण को सुसाध्य एवं तर्कसंगत बनाया जा सके।

iv. संस्कृत के संवर्धनार्थ भारत सरकार के केन्द्रीय अभिकरण (Nodal Agency) के रूप में उनकी नीतियों एवं योजनाओं को लागू करना।

v. उन शैक्षणिक क्षेत्रों में अनुदेश एवं प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना जिन्हें संस्थान उचित समझता हो।

vi. शोध एवं ज्ञान प्रसार के विकास के लिए समुचित मार्गदर्शन एवं व्यवस्था करना।

vii. प्राचीर-बाह्य (Extra-mural) अध्ययन, विस्तारित योजनाएँ एवं दूरस्थ क्रिया-कलाप जो समाज के विकास में योगदान देते हों, उनका उत्तरदायित्व लेना।

viii. इसके अतिरिक्त उन सभी उत्तरदायित्वों एवं कार्यों का निष्पादन करना जो संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक या वांछित हों।

1.2 कार्यक्रम और क्रियाकलाप

संस्थान ने अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रम और क्रियाकलाप प्रारम्भ किये हैं–

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डॉक्टर की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक अर्थात् शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों तथा महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- जिन व्यक्तियों ने स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षाएँ उत्तीर्ण कर ली हैं, उन्हें उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विज़िटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार और पदक प्रारंभ करना और प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत के प्रोत्साहन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.3 अध्यापन

संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्रथमा से लेकर आचार्य स्तरों तक संस्थान के दस अंगीभूत परिसरों एवं सम्बद्ध संस्थाओं में शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

संस्थान विद्यालय स्तर पर अंग्रेजी, हिन्दी तथा इतिहास, समाज-विज्ञान, राजनीति-विज्ञान, गृह-विज्ञान, गणित आदि आधुनिक विषयों के सम्बन्ध में सी.बी.एस.ई. के पाठ्यक्रमों का अनुसरण करता है। शास्त्री स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी जैसे आधुनिक विषयों के सम्बन्ध में सामान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का अनुसरण किया जाता है।

संस्थान द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं। सभी परिसरों में संस्कृत शिक्षा की आधुनिक प्रणाली के छात्रों को परम्परागत प्रणाली में सम्मिलित होने की सुविधा देने हेतु प्राक्शास्त्री नामक + 2 स्तर का द्विवर्षीय मध्यवर्ती पाठ्यक्रम है। सम्प्रति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दस परिसरों का संचालन कर रहा है।

1.4 अध्यापक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष के शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है।

1.5 शोध

गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद का एकमात्र उद्देश्य चयनित शाखाओं में शोध सम्पादन है। सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों को स्वयं को पंजीयन कराने की सुविधाएँ विद्यमान हैं और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच. डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

1.6 आन्तरिक छात्रवृत्ति

छात्रों को संस्कृत शिक्षण के साथ-साथ संस्कृत की विभिन्न विधाओं में गहन अध्ययन हेतु आकर्षित तथा प्रोत्साहित करने की दृष्टि से संस्थान अपने परिसरों में सभी पाठ्यक्रमों एवं शोध के लिए योग्य छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। निम्नलिखित तालिका वर्ष 2005-06 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है।

		कक्षा								
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III		I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद	-	-	-	-	-	-	-	-	18
2.	श्री सदाशिव परिसर पुरी	30	20	34	28	16	48	115	85	-
3.	श्री रणवीर परिसर जम्मू	17	14	30	38	12	49	20	21	-
4.	गुरुवायूर परिसर त्रिचूर	30	11	36	23	26	50	35	24	02
5.	जयपुर परिसर जयपुर	30	21	60	60	60	30	60	39	-
6.	लखनऊ परिसर लखनऊ	21	11	23	23	17	50	50	15	02
7.	श्री राजीव गांधी परिसर श्रृंगेरी	27	23	28	30	25	46	17	09	-
8.	गरली परिसर गरली	60	60	60	60	60	-	45	45	-
9.	भोपाल परिसर भोपाल	16	16	19	14	07	50	07	02	-
10.	के.जे.सौमैया परिसर मुम्बई	07	01	08	02	03	-	02	01	-
योग		238	177	298	278	226	323	251	241	22
						कुल योग - 2054				

1.7 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान 'संस्कृत विमर्श:' और 'गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद शोध पत्रिका' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इसके अतिरिक्त 'उशती' नामक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन भी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा किया जाता है।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा उच्च स्तरीय प्रकाशनों को अनवरत प्रकाशित किया जा रहा है।

1.8 दूरदर्शन प्रसारण

दूरदर्शन के माध्यम से संस्कृत अध्ययन कार्यक्रम पहले ही आरम्भ किया जा चुका है और यह कार्यक्रम इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल पर प्रतिदिन दिखाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के 440 एपिसोड तैयार किए गए हैं। प्रसार भारती के डी.डी. भारती एवं डी.डी. इण्डिया भी इस कार्यक्रम को सप्ताह में तीन बार प्रसारित करते हैं। यह कार्यक्रम बहुसंख्यक लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है और संस्थान को सम्मान मिल रहा है।

2. वर्ष 2005-2006 में उपलब्धियाँ

- 09 नए प्रकाशन प्रकाशित किए।
- 05 पुनर्मुद्रण संस्करण निकाले गए।
- 11927 छात्र संस्थान की परीक्षाओं में बैठे।
- 3328 छात्रों को संस्थान परिसरों में प्रवेश मिला।
- शोध व उच्चमाध्यमिकोत्तर योजना के अन्तर्गत 3154 छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- 32 छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई।
- संस्कृत ग्रन्थ क्रय योजना के अधीन 399 ग्रन्थों का थोक में क्रय हुआ।
- संस्कृत साहित्य प्रकाशन योजना के अन्तर्गत प्रकाशकों/विद्वानों ने 35 प्रकाशन प्रकाशित किए।
- स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत 727 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत 1343 शिक्षकों को समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अधीन 6777 छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम में 40,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।
- अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में शास्त्र शलाका परीक्षा को एक विषय के रूप में आयोजित किया गया।

3. संरचना एवं क्रियाकलाप

भारत सरकार द्वारा नियुक्त कुलाध्यक्ष (President) संस्थान का प्रधान होता है। **माननीय श्री अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार संस्थान के कुलाध्यक्ष (President) हैं।** कुलपति प्रधान कार्यपालक अधिकारी हैं। वह संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और योजनाओं का निष्पादन करते हैं तथा इसके सभी प्राधिकारियों के निर्णयों को लागू करते हैं। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री कुलपति के पद पर कार्यरत हैं। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकारी हैं:

1. प्रबन्धन परिषद्– यह संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। सुविचारित निर्णय लेने तथा उन्हें कार्यान्वित करने तथा संकटपूर्ण स्थितियों को प्रभावशाली ढंग से निपटने के लिए अधिकार-सम्पन्न है।
2. विद्वत् परिषद्- शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. योजना एवं प्रबोधन परिषद्- विकास कार्यक्रमों के मानीटर हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।
4. वित्त समिति- प्रबन्धन परिषद् के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति करने के लिए उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
5. परामर्शदात्री समिति– इसे शैक्षिक आयोजना व वृद्धि में सहायता का काम सौंपा गया है। यह यू.जी.सी. के नामिती की अध्यक्षता के अधीन कार्य करती है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2005-06 में संस्थान के प्राधिकारियों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

बोर्ड/परिषद्/समिति	बैठकों की संख्या
प्रबन्धन परिषद्	4 (चार)
वित्त समिति	3 (तीन)
विद्वत् परिषद्	1 (एक)
सहायता अनुदान समिति	2 (दो)
परीक्षा मण्डल	–
शोध मण्डल	1 (एक)
छात्रवृत्ति चयन समिति	1 (एक)
योजना एवं प्रबोधन परिषद्	–
परामर्शदात्री समिति	–

प्रबन्धन परिषद् तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः संलग्नक 'क' व 'ख' में दिया गया है। अपने समृद्ध पुस्तकालय के अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान निम्नलिखित सात अनुभागों के द्वारा कार्य करता है–

1. शैक्षणिक अनुभाग
2. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
3. पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. प्रशासन अनुभाग
6. वित्त अनुभाग
7. योजना अनुभाग

इनमें से प्रत्येक अनुभाग के प्रधान उप/सहायक निदेशक/उप नियन्त्रक हैं।

3.1 शैक्षणिक अनुभाग

यह एकक शैक्षिक कार्य-निष्पादन हेतु मानकों के निर्धारण के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों हेतु कैलेंडर निर्माण और विविध पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रमुखतया उत्तरदायी है।

3.2 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

यह एकक अंगीभूत परिसरों की शोध और प्रकाशन गतिविधियों तथा संस्थान के शोध एवं प्रकाशन कार्यक्रमों और परियोजनाओं के समन्वय से सम्बद्ध है। यह संस्कृत साहित्य के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना तथा पुस्तकों के थोक क्रय करने जैसी योजनाओं से भी सम्बद्ध है।

3.3 पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

यह एकक पत्राचार पाठ्यक्रमों की व्यवस्था हेतु उत्तरदायी है। ये पाठ्यक्रम दो स्तरों पर प्रस्तुत किए जाते हैं और यह अनुभाग अखिल भारत में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का भी प्रबन्ध करता है तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण हेतु पाठ्यसामग्री का निर्माण करता है।

प्रस्तुत किए गए पत्राचार पाठ्यक्रम हैं–

क. संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम
   प्रथम वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

ख. संस्कृत का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम
   द्वितीय वर्ष (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम)

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण पञ्चस्तरीय पाठ्य-सामग्री प्रस्तुत करता है जो आरम्भ से स्वाध्याय के रूप में आरम्भ होती है। संस्कृत अध्ययन से प्रेम करने वाला समाज का कोई भी वर्ग इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो सकता है।

3.4 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है।

प्रथमा	(कक्षा VIII)
पूर्वमध्यमा	(कक्षा X)
उत्तरमध्यमा	(कक्षा XII)
प्राक्शास्त्री	(कक्षा XII)
शास्त्री	(बी.ए.)
शिक्षाशास्त्री	(बी.एड.)
आचार्य	(एम.ए.)

संस्थान द्वारा शिक्षा-शास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु परीक्षा अनुभाग के माध्यम से एक प्रतियोगिता प्रवेश-परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। इसे पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा (पी.एस.एस.टी.) के रूप में जाना जाता है।

यह परिसरों और सम्बद्ध संस्थाओं के छात्रों को शोध उपाधि विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) प्रदान करने हेतु शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा की व्यवस्था भी करता है।

3.5 प्रशासन अनुभाग

प्रशासन अनुभाग संस्थान और उसके अंगीभूत परिसरों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है। यह नियुक्तियों, पदस्थापनों, स्थानान्तरणों तथा अन्य स्थापना सम्बन्धी कार्यों की योजना भी बनाता है। परिसरों पर नियन्त्रण रखना भी इस अनुभाग का प्रमुख दायित्व है।

3.6 वित्त अनुभाग

इस अनुभाग के कार्य आय-व्यय का विवरण तैयार करना, अनुदान की प्राप्ति तथा उसका वितरण, वित्तीय व्यवस्था और वार्षिक लेखा-जोखा आदि तैयार करना है। यह भविष्य निधियों का भी प्रबन्धन करता है और छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों के संवितरण की व्यवस्था करता है।

3.7 योजना अनुभाग

यह अनुभाग स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्तियाँ करना, विभिन्न संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना, भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को आर्थिक अनुदान देना, आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों और संस्कृत शब्दकोश परियोजना को वित्तीय सहायता प्रदान करना जैसी विभिन्न योजनाओं के उचित कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है। यह अनुभाग संस्कृत के पारम्परिक छात्रों के लिए अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के आयोजन हेतु भी उत्तरदायी है।

3.8 परिसर

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है–

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, उड़ीसा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्नाटक
8.	गरली परिसर	गरली, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र

इलाहाबाद स्थित परिसर में केवल शोध कार्य होता है। अन्य परिसर निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए अध्यापन कार्य करते हैं–

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.

बी.एड. कार्यक्रम का संचालन पुरी, जम्मू, जयपुर, लखनऊ, शृंगेरी, भोपाल और गुरुवायूर परिसरों में किया जाता है। शैक्षिक सत्र का प्रारम्भ छात्रों के विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के साथ होता है।

निम्नलिखित तालिका से परिसरों में कक्षा-वार प्रवेश का पता चलता है–

		कक्षा								
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III		I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.	श्री सदाशिव परिसर पुरी	61	34	40	38	22	97	136	114	08
3.	श्री रणवीर परिसर जम्मू	29	21	51	68	65	98	36	35	–
4.	गुरुवायूर परिसर त्रिचूर	64	38	46	49	51	82	53	44	02
5.	जयपुर परिसर जयपुर	45	33	131	101	91	98	129	55	25
6.	लखनऊ परिसर लखनऊ	19	13	23	23	17	92	34	16	07
7.	श्री राजीव गांधी परिसर शृंगेरी	28	24	28	30	25	92	17	09	–
8.	गरली परिसर गरली	63	54	64	90	56	–	72	62	06
9.	भोपाल परिसर भोपाल	28	28	38	19	13	97	19	05	01
10.	के.जे.सौमैया परिसर मुम्बई	07	02	08	03	03	–	02	01	–
योग		344	247	429	421	343	656	498	341	49
						कुल योग 3328				

परिसरों के छात्रों ने 2005-06 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। पृष्ठ 23 पर दिए गए आँकड़ों पर आधारित निम्नलिखित ग्राफ़ परिणाम की प्रतिशतता को कक्षा-वार दर्शाता है–

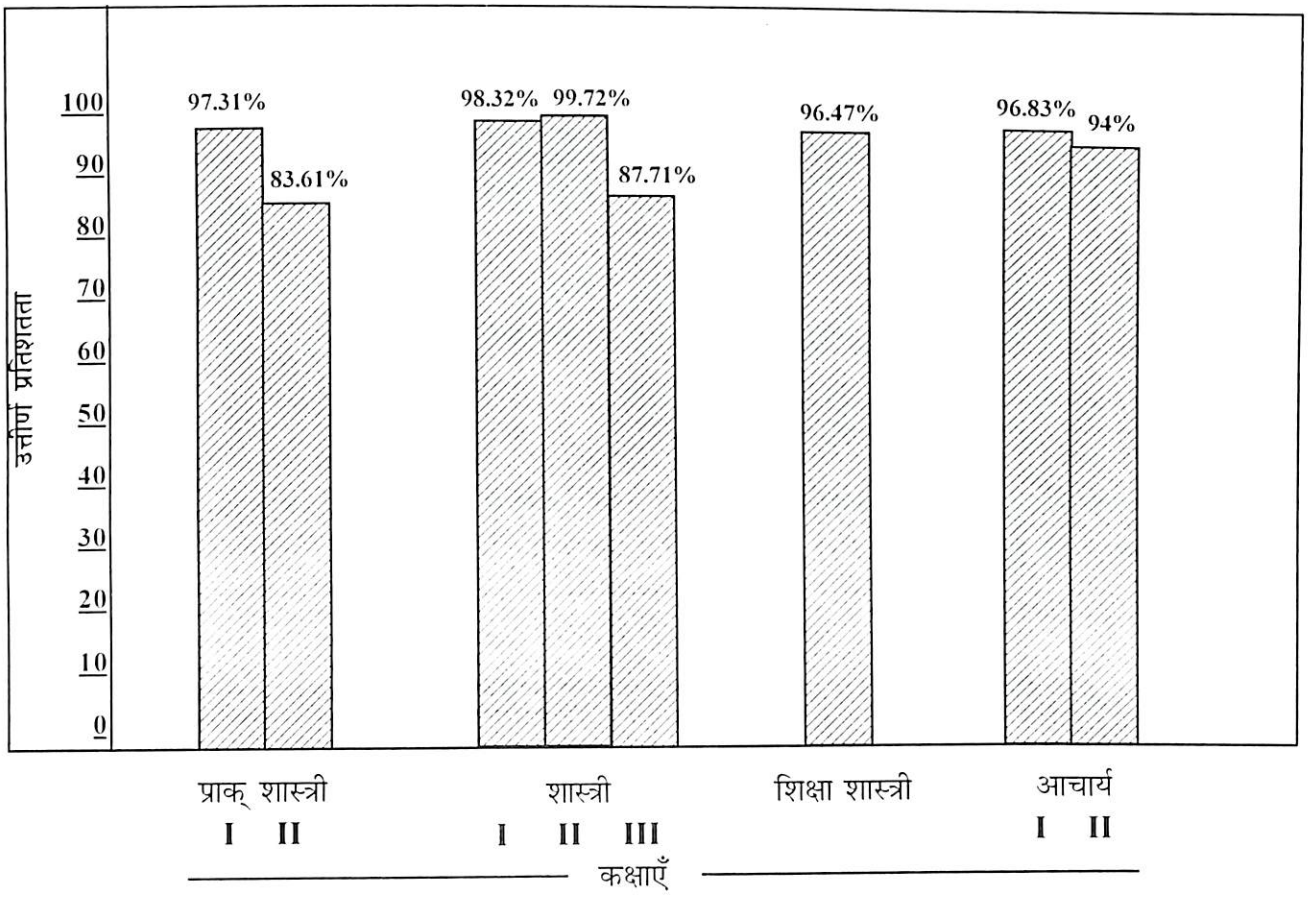

परिसरों में प्रशिक्षित एवं कुशल प्राध्यापक-वर्ग है। तथापि जिन विषयों में पूर्णकालिक शिक्षक उपलब्ध नहीं थे, उनमें अंशकालिक शिक्षक भी रखे गए। परिसर-वार संकाय-सदस्यों का विवरण संलग्नक-ग में दिया गया है।

4. अनुभाग

4.1 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के प्रधान उप निदेशक स्तर के अधिकारी हैं।

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं–

संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।

प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए अलग-अलग विषयों की समितियों का गठन करना।

विद्वत् परिषद् की बैठक व अध्ययन परिषद् की बैठक के आयोजन का समन्वय करना और अनुवर्ती कार्रवाई करना।

यह अनुभाग शैक्षणिक कार्य-निष्पादन और शैक्षणिक कार्यक्रम के कैलेण्डर निर्माण हेतु मानकों के निर्धारण के लिए भी उत्तरदायी है।

4.2 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के प्रधान सहायक निदेशक स्तर के अधिकारी हैं। इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं :

मुख्यालय और परिसरों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना और मन्त्रालय द्वारा स्थानान्तरित की गई निम्नलिखित योजनाओं को कार्यान्वित करना:

1. संस्कृत समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं के साथ-साथ संस्कृत वाङ्मय की रचना।
2. संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और अप्राप्य तथा दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण।
3. पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन।

यह अनुभाग अनुदान समिति की बैठकों का समन्वयन भी करता है।

वर्ष 2005-2006 में संस्थान की अनुदान समिति की एक बैठक बुलाई गई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के अधीन रु. 62.43 लाख जारी किए गए जिनसे कि उनका सम्पादन-व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान से वित्तीय सहायता पाकर विभिन्न सम्पादकों द्वारा 35 ग्रन्थों का सम्पादन किया गया।

इसके अतिरिक्त 17 संस्कृत पत्रिकाओं को भी रु. 4.76 लाख का वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया। इस योजना के अन्तर्गत कुल रु. 28.76 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

ग्रन्थ क्रय योजना का विवरण निम्नलिखित है–

आवेदकों की संख्या	277
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	811
कुल क्रीत शीर्षकों की संख्या	399

प्रस्तुत वर्ष में इस योजना के अन्तर्गत दी गई कुल राशि रु. 26.52 लाख है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, रु. 3.76 लाख की राशि का व्यय करके संस्थान के नौ प्रकाशन प्रकाशित किए गए और सात का पुनर्मुद्रण किया गया। इसके साथ ही इस योजना के अन्तर्गत अप्राप्य एवं दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण किया गया और रु. 7.15 लाख के अनुदान का उपयोग किया गया।

शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ

छात्रवृत्ति अनुभाग के प्रधान सहायक निदेशक स्तर के अधिकारी हैं।

यह अनुभाग देश भर में शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियों का संवितरण करता है। छात्रवृत्तियाँ दो प्रकार की हैं–

1. पारम्परिक पाठशालाओं के छात्रों के लिए शोध छात्रवृत्तियाँ;
2. इण्टर, बी.ए., एम.ए. और पी-एच.डी. तथा समकक्ष पारम्परिक पाठ्यक्रम जारी रखने हेतु उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ।

वर्ष 2005-2006 में छात्रवृत्ति प्रदान करने का अलग-अलग विवरण निम्नलिखित है–

	पाठ्यक्रम	नवीन			
		सामान्य	अनु.जा.	अनु.ज.जा.	कुल छात्र
1.	प्राक् शास्त्री/उत्तरमध्यमा/यू.एस.	369	7	01	377
2.	इन्टर	488	24	09	521
3.	बी.ए. I, II, III	1369	84	12	1465
4.	शास्त्री I, II, III	403	35	06	444
5.	एम.ए. I, II	164	35	03	202
6.	आचार्य I, II	84	–	11	95
7.	पी-एच.डी.	43	–	–	43
8.	विद्यावारिधि	07	–	–	07
	कुल	**2927**	**185**	**42**	**3154**

इस मद के अन्तर्गत रु. 41.41 लाख व्यय किए गए।

4.3 पत्राचार पाठ्यक्रम और अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

इस विभाग के प्रधान संस्कृत स्वाध्याय योजना के संयोजक तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के राष्ट्रीय संयोजक हैं।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2005-2006 में इस विभाग के माध्यम से निम्नलिखित योजनाएँ/कार्यक्रम संचालित किए–

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम
2. संस्कृत स्वाध्याय योजना
3. पत्राचार पाठ्यक्रम
4. संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने जुलाई 2005 और मार्च 2006 के मध्य प्रथमा दीक्षा और द्वितीया दीक्षा के दो चक्रों का संचालन किया। उनमें से प्रथम चक्र में 885 केन्द्रों पर 26,345 छात्रों ने भाग लिया। प्राप्त आँकड़ों के आधार पर विश्लेषण इस प्रकार है–

प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा के प्रथम चक्र का राज्य-वार विवरण (जुलाई, 05–दिसम्बर, 05)

राज्य	अनुदान-सहित केन्द्र		अनुदान-रहित केन्द्र		कुल केन्द्र	छात्रों की संख्या (प्राप्त आंकड़ों के आधार पर)		
	प्रथमा दीक्षा	द्वितीया दीक्षा	प्रथमा दीक्षा	द्वितीया दीक्षा		प्रथमा दीक्षा	द्वितीया दीक्षा	कुल छात्र
आन्ध्र प्रदेश	42	4	1	17	64	1111	433	1544
उत्तर-पूर्व	34	53	44	6	137	2309	1161	3470
छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-	-	-
दिल्ली	9	2	1	1	13	272	65	337
गुजरात	23	-	1	7	31	766	137	903
हिमाचल प्रदेश	4	-	1	3	8	168	95	263
हरियाणा	7	-	-	2	9	230	71	301
जम्मू व कश्मीर	3	-	-	1	4	107	20	127
कर्नाटक	40	10	8	12	70	1527	427	1954
केरल	47	4	-	-	51	1075	97	1172
महाराष्ट्र	20	-	1	5	26	527	112	639
मध्य प्रदेश	5	3	2	1	11	279	143	422
उड़ीसा	22	28	17	1	68	1536	815	2351
राजस्थान	35	-	8	5	48	1773	98	1871
तमिलनाडु	41	10	-	2	53	1196	362	1588
उत्तरांचल	28	9	6	9	52	1089	396	1485
पंजाब	4	1	-	1	6	130	44	174
बिहार	1	3	3	1	8	116	98	214
उत्तर प्रदेश	124	43	25	2	194	5234	1269	6503
पश्चिम बंगाल	15	2	1	-	18	596	30	626
संस्थान के परिसर	6	2	2	4	14	231	170	401
कुल	**510**	**174**	**121**	**80**	**885**	**20272**	**6073**	**26345**

इन केन्द्रों के अध्येताओं ने बहुत उत्साह दिखाया। छब्बीस हजार से भी अधिक छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अभियन्ताओं, बैंककर्मियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कृषकों और गृहिणियों आदि ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्राप्त आँकड़ों पर आधारित एक विश्लेषण नीचे दिया जा रहा है–

अनौ. सं. शिक्षण से उपकृत अध्येताओं का विश्लेषण

1.	शिक्षक/प्राध्यापक/प्रोफेसर/पी-एच.डी. आदि	1330
2.	डॉक्टर/इन्जीनियर	107
3.	अधिकारी गण (कमिश्नर/बैंक मैनेजर आदि)	12
4.	वकील/एल.एल.बी.	23
5.	सनदी लेखाकार	12
6.	अन्य-सेवारत/सेवानिवृत्त	963
7.	छात्र	19738
8.	व्यापारी	360
9.	कृषक	307
10.	गृहिणियाँ	1013
11.	अन्य	2480
		कुल : 26345

इस वर्ष दिसम्बर 05 से मार्च 06 के मध्य संचालित द्वितीय चक्र का संकलन तथा विश्लेषण किया जा रहा है। इस चक्र में भी वैसी ही प्रतिक्रिया मिल रही है। इस प्रकार दोनों चक्रों के सहभागी अध्येताओं की संख्या 40,000 से अधिक होने की संभावना है। भारत भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के खुलने से लोग संस्कृत तथा भारतवर्ष की सांस्कृतिक परम्परा से सुपरिचित हो गए हैं। समाज की सभी जातियों और समुदायों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा दीक्षा तथा द्वितीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों पर संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार थी। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री को श्रेष्ठ माना है। जो अध्येता न्यूनतम 75 प्रतिशत कक्षाओं में उपस्थित रहे अथवा जिन्होंने स्थानीय केन्द्रों द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण की, उन्हें प्रथमा/द्वितीया दीक्षा की समाप्ति पर सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कस्बों, जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। संस्कृत शिक्षकों को अति दूर के स्थानों से भी आना पड़ा। देश भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों और स्वैच्छिक संस्थाओं में किया गया। परिणाम अत्यन्त सुखद एवं रोमांचक रहे।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु प्रत्येक राज्य में एक प्रान्त संयोजक को नामित किया गया। उसने सम्बद्ध राज्य में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों से सम्बन्धित प्रस्ताव प्राप्त किए। विविध संस्थाओं से सीधे प्रस्ताव प्राप्त होने पर भी संस्थान द्वारा केन्द्रों के संचालन की संस्वीकृति प्रदान की गई।

संयोजकों की सूची

राष्ट्रीय संयोजक (अनौ. सं. शि.) तथा संस्कृत स्वाध्याय योजना	डॉ. एल.के. त्रिपाठी, रीडर, व्याकरण, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
राष्ट्रीय सह-संयोजक (अनौ. सं. शि.)	डॉ. रत्न मोहन झा, शोध सहायक (जून 2005 तक)
	श्री के. वेंकटेश मूर्ति, शोध सहायक (जुलाई 2005 से आगे)
सह-संयोजक (स्वाध्याय योजना)	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंह देव, शोध सहायक (जून 2005 तक)

प्रान्त संयोजक (अनौ. सं. शि.)

क्रमांक	राज्य	संयोजक का नाम तथा पता
1.	आन्ध्र प्रदेश	डॉ. दोर्बल प्रभाकर शर्मा, प्राचार्य, एस.वी.जे.वी. संस्कृत कलाशाला, कोव्वूर, पश्चिम गोदावरी जिला (आं.प्र.)
2.	विहार+झारखण्ड	डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय, लेक्चरर, क्वार्टर नं.-23, यूनिवर्सिटी परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (विहार)
3.	दिल्ली	डॉ. वाई.एस. रमेश, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, 56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली
4.	गुजरात	डॉ. एच.एम. पाण्डेय, प्राचार्य, वडोदरा संस्कृत महाविद्यालय, वडोदरा (गुजरात)
5.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्रा, रीडर, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
6.	जम्मू एवं कश्मीर	डॉ. विश्वमूर्ति शास्त्री, रीडर एवं साहित्यविभागाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर, जम्मू
7.	कर्नाटक	डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द, रीडर एवं शिक्षाविभागाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
8.	केरल	डॉ. पी.एन. शास्त्री, रीडर एवं साहित्यविभागाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर (केरल)
9.	महाराष्ट्र (विदर्भ क्षेत्र)	डॉ. पंकज चांदे, कुलपति, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर
10.	महाराष्ट्र (पुणे)	श्रीपाद भट्ट, लेक्चरर, संस्कृत विभाग, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे
11.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	डॉ. बालकृष्ण शर्मा, लेक्चरर, शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, अचलेश्वर, लश्कर, ग्वालियर, म.प्र.
12.	उड़ीसा	डॉ. सी. उपेन्द्र राव, रीडर एवं साहित्यविभागाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी

क्रमांक	राज्य	संयोजक का नाम तथा पता
13.	पंजाब+हिमाचल प्रदेश	श्री भक्तवत्सलम शर्मा, प्राचार्य, एस.डी. आदर्श संस्कृत कालेज, दोहगी, जिला–ऊना (हिमाचल प्रदेश)
14.	राजस्थान	डॉ. सुदेश कुमार शर्मा, रीडर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, जयपुर
15.	तमिलनाडु	डॉ. आर. रामचन्द्रन, व्याख्याता, संस्कृत विभाग, रामकृष्ण मिशन, विवेकानन्द कॉलेज, मइलापुर, चेन्नई (तमिलनाडु)
16.	उत्तरांचल	डॉ. बुद्धदेव शर्मा, प्राचार्य, मंगला देवी इण्टर कालेज, देहरादून
17.	उत्तर प्रदेश	डॉ. एम. चंद्रशेखर, रीडर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर, लखनऊ
18.	पश्चिम बंगाल	डॉ. सत्यपाद भट्टाचार्य, रीडर, संस्कृत "सत्यधाम" पो. आ.-प्रफुल्ल कानन, ए.एफ-159, रवीन्द्र पल्ली, कृष्णापुर, कोलकाता
19.	पूर्वोत्तर राज्य	डॉ. नृपेन्द्र नाथ शर्मा (सेवा-निवृत्त प्राचार्य) पाञ्चजन्य, 5 लक्ष्मी नगर, आर.जी. बरुआ रोड, (नर्सरी) दिसपुर, गुवाहाटी, आसाम।

2. संस्कृत स्वाध्याय योजना

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2005-2006 में निम्नलिखित कार्य सम्पन्न किए गए–

(i) नीतिशतक (पूर्वार्द्ध) की स्वाध्याय सामग्री।

(ii) नीतिशतक (उत्तरार्द्ध) की स्वाध्याय सामग्री।

(iii) प्रथमा दीक्षा का द्वितीय संस्करण भी निम्नलिखित प्रकार से सम्पादित किया गया–

(अ) प्रत्येक पाठ के प्रारम्भ में पाठों का सारांश हिन्दी व अंग्रेजी में जोड़ा गया है।

(आ) सम्भाषण पुस्तक को नए सिरे से लिखा गया है। ये दोनों पुस्तकें मुद्रण हेतु तैयार हैं।

(iv) द्वितीया दीक्षा का द्वितीय संस्करण भी मुद्रण के लिए तैयार है। पुराना स्टॉक समाप्त होते ही मुद्रण करवाया जाएगा।

(v) भारतीय ज्योतिष (फलित) पर परिचयात्मक पाठ्यक्रम भी प्रकाशित किया गया।

(vi) वास्तु-शास्त्र से सम्बद्ध ग्रन्थ का संशोधन एवं पुनः संपादन किया गया।

(vii) काव्य स्वाध्याय से सम्बन्धित पाठ्य-सामग्री भी तैयार की गई है जिसे पुनरीक्षित करके शीघ्र ही प्रकाशित किया जाएगा।

3. पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात् (अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (आ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष। जिन 548 छात्रों ने संस्कृत अध्ययन हेतु पहले पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीयन करवाया था, उनका अध्ययन वर्ष 2005-2006 में अभी जारी है। नए 225 छात्रों ने भी पत्राचार पाठ्यक्रम में पंजीयन करवाया।

4. **संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम**

संस्थान ने सात केन्द्रों पर शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाया है।

क्रमांक	प्रशिक्षण शिविरों का स्थान	प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या	सम्पद् व्यक्ति
1.	एस.वी.जे.वी. संस्कृत कॉलेज, कोव्वूर, आं.प्र.	72	डॉ. रानी सदाशिव मूर्ति, डॉ. शाम्बशिव मूर्ति, डॉ. दोर्बल प्रभाकर शर्मा, डॉ. पी. उपेन्द्र राव, डॉ. सत्यनारायण आचार्य
2.	गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार	50	पं. बुद्धिवल्लभ शास्त्री, डॉ. एम. चन्द्रशेखर, डॉ. महावीर अग्रवाल, डॉ. बुद्धदेव शर्मा
3.	पार्क कॉलेज तिरुपुर, तमिलनाडु	136	श्री जनार्दन हेगड़े, डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द, डॉ. पी.एन. शास्त्री, डॉ. आर. रामचन्द्रन
4.	नगाँव असम	231	प्रो. उमाकान्त शर्मा, डॉ. राजेन शर्मा, डॉ. बुद्धीन्द्र वर ठाकुर, डॉ. नृपेन्द्र नाथ शर्मा
5.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान जयपुर परिसर, राजस्थान	44	डॉ. हिन्द केसरी, डॉ. सुदेश कुमार शर्मा, डॉ. राजेन्द्र मिश्रा
6.	श्रीकृष्ण धाम कुरुक्षेत्र, हरियाणा	27	प्रो. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, प्रो. आर. देवनाथन, डॉ. वाई.एस. रमेश, डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी, डॉ. विजयपाल शास्त्री, डॉ. भक्त वत्सल शर्मा, डॉ. रत्न मोहन झा, कुमारी मंजुश्री, श्री के. वेंकटेश मूर्ति
7.	उदयन प्रसाद कार्यालय, पुणे	62	डॉ. श्रीपाद भट्ट, डॉ. एच.आर. विश्वास, श्री राघवेन्द्र देशपाण्डे, श्री अनिरुद्ध जोशी, श्री दीपेश कतिरा, श्री माधव जी. केल्कर

उपर्युक्त सभी केन्द्रों पर शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता-पूर्वक सम्पन्न किया गया।

4.4 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग के प्रमुख उपनियन्त्रक (परीक्षा) हैं।

विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन इस अनुभाग का मुख्य दायित्व है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षाएँ विद्यापरिषद् द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों और इस उद्देश्य से निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2005-2006 में विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या इस प्रकार है–

क्रमांक	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण
1.	प्रथमा–III	337	217
2.	पूर्वमध्यमा–I	1218	1121
3.	पूर्वमध्यमा–II	791	702
4.	उत्तरमध्यमा–I	436	416
5.	उत्तरमध्यमा–II	378	363
6.	प्राक्शास्त्री–I	1379	1342
7.	प्राक्शास्त्री–II	995	832
8.	शास्त्री–I	1489	1464
9.	शास्त्री–II	1476	1472
10.	शास्त्री–III	977	857
11.	आचार्य–I	1010	978
12.	आचार्य–II	760	715
13.	शिक्षाशास्त्री	681	657
	कुल	**11927**	**11136**

इस वर्ष में 32 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई। इन शोध-छात्रों का विवरण संलग्नक-घ में दिया गया है।

वर्ष 2005-06 में परिसरों एवं सम्बद्ध संस्थाओं की विभिन्न कक्षाओं में कुल 12635 छात्रों को पंजीकृत किया गया।

वर्ष 2006 में पंजीकृत, परीक्षा में बैठे तथा उत्तीर्ण पीएसएसटी छात्रों का विवरण निम्नलिखित है–

(i) पंजीकृत छात्रों की संख्या – 10772

(ii) परीक्षा में बैठे छात्रों की संख्या – 9709

(iii) उत्तीर्ण छात्रों की संख्या – 1799

वार्षिक परीक्षा 2006 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है–

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	कक्षा/विषय	परिसर/संस्थान
1.	47512	सुबिता के.ए.	आचार्य नव्य न्याय	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
2.	47550	महेश लक्ष्मीनारायण हेगड़े	आचार्य अद्वैत वेदान्त	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
3.	47551	सुब्रया गणपति भट्ट	आचार्य मीमांसा	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
4.	46039	विक्रान्त भास्कर	आचार्य नव्य व्याकरण	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बेगुसराय

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	कक्षा/विषय	परिसर/संस्थान
5.	47737	विष्णु सुमन	आचार्य साहित्य	जयपुर परिसर, जयपुर
6.	47633	पुष्पांजली देई	आचार्य सर्वदर्शन	पुरी परिसर, पुरी
7.	47323	सुरेश शर्मा	आचार्य फलित ज्योतिष	गरली परिसर, गरली
8.	47332	वेद प्रकाश	आचार्य फलित ज्योतिष	गरली परिसर, गरली
9.	48100	पुष्पांजली षडंगी	आचार्य सिद्धांत ज्योतिष	पुरी परिसर, पुरी
10.	47673	दीपक कुमार महापात्रा	आचार्य धर्मशास्त्र	पुरी परिसर, पुरी
11.	48069	सरोजिनी साहू	आचार्य पुराणेतिहास	पुरी परिसर, पुरी
12.	47657	सस्मिता मेकप	आचार्य सांख्ययोग	पुरी परिसर, पुरी
13.	47215	साधु धर्मवत्सल दास	आचार्य विशिष्ट-अद्वैत वेदान्त	दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय छरोडी, अहमदाबाद
14.	46553	दिलबाग श्रीवास्तव	आचार्य बौद्ध दर्शन	लखनऊ परिसर, लखनऊ
15.	7856	प्रियंका पाठक	शिक्षा शास्त्री	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
16.	39596	नीलांबर बाघा	शास्त्री	श्री राजीव गांधी परिसर,शृंगेरी
17.	30475	मधुसूदन मिश्र	प्राक् शास्त्री	जयपुर परिसर, जयपुर
18.	19481	विमल रक्षित	उत्तर मध्यमा	राम कृष्ण मठ, विवेकानन्द वेद विद्यालय, हावड़ा (प.बं.)
19.	19331	अनिरुद्ध कर	पूर्व मध्यमा	राम कृष्ण मठ, विवेकानन्द वेद विद्यालय, हावड़ा (प.बं.)
20.	369	त्रिवेदी बृजेश दिनेश भाई	प्रथमा	दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय छरोडी, अहमदाबाद

संस्थाओं से सम्बद्धता

संस्थान ने कुछ एक परिसरों से कार्य करना आरम्भ किया था। लेकिन बाद में कुछ निजी रूप से संचालित संस्थाओं को इससे सम्बद्ध कर लिया गया। संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक 'ङ' में दी गई है। संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारों तथा विश्वविद्यालयों के विवरण क्रमशः च और छ संलग्नक में दिए गए हैं।

4.5 प्रशासन अनुभाग

उपनिदेशक (प्रशासन) इस अनुभाग के प्रमुख हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन अनुभाग नियमों, विनियमों और प्रक्रिया अनुसार आन्तरिक व्यवस्था के कार्य करता है। यह संस्थान के विभिन्न अंगीभूत परिसरों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने के लिए आवश्यक स्थापना सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना सम्बन्धी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन अधिग्रहण, नए परिसरों की स्थापना और प्रबन्धन परिषद् तथा वित्त समिति की बैठकों के संचालन आदि कार्य करता है।

जिन परिसरों के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए भवन-निर्माण हेतु जमीन प्राप्त करने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। जम्मू परिसर के भवन निर्माण की प्रक्रिया लगभग पूर्ण हो रही है। पुरी परिसर ने अपने नव-निर्मित भवन में कार्य करना आरम्भ कर दिया है। इसके अतिरिक्त जम्मू, जयपुर, शृंगेरी, लखनऊ, पुरी और गुरुवायूर परिसरों में छात्रों और छात्राओं के छात्रावास, पुस्तकालय और न्यूनतम स्टाफ आवास आदि के द्वितीय चरण का निर्माण प्रक्रियाधीन है।

इस वर्ष संस्थान के मुख्यालय में अनुभाग-वार स्टाफ सदस्यों की संख्या संलग्नक-ज में दी है।

4.6 वित्त अनुभाग

इस अनुभाग के प्रमुख अधिकारी उपनिदेशक (वित्त) हैं। इस वर्ष इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व निम्नलिखित हैं–

बजट (2005-2006)

वर्ष 2004-2005 के रु. 911.83 लाख के अप्रयुक्त शेष को वित्तीय वर्ष 2005-2006 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रु. 4209.52 लाख का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को अंगीभूत एककों में निम्नलिखित प्रकार से आबंटित किया गया–

क्रमांक	एकक का नाम	योजनागत	योजनेतर	कुल योग
1.	मुख्यालय	1297.91	1179.91	2477.82
2.	पुरी परिसर	50.00	293.62	343.62
3.	जम्मू परिसर	10.30	225.02	235.32
4.	इलाहाबाद परिसर	--	87.04	87.04
5.	गुरुवायूर परिसर	100.00	163.52	263.52
6.	जयपुर परिसर	50.00	204.39	254.39
7.	लखनऊ परिसर	100.00	177.38	277.38
8.	शृंगेरी परिसर	118.55	--	118.55
9.	गरली परिसर	58.10	--	58.10
10.	भोपाल परिसर	71.36	--	71.36
11.	मुम्बई परिसर	22.42	--	22.42
	कुल	**1878.64**	**2330.88**	**4209.52**

वर्ष में यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं व्यय की अन्य रख-रखाव की मदों पर उपयोग में लाया गया। वित्तीय वर्ष के अन्त में रु. 619.87 लाख (योजनागत रु. 159.56 लाख और योजनेतर रु. 460.31 लाख) की धनराशि व्यय न होने के कारण अवशिष्ट रही।

लेखा

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु डी.जी.ए.सी.आर. को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया गया है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा प्राधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

इस अनुभाग को आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों से सम्बन्धित कार्य और संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी तथा फारसी भाषाओं के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान करने हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय देने का कार्य भी सौंपा गया है।

4.7 योजना अनुभाग

यह अनुभाग उप निदेशक (वित्त) के अधीन कार्य कर रहा है।

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है।

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान और संस्थान-भवन के निर्माण के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत संस्थान द्वारा वर्ष 2005-2006 में रु. 433.53 लाख की राशि व्यय की गई। इस वर्ष में 727 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ii) अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों के चयनित पारम्परिक संस्कृत छात्र भाग ले सकते हैं। संस्थान द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष छात्रों को शास्त्रों में आशु भाषण में प्रोत्साहित करने हेतु किया जा रहा है। गत वर्षों की तरह अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा का आयोजन 26-28 दिसम्बर, 2005 को कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में किया गया। 42 शिक्षकों सहित 142 छात्रों ने व्याकरण, मीमांसा, वेदान्त, न्याय, सांख्ययोग, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, साहित्य, श्लोकान्त्याक्षरी तथा समस्यापूर्ति से सम्बद्ध प्रतियोगिताओं में भाग ग्रहण किया।

वर्तमान दस विषयों के अतिरिक्त "शास्त्र शलाका परीक्षा" का आयोजन भी निम्नलिखित तीन विषयों में किया गया। इसकी घोषणा गत वर्ष काञ्चीपुरम में आयोजित प्रतियोगिताओं में की गई थी–

1.	व्याकरण	भट्टोजिदीक्षित विरचित व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी के संज्ञा परिभाषा, पञ्चसन्धि, कारक, स्त्रीप्रत्यय प्रकरण।
2.	साहित्य	महाकवि कालिदास कृत रघुवंशम्–आरम्भ से षष्ठम सर्ग पर्यन्त।
3.	न्याय	अन्नंभट्ट कृत तर्कसंग्रह दीपिका सहित संग्रह।

निर्णायक-मण्डल द्वारा प्रदत्त विनिर्णय के अनुसार विजेता छात्रों को नकद पुरस्कार एवं पदक प्रदान किए गए। इस वर्ष इस उद्देश्य हेतु रु. 6.90 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

प्रक्रियानुसार वर्ष 2006-07 की अगली शलाका परीक्षा हेतु प्रतिभागियों के लिए निम्नलिखित तीन विषयों की घोषणा की गई है–

1.	व्याकरण	व्याकरण सिद्धान्त कौमुदी के षड्लिंग प्रकरण, कारक प्रकरण और समास प्रकरण (समासाश्रय विधि पर्यन्त)
2.	साहित्य	कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग से पञ्चम सर्ग पर्यन्त)
3.	न्याय	न्याय सिद्धान्त मुक्तावली (शब्दखण्डान्तभाग)

(iii) शास्त्र चूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संगठनों में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रु. 2500/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि के लिए दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष के लिए इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 39 अन्य शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2005-06 में किया गया।

इस योजना के अन्तर्गत रु. 18.30 लाख व्यय किए गए।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चुने हुए संगठनों को ज्योतिष, कर्म-काण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि-विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत रु. 1.60 लाख व्यय किए गए।

(v) मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 23 संस्थाएँ संस्थान के अधीन चल रही हैं। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय की आवर्ती मदों पर 95% तथा अनावर्ती मदों पर 75% अनुदान दिया जाता है। इस वर्ष योजना में रु. 283.94 लाख तथा योजनेतर में 236.24 लाख रुपए की धनराशि संस्थान के द्वारा इन संस्थाओं को दी गई।

(vi) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धान्तों के आधार पर एक अतिव्यापक संस्कृत शब्दकोश डेकन कॉलेज, पूना के द्वारा तैयार किया जा रहा है। कार्य प्रगति पर है। खण्ड 8 के प्रथम भाग की नमूना प्रति को अन्तिम रूप दिया जा रहा है। वर्ष 2005-2006 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने संस्कृत शब्दकोश परियोजना के लिए 36.75 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत की।

(vii) भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को मानदेय राशि

भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को संस्थान प्रति वर्ष 50,000/- रुपए की मानदेय राशि देता है। इस वर्ष के दौरान इस मद में रु. 211.76 लाख व्यय किए गए।

(viii) उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन

वर्ष 2005-2006 में संस्थान ने देश के उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा के अध्ययन, प्रसार और प्रोत्साहन हेतु रु. 39.78 लाख व्यय किए।

4.8 पुस्तकालय

संस्थान में शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 22000 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। कक्ष की प्रधान परियोजना अधिकारी हैं जो विक्रय व कम्प्यूटर के कार्यों की देखभाल भी करती हैं।

कक्ष ने परिसरों को पहले से ही कम्प्यूटर प्रदान कर दिए हैं। संस्थान के पूर्व शिक्षा शास्त्री परिणाम वेबसाइट पर 2002-03 से प्रारम्भ किए गए हैं। वर्ष में प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण तथा बिक्री आय निम्नलिखित है–

पुस्तकालय

1.	क्रीत ग्रन्थ	रु. 35,974.00
2.	उपहार के रूप में प्राप्त ग्रन्थ	रु. 1,00,144.00

विक्रय

1.	पुनर्मुद्रित दुर्लभ ग्रन्थ	रु. 6,01,932.00
2.	संस्थान के प्रकाशन	रु. 28,49,852.00
	कुल योग	**रु. 34,51,784.00**

परिसरों की एक झलक

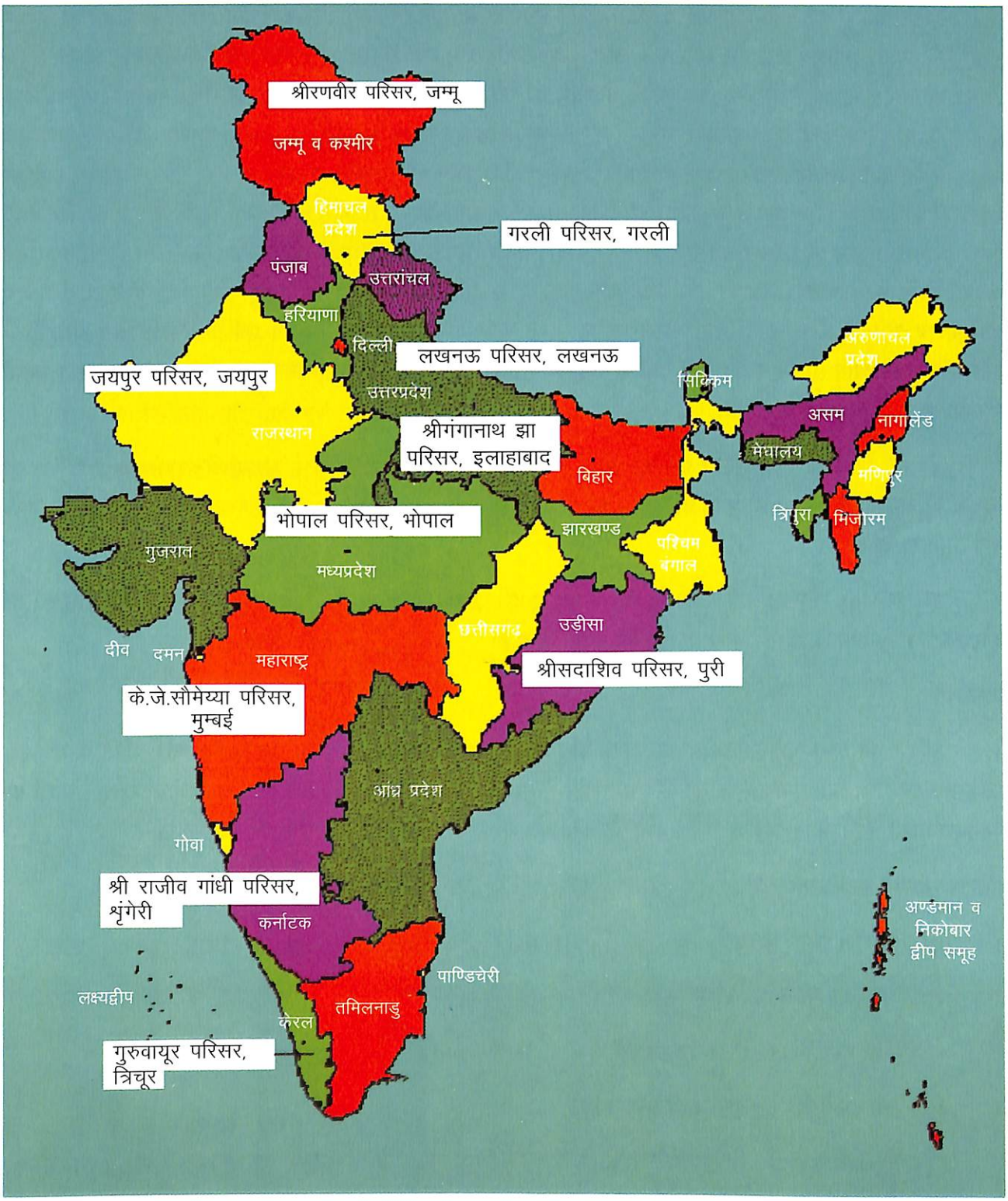
श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
जम्मू व कश्मीर
हिमाचल प्रदेश
गरली परिसर, गरली
पंजाब
उत्तरांचल
हरियाणा
दिल्ली
लखनऊ परिसर, लखनऊ
जयपुर परिसर, जयपुर
उत्तरप्रदेश
राजस्थान
श्रीगंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
बिहार
भोपाल परिसर, भोपाल
झारखण्ड
गुजरात
मध्यप्रदेश
पश्चिम बंगाल
छत्तीसगढ
उड़ीसा
दीव
दमन
महाराष्ट्र
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
आंध्र प्रदेश
गोवा
श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
कर्नाटक
पाण्डिचेरी
लक्ष्यद्वीप
तमिलनाडु
केरल
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
सिक्किम
अरुणाचल प्रदेश
असम
नागालेंड
मेघालय
मणिपुर
त्रिपुरा
मिजोरम
अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह

5. परिसर

5.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

इलाहाबाद में पहले श्री गंगानाथ झा शोध संस्थान स्थापित था। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इसका अधिग्रहण 1 अप्रैल, 1971 को अपनी अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में श्री गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से किया गया। तत्पश्चात् पुनः इसका नामकरण मानित विश्वविद्यालय के श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद के रूप में किया गया। यह परिसर एक ऐसा मान्यता-प्राप्त शोध-केन्द्र है जो संस्कृत वाङ्मय की विभिन्न विद्याओं के शोध-कार्य हेतु पूर्णतया समर्पित है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) की पी-एच.डी. (विद्यावारिधि) उपाधि हेतु शोधकार्य करने के लिए परिसर प्रतिवर्ष निश्चित संख्या में शोध छात्रों को पंजीकृत करता है। इस प्रकार से प्रविष्ट शोध-छात्र विद्यापीठ के शैक्षिक स्टाफ़ के मार्गदर्शन में कार्य करते हैं तथा परिसर के पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि अनुभाग में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करते हैं। पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपियों का उपयोग विद्यापीठ के छात्रों और विद्वानों के लिए सीमित नहीं है अपितु सभी विद्वानों के लिए संदर्भ पुस्तकालय के रूप में खुला है। यह परिसर मान्यता प्राप्त शोध केन्द्र है। परिसर संस्कृत एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के विभिन्न वर्गों के विद्वानों एवं शोधार्थियों को अपने पुस्तकालय की क्षमता के अनुसार उसके उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है।

शैक्षिक स्टाफ़ के सभी सदस्य पंजीकृत छात्रों को शोध-कार्य में मार्ग-दर्शन करने के अतिरिक्त संस्थान द्वारा दिए गए विषयों पर अपना शोध-कार्य भी करते हैं। परिसर की शोध-परियोजनाओं का कार्य न केवल वैयक्तिक रूप से अपितु सामूहिक रूप से किया जाता है।

इस समय 68 शोध-छात्र पंजीकृत हैं। शैक्षिक सत्र 2005-2006 में छः छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई और आठ छात्रों ने अपने शोध-प्रबन्ध संस्थान को प्रस्तुत किए हैं।

प्रकाशन

परिसर की शोध-पत्रिका का साठवाँ खण्ड और काव्य प्रकाश (तीन अप्रकाशित टीकाओं सहित), गीति कन्दलिका, मीमांसा न्यायशास्त्र, डॉ. गंगानाथ झा का जीवनी-साहित्य, संस्कृत प्रलेख और महाकाल संहिता (काम कला खण्ड) ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण किया गया। अपनी प्रकाशन योजनाओं के अतिरिक्त परिसर ने "वेदभाष्य कोश" योजना आरम्भ की है।

संकाय सदस्यों के क्रियाकलाप

1. **डॉ. गोपराजू रामा, प्राचार्य**

(अ) रामायण पर कार्य आरम्भ किया।

(आ) चार लेख लिखे-दो अभिनन्दन एवं दो बधाई ग्रन्थों हेतु।

(इ) संस्थाओं का निरीक्षण-कार्य सम्पन्न किया।

(ई) इलाहाबाद विश्वविद्यालय में "संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान एवं वैज्ञानिक तत्त्व" पर संगोष्ठी में भाग ग्रहण किया।

2. **डॉ. (श्रीमती) एस.के. मिश्र, रीडर**

(अ) सम्पादन हेतु कार्य आरम्भ किए :

(i) पारदकल्प (आयुर्वैदिक विषय)

(ii) चिकित्साराजयक्ष्मा (आयुर्वैदिक विषय)

(iii) कौलरचनादीपिका (तन्त्र)

(iv) उशती (परिसर पत्रिका)

(आ) शोध-छात्रों का मार्ग-दर्शन।

(इ) पुस्तकालय की स्टाक पड़ताल में सहयोग दिया।

3. **डॉ. वी.एन. गिरि, रीडर**

(अ) रचनाओं का प्रकाशन आरम्भ किया :

(i) शब्दमित्र (कुमारसम्भव पर टीका)

(ii) न्याससूत्रविवरण

(iii) रत्नाकर की काव्य प्रकाश टीका

(आ) शोध-छात्रों को मार्ग-दर्शन।

4. **डॉ. बनमाली बिस्वाल, रीडर**

(अ) रचनाओं का सम्पादन आरम्भ किया :

(i) परिभाषार्थमञ्जरी

(ii) वैयाकरणाभूषणसार

(iii) प्रतिसाख्यपरिभाषार्थ कोश

(iv) एस.के. सेनापति द्वारा हितोपदेश

(v) कुमारसम्भव (पञ्चम सर्ग)

(आ) शोध-छात्रों का मार्ग-दर्शन। चार छात्रों ने अपने शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किए।

(इ) आठ लेख, ग्यारह पुस्तक समीक्षाएँ तथा दृक् के दो सम्पादित ग्रन्थ प्रकाशित किए।

(ई) आकाश-वाणी पर दो बार काव्य पाठ किया।

(उ) चार राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भाग लिया।

(ऊ) संस्कृत दिवस के अवसर पर दूरदर्शन कार्यक्रम में भाग ग्रहण किया।

(ऋ) इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में संस्कृत तथा कम्प्यूटर पर व्याख्यान दिया।

(ए) हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा संस्कृत महामहोपाध्याय की उपाधि से सम्मानित किए गए और दिल्ली संस्कृत अकादमी से अखिल भारतीय समस्या-पूर्ति पुरस्कार भी प्राप्त किया।

5. **डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डे, रीडर**

(अ) सकलसारसंग्रह का सम्पादन कार्य आरम्भ किया।

(आ) तीन शोध-छात्रों को मार्ग-दर्शन।

(इ) इलाहाबाद, लखनऊ और दिल्ली में तीन बार प्रदर्शित नाटक का निर्देशन किया।

6. **डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डे, व्याख्याता**

(अ) सम्पादन कार्य आरम्भ किए :

(i) सिद्धान्त कौमुदी मंगलश्लोकार्ध:

(ii) मणिप्रभा–परिभाषेन्दुशेखर पर टीका

(आ) परिसर की पत्रिका में एक शोध-लेख प्रकाशित हुआ।

7. **डॉ. पवन कुमार, व्याख्याता**

(अ) "आधुनिक संस्कृतकाव्यं नाटकञ्च" नामक ग्रन्थ मुद्रणाधीन।

(आ) दुर्गा सहाय के वृत्तिविवेचनम् का सम्पादन-कार्य आरम्भ किया।

(इ) "पारम्परिक प्रबुद्ध-वर्ग में लोक प्रशासन चिन्तन" कार्य पर दल के सदस्य के रूप में कार्य किया।

(ई) उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

(उ) पुस्तकालय की स्टाक पड़ताल में सहयोग दिया।

(ऊ) विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शित संस्कृत नाटक में सहयोगी बने।

8. **श्रीमती वीणा मिश्रा, संग्रहाध्यक्ष**

(अ) हस्तलिपियों की वर्णनात्मक सूची बनाने का बीड़ा उठाया।

9. **डॉ. श्रीमती शैलजा पाण्डेय, शोध सहायक**

(अ) "सत्योपाख्यान" का सम्पादन कार्य किया।

(आ) तीन लेख प्रकाशित हुए।

(इ) नई दिल्ली एवं इलाहाबाद में दो संगोष्ठियों में भाग लिया।

(ई) पुस्तकालय स्टाक पड़ताल में सहयोग दिया।

(उ) संस्कृत दिवस समारोहों में सहयोग दिया।

(ऊ) स्थानीय समाचार-पत्र में "वास्तु" पर लेख लिखे।

(ऋ) "मनुष्यालय चन्द्रिका" रचना हेतु उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा सम्मानित हुई।

10. **श्री राम चन्द्र, शोध सहायक**

(अ) "विष्णुभक्ति कल्पलता" ग्रन्थ का सम्पादन कार्य किया।

(आ) पुस्तकालय की स्टाक पड़ताल में सहयोग दिया।

11. **डॉ. राम किशोर झा, प्रतिलिपिक**

(अ) 'राघवोल्लास' के मूल-पाठ का सम्पादन और हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची निर्माण का कार्य आरम्भ किया।

अन्य विशेषताएँ

* श्री यसुतोक मुरोया, जापानी विद्वान् का मीमांसा पर अपने शोध-कार्य के सन्दर्भ में सप्ताह के लिए परिसर में आगमन हुआ।
* उच्च अध्ययन के डॉ. एल.पी. पाण्डे ने "वैदिक युग" पर व्याख्यान दिया।
* कालड़ी विश्वविद्यालय के डॉ. डी. फ्रांसिक परिसर में पधारे।
* परिसर के पुस्तकालय में एक लाख और दस हज़ार रु. की पुस्तकें प्राप्त हुईं।
* एन.आर.एल.सी. ने संरक्षण के पश्चात् पाँच हस्तलिपियों को वापस भेजा तथा अन्य हस्तलिपियों के संरक्षण हेतु पृथक् लैब की स्थापना एवं तकनीशियनों के प्रबन्ध का आश्वासन दिया।

श्री गंगानाथ झा परिसर

5.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)

परम्परागत संस्कृत अध्ययन-अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित पूर्ववर्ती सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का 15 अगस्त, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अधिग्रहण किया गया। प्रबन्धन के अन्तरण के पश्चात् पुराने सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का नाम बदल कर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की पदवी मिल जाने के कारण अब यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के श्री सदाशिव परिसर, पुरी के रूप में कार्य कर रहा है।

यह परिसर साहित्य, नव्य व्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, नव्य न्याय, सर्वदर्शन आदि विभिन्न विभागों में प्राक् शास्त्री से आचार्य तक शिक्षण प्रदान करता है। परिसर विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि हेतु शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है।

इन विषयों के अतिरिक्त, संस्थान के पाठ्यक्रमों के अनुसार अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास और गणित जैसे कुछ आधुनिक विषयों का अध्यापन किया जा रहा है। परिसर में शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है।

परिसर के शैक्षिक क्रियाकलाप 4.78 एकड़ भूमि के नव-निर्मित भवन में आरम्भ हो गए हैं। परिसर में पाठकों के लिए विभिन्न विषयों पर लगभग 50000 पुस्तकों, हस्तलिपियों और पत्रिकाओं से युक्त अति समृद्ध पुस्तकालय है।

इस वर्ष में प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक कुल 550 छात्र पंजीकृत थे। इन छात्रों में से 14 अनु.जा./ अनु. जनजाति से सम्बद्ध थे और 267 छात्राएँ थीं। 133 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई थी।

श्री सदाशिव परिसर

छात्रों के क्रियाकलाप

परिसर प्रतिवर्ष छात्रों के लिए शैक्षिक प्रतियोगिताएँ आयोजित करता है। इस वर्ष अन्तर्विभागीय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। आचार्य द्वितीय वर्ष की सुष्मिता दास एवं प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष के राधाकान्त पाण्डा को क्रमशः वरिष्ठ और कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। परिसर के पाँच छात्रों ने कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में भी भाग लिया। छात्रों ने वसन्तोत्सव के अवसर पर नई दिल्ली में संस्कृत नाटक का भी मंचन किया। परिसर की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन पुरी जिला स्कूल ग्राउंड में किया गया और 180 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिताओं में भाग ग्रहण किया। श्री विभु प्रसाद दाश, शास्त्री तृतीय वर्ष, कुमारी मिलिलता बहेरा, आचार्य प्रथम वर्ष, श्री चिन्मय कुमार बहेरा, प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष और कुमारी नूतनी ग्रहाचार्य, प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष क्रमशः वरिष्ठ बालक, वरिष्ठ बालिका, कनिष्ठ बालक और कनिष्ठ बालिका वर्ग में विजेता रहे। आचार्य द्वितीय वर्ष की कक्षा को खेदकूद में अधिकतम अंकों के साथ कक्षा सर्वविजय मिली। कुमारी कीर्ति पाणिग्रही, आचार्य प्रथम वर्ष, श्री दिलबाग, शिक्षा शास्त्री, श्री विवेक शर्मा, शिक्षा-शास्त्री और श्री करमवीर, शिक्षा-शास्त्री ने जिला खेलकूद कार्यालय द्वारा आयोजित पुरी जिला युवक उत्सव में भाग लिया। इसी प्रकार शिक्षा-शास्त्री के सर्वश्री रोहितास कुमार, कर्मवीर और दिनेश कुमार नामक तीन छात्रों ने वरिष्ठ जिला कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया।

अन्य विशेषताएँ

शिक्षा-शास्त्री के छात्रों हेतु उनके शैक्षिक पर्यटन के अतिरिक्त दस दिवसीय स्काउट व गाईड एवं प्रथम उपचार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। अनौचारिक संस्कृत शिक्षण के केन्द्रों में से एक केन्द्र यह परिसर भी है और इसमें प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा की कक्षाओं का संचालन सफलता-पूर्वक किया गया। संस्कृत दिवस समारोहों में शिक्षकों

5.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू और कश्मीर)

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित पूर्ववर्ती श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का अधिग्रहण संस्थान द्वारा अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में 1 अप्रैल, 1971 को किया गया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। संस्थान की घोषणा मानित विश्वविद्यालय के रूप में किए जाने पर विद्यापीठ का नामकरण पुन: श्री रणवीर परिसर के रूप में किया गया। यह व्याकरण, ज्योतिष (फलित एवं सिद्धान्त), साहित्य, दर्शन, शिक्षा-शास्त्र और काश्मीर शैव दर्शन कोश योजना रूपी पाँच विभागों के माध्यम से कार्यरत है। प्राक् शास्त्री से आचार्य तक के छात्र यहाँ विभिन्न विषयों के विद्वान शिक्षकों से शिक्षा ग्रहण करते हैं। संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 1979 में शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया। शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषयों को पढ़ाया जाता है।

छात्रों हेतु कम्प्यूटर शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन, संगीत कक्षा और योग प्रशिक्षण की भी अच्छी व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त, परिसर विद्यावारिधि (पी-एच.डी) उपाधि प्रदान करने के लिए शोध कार्यक्रम प्रदान करता है। अब तक इस केन्द्र से 90 से अधिक शोध-छात्रों को यह उपाधि मिल चुकी है। परिसर ने कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश नामक महत्वपूर्ण योजना का बीड़ा उठाया है। इसका उद्देश्य कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश का संकलन करना है। इसमें समृद्ध पुस्तकालय है और इसे अब तक 19 रचनाओं के प्रकाशन का श्रेय प्राप्त है।

इस समय परिसर किराये के भवन में अपना कार्य कर रहा है। जम्मू व कश्मीर की राज्य सरकार ने परिसर हेतु गाँव कोट भलवाल में 84 कनाल भूमि आबंटित की है और भवन-निर्माण का कार्य प्रगति पर है। इसके शीघ्र ही पूर्ण हो जाने की संभावना है।

वर्ष 2005-2006 में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश-प्राप्त छात्रों की कुल संख्या 403 थी। प्रविष्ट छात्रों में से 40 छात्रों को छात्रवास की सुविधा प्रदान की गई। इनमें से अ.जा. श्रेणी के 8 छात्रों ने, अ.ज.जा. के 6 छात्रों ने, 2 विकलांगों ने और 65 छात्राओं ने विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त किया।

शिक्षकों एवं छात्रों के क्रियाकलाप

प्रकाशन

1. डॉ. हरि नारायण तिवारी, रीडर–ज्योत्स्ना के द्वितीय तथा सप्तम अध्याय पातञ्जल महाभाष्य सहित प्रकाशित किए गए। उनकी रचना "शब्दब्रह्मणोस्तादात्म्य समीक्षम्" को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान से पुरस्कार प्राप्त हुआ।
2. डॉ. आर.सी.शास्त्री, रीडर–छन्दोविधान-विमर्श: तथा भारतीयजीवनपद्धति: नामक शीर्षकों वाली दो रचनाएँ प्रकाशित हुई।
3. डॉ. बी.बी. मिश्र, वरिष्ठ व्याख्याता–भावकुतूहल ग्रन्थ पर भारती टीका प्रकाशित हुई।

वार्षिक पत्रिका 'श्री वैष्णवी' का भी नियमित प्रकाशन किया गया। इसमें शिक्षकों एवं छात्रों से प्राप्त विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों, कविताओं आदि को संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी और डोगरी में प्रकाशित किया गया।

इस परिसर के सर्वश्री नन्दन झा, शंकर झा, पुष्पेन्द्र जोशी और दर्शन कुमार नामक चार छात्रों ने कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में भाग लिया। श्री नन्दन झा को व्याकरण विषय में द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। शिक्षा-शास्त्री के छात्रों हेतु शैक्षिक पर्यटन, प्रथम

किया। छात्रों ने खेलकूद गतिविधियों में भी भाग ग्रहण किया। वार्षिक खेलकूद मुकाबले में वॉलीबाल, क्रिकेट, बैडमिंटन, कबड्डी शतरंज आदि खेलों का आयोजन किया गया। श्री सौवीर सिंह, शिक्षा-शास्त्री को पुरुष बलिष्ठ विजेता घोषित किया गया। वॉलीबाल, कबड्डी और क्रिकेट में श्री संजय कुमार, शास्त्री प्रथम वर्ष, श्री कुलदीप सिंह, शास्त्री द्वितीय वर्ष और श्री विक्की शर्मा, शास्त्री प्रथम वर्ष को क्रमशः सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, सर्वोत्तम धावा बोलने वाला और सर्वोत्तम प्रतियोगी घोषित किया गया। उसी प्रकार छात्राओं ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया और कुमारी कमला देवी, शास्त्री तृतीय वर्ष को बलिष्ठ खेलकूद महिला विजेता घोषित किया गया। श्री परमानन्द, आचार्य द्वितीय वर्ष के छात्र ने चौदहवीं जम्मू व कश्मीर राज्य स्तरीय कबड्डी सर्वविजय (चैम्पियनशिप) में भाग लिया और उसकी टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

परिसर अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में से एक है। इस वर्ष प्रथमा और द्वितीया दीक्षा में क्रमशः 25 और 10 छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कश्मीर शैव दर्शन कोश परियोजना

परिसर में कश्मीर शैव दर्शन पर शारदा और देवनागरी लिपियों में लिखित लगभग 125 दुर्लभ हस्तलिपियाँ सुरक्षित हैं। उनकी प्रतिलिपि करना तथा अनुवाद-कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, कश्मीर शैव दर्शन कोश संकलन की भव्य परियोजना के अन्तर्गत कोश की प्रथम दो जिल्दें प्रकाशित की गईं।

श्री रणवीर परिसर

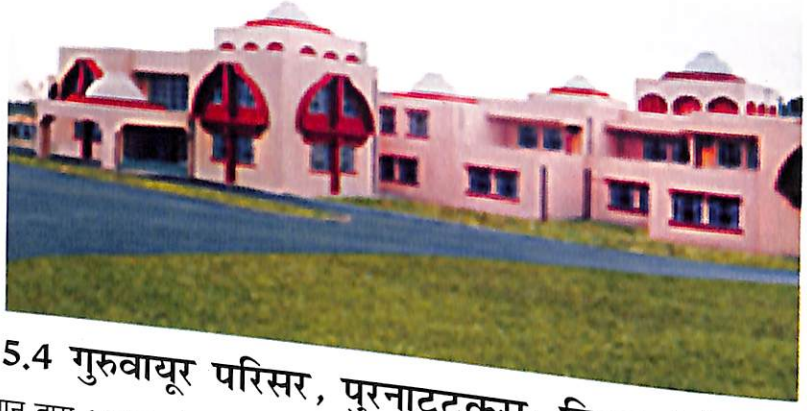

5.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

यह परिसर संस्थान द्वारा 16 जुलाई, 1979 को अधिग्रहण से पूर्व साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था। फिर इसे केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, गुरुवायूर, संस्थान के अंगीभूत एकक के रूप में जाना जाने लगा। संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की पदवी प्रदान किये जाने पर इसे पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गुरुवायूर परिसर नाम दिया गया है। यह परिसर त्रिचूर के पास पुरनाट्टुकरा हरित क्षेत्र में स्थित है जो त्रिचूर रेलवे स्टेशन से 11 किलोमीटर की दूरी पर गुरुवायूर मन्दिर को जाने वाले मार्ग में है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस सुन्दर भवन का निर्माण किया गया है, जिसकी लागत 2.20 करोड़ रुपये है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सहायता से मानित विश्वविद्यालय ने परिसर के द्वितीय चरण के भवन निर्माणार्थ स्वीकृति प्रदान की है जिसमें बालकों तथा बालिकाओं लिए छात्रावास, न्यूनतम कर्मचारी आवास, पुस्तकालय तथा अतिथि गृह सम्मिलित हैं एवं लागत 6.31 करोड़ रुपए है। अब तक लगभग 80% कार्य सम्पन्न हो चुका है।

इस परिसर में शोध-कार्य किया जाता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि मिलती है। इसके अतिरिक्त साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त तथा न्याय में आचार्य तथा शास्त्री स्तर तक का अध्यापन कराया जाता है। परिसर में शास्त्री स्तर पर शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) और स्कूल शिक्षा (प्राक्शास्त्री) का भी अध्यापन होता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा सुविधा भी उपलब्ध है।

प्रस्तुत शैक्षणिक वर्ष में प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 429 छात्रों का पंजीयन किया गया।

वर्ष 2005-06 में परिसर के क्रियाकलाप

विस्तार व्याख्यान माला

विस्तार व्याख्यान माला का संचालन 23 जनवरी से 6 फरवरी, 2006 तक किया गया। प्रो. रामानुज तातार्य, भूतपूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), तिरुपति ने अपने शोध आधारित व्याख्यान से इसका उद्घाटन किया। अन्य प्रख्यात विद्वानों ने भी न्याय, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त और शिक्षा शास्त्र आदि विभिन्न शास्त्रों पर अपने व्याख्यान दिए।

संस्कृत दिवस समारोह

संस्कृत दिवस का नाम परिवर्तित करके संस्कृत महोत्सव रखा गया। इसे अगस्त, 2005 में उपयुक्त ढंग से मनाया गया। परिसर के छात्रों के लिए विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उन्होंने 'संस्कृतस्य समाजे उपयोग:, भावाभिव्यक्ति:, संस्कृतभाषाया: महत्त्वम्' विषय पर अपने विचार प्रकट किये और भगवद्गीता के तेरहवें अध्याय का सस्वर पाठ किया। प्रो. आर. देवनाथन, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), तिरुपति मुख्य अतिथि थे।

छात्र कल्याण संघ

योग्यता-सह-उत्सुकता के आधार पर चयनित सभी वर्गों के छात्र प्रतिनिधियों के साथ छात्र कल्याण संघ का गठन किया गया। इसका उद्घाटन 23-10-2005 को किया गया जिसमें श्री विवेकानन्द विज्ञान भवन के प्रधान स्वामी तत्त्वमयानन्द जी मुख्य अतिथि थे। ललित कलाओं, साहित्यिक विषयों, खेलकूद एवं पत्रिका से सम्बद्ध विभिन्न समितियों का निर्माण किया गया। सद्य: प्रविष्ट प्राक्शास्त्री छात्रों के लाभार्थ तेरह दिवसीय संस्कृत शिविर आयोजित किया गया। दिसम्बर 2005 में खेलकूद, साहित्यिक एवं ललित कलाओं सम्बन्धी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

परिसर के नौ छात्रों ने कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में भाग लिया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित वसन्तोत्सव के अवसर पर छात्रों ने नई दिल्ली में 'नागानन्द' नाटक का मंचन किया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्र श्री निपिन पी.यू. को नाटक का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता घोषित किया गया।

वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन 20 मार्च, 2006 को किया गया। प्रो. के.ई. गोविन्दन मुख्य अतिथि थे और परिसर के प्राचार्य महोदय ने समारोह की अध्यक्षता की। खेलकूद, साहित्य, ललित कला नाटक और वाक्स्पर्धा प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रतिभा पुरस्कार

अ. श्री पी.के. फ्रांसिस स्मारक नकद पुरस्कार श्रीमती मेरी फ्रांसिस द्वारा संस्थापित किया गया। यह पुरस्कार आचार्य (साहित्य) प्रथम वर्ष में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्या वी. को प्रदान किया गया।

आ. श्री पी.के. जोस मास्टर प्रतिभा पुरस्कार परिसर के स्टाफ द्वारा आरम्भ किया गया। यह पुरस्कार आचार्य साहित्य प्रथम वर्ष तथा शास्त्री तृतीय वर्ष मलयालम में क्रमशः प्रथम स्थान पाने वाले विद्या वी. और विनायक सी.वी. को प्रदान किया गया।

इ. 101/- रुपए का श्रीराम जानकी पुरस्कार डॉ. आर.एन. दास द्वारा स्थापित किया गया। यह पुरस्कार आचार्य द्वितीय वर्ष वेदान्त परीक्षा में शीर्ष स्थान पाने वाले शशिधरण पी. को दिया गया।

ई. 250/ रुपए का प्रो. पी.सी. वासुदेवन एलयथ स्मारक प्रतिभा पुरस्कार उनके सुपुत्र डॉ. पी.सी. मुरलीमाधवन द्वारा संस्थापित किया गया। यह पुरस्कार आचार्य साहित्य परीक्षा में सर्वाधिक अंक पाने वाले सूनो वी.यू. को मिला।

उ. 501/- रुपए का प्रो. पी.टी. कुरिआकोसे मास्टर स्मारक प्रतिभा नकद पुरस्कार श्री के.एल. सेबस्टेन, वरिष्ठ श्रेणी व्याख्याता द्वारा संस्थापित किया गया। यह पुरस्कार आचार्य परीक्षा में शीर्ष स्थान पाने वाले सूनो वी.यू. को प्रदान किया गया।

स्थानीय प्रशासन से वृत्ति

जिला विकास अधिकारी और जनजातीय विकास अधिकारी, त्रिचूर द्वारा अ.जा. वर्ग के 41 छात्रों, अ.ज.जा. वर्ग के

गुरुवायूर परिसर

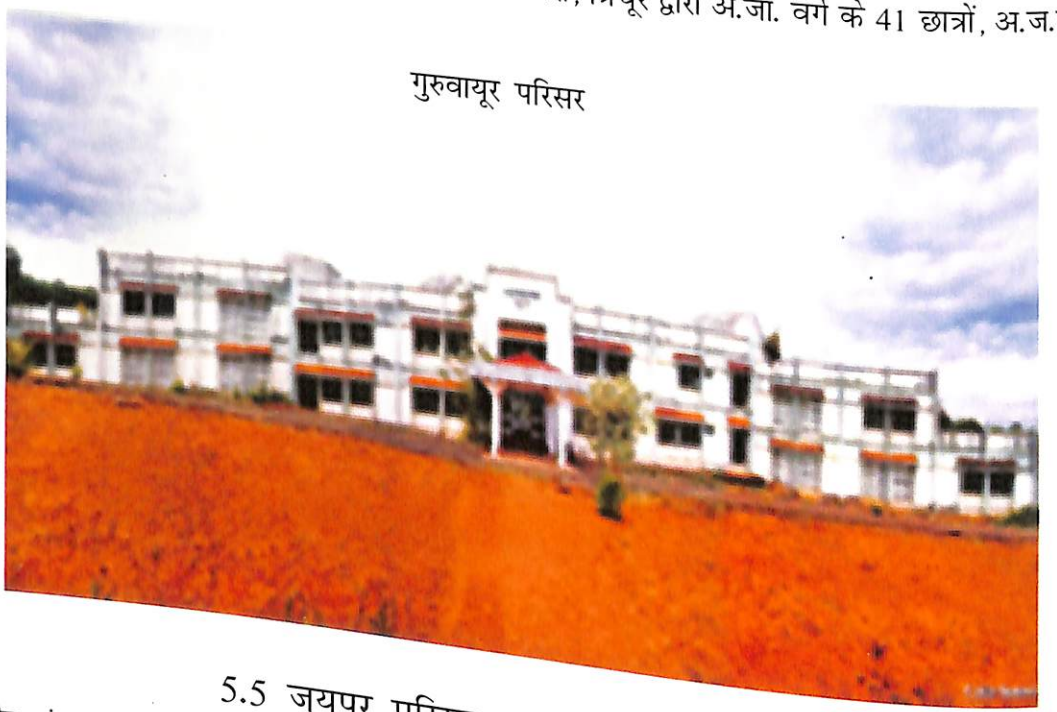

5.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर एवं राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामंत्री, भारत सरकार को किये गये अनुरोध के फलस्वरूप मई 1983 में जयपुर में हुई। अब इसका परिवर्तित नाम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) का जयपुर परिसर है। इस परिसर को जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 7.27 एकड़ भूमि त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर में उपलब्ध कराई गयी है।

भवन का निर्माण रु. 6.00 करोड़ की लागत से सम्पन्न हुआ है। इसमें छात्र-छात्राओं के छात्रावास तथा नौ कर्मचारी निवास सम्मिलित हैं।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि दी जाती है। इसके अतिरिक्त साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, धर्मशास्त्र, जैन दर्शन में आचार्य एवं शास्त्री स्तर का अध्यापन होता है, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) का शास्त्री के स्तर पर और प्राक् शास्त्री का सीनियर सेकण्डरी स्तर पर अध्यापन होता है। इसके अतिरिक्त छात्रों को कम्प्यूटर शिक्षा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

परिसर में पंजीकृत 708 छात्रों में से 35 अ.जा. वर्ग के, 34 अ.ज.जा. वर्ग के थे। छात्राओं की संख्या 66 थी। 50 छात्रों को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई थी।

वर्ष 2005-06 में परिसर की पाठ्यचर्या से सम्बद्ध तथा पाठ्येतर गतिविधियाँ

राजस्थान संस्कृत अकादमी के सहयोग से बारह दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन नवम्बर-दिसम्बर, 2005 में किया गया। यह व्याख्यान माला न्यायसिद्धान्तमुक्तावली पर थी। इसे वाराणसी के बहुश्रुत न्याय विद्वान् प्रो. वसिष्ठ त्रिपाठी ने प्रतिदिन दो सत्र लेकर आगे बढ़ाया। पहले इसका उद्घाटन प्रो. रामकृष्णमाचार्युलु, कुलपति, स्वामी रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। देवर्षि कलानाथ शास्त्री और डॉ. राम किशोर शुक्ल इत्यादि प्रख्यात विद्वान् आमन्त्रित थे। डॉ. त्रिपाठी ने न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुमान और शब्द खण्डों को निर्धारित समय में पूरा कर दिया।

"पण्डितराज जगन्नाथ के पश्चात् भारतीय काव्यशास्त्र" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिसम्बर 2005 में किया गया। यह कार्यक्रम भी परिसर एवं राजस्थान संस्कृत अकादमी का संयुक्त कार्यक्रम था। इसमें प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी, डॉ. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, देवर्षि कलानाथ शास्त्री और प्रो. शिवाजी उपाध्याय जैसे प्रख्यात विद्वानों ने सहभागिता की।

छात्रों के लिए विभिन्न विषयों, संस्कृत गीतों एवं गीता सस्वर पाठ पर त्रिदिवसीय साहित्यिक विषय प्रतियोगिता का आयोजन दिसम्बर 2005 में परिसर प्रेक्षागृह में किया गया। तत्पश्चात् त्रिदिवसीय खेल-कूद प्रतियोगिताएँ सम्पन्न हुईं। अधिकतर छात्रों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस शैक्षणिक वर्ष में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) की एक इकाई का आरम्भ परिसर में किया गया। इस इकाई ने विभिन्न योजनाएँ आरम्भ कीं। दस दिवसीय सफल एन.एस.एस. शिविर में की गई विभिन्न सेवा गतिविधियाँ भी इनमें शामिल थीं। सन्तोकबा दुर्लभजी स्मारक अस्पताल, जयपुर के सहयोग से रुधिर दान शिविर का आयोजन किया गया और इस कार्यक्रम की सफलता के लिए 100 से भी अधिक सहवासियों ने रुधिर दान किया।

परिसर के छात्रों ने राजस्थान संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय नाटक प्रतियोगिता में भाग ग्रहण किया और महाकवि भास के 'दूतघटोत्कच' नाटक का मंचन करके द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। संस्थान द्वारा नई दिल्ली में आयोजित वसन्तोत्सव में छात्रों ने 'स्नुषाविजयम्' नाटक प्रदर्शित किया। इस नाटक प्रतियोगिता में आचार्य प्रथम वर्ष की छात्रा कुमारी ऋचा सिंह को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया। राजस्थान राज्य के कुल दस छात्रों में से परिसर के ही आठ छात्रों को कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में भाग ग्रहण हेतु चयनित किया गया।

परिसर द्वारा अपना वार्षिक दिवस 27 जनवरी, 2006 को मनाया गया। अन्तर्राष्ट्रिय संस्कृत अध्ययन संस्था के अध्यक्ष प्रो. राम करण शर्मा ने इसकी अध्यक्षता की। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) और श्री आर.एन. मुरली, निदेशक, एन.सी.टी.ई (नॉर्थ क्षेत्र) मुख्य अतिथि थे। उन्होंने छात्रों को पुरस्कार तथा उनके सफल जीवन हेतु आशीर्वाद दिया।

जयपुर परिसर

5.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अपने अंगीभूत केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को जुलाई, 1983 में लखनऊ में स्थापित किया गया। मानित विश्वविद्यालय की पदवी प्राप्त करने के पश्चात् इसका नाम परिवर्तित करके संस्थान का लखनऊ परिसर रख दिया गया है। इस परिसर के लिए 10 एकड़ भूमि गोमती नगर, विशाल खण्ड में लखनऊ विकास प्राधिकरण से प्राप्त की गयी है। यह रेलने स्टेशन से लगभग 12 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा परिसर में रु. 2.76 करोड़ की लागत से मुख्य भवन का निर्माण किया गया है और परिसर के क्रियाकलाप वहाँ आरम्भ हो गए हैं। परिसर के द्वितीय चरण में भवन निर्माण हेतु जिसमें छात्र-छात्राओं के छात्रावास एवं न्यूनतम कर्मचारी आवास सम्मिलित हैं, रु. 3.52 करोड़ स्वीकृत किये जा चुके हैं और कार्य प्रगति पर है।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि (पी-एच.डी) की उपाधि दी जाती है। इसके साथ-साथ साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष तथा बौद्ध दर्शन में आचार्य एवं शास्त्री स्तर तक का अध्यापन होता है। शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) का अध्यापन शास्त्री स्तर पर किया जाता है।

प्राक् शास्त्री का शिक्षण इण्टर स्तर पर होता है। शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ-साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति-शास्त्र, अर्थशास्त्र और कम्प्यूटर शिक्षा जैसे आधुनिक विषय पढ़ाए जाते हैं। क्रीड़ा एवं योग क्रियाकलापों हेतु एक विशाल क्रीड़ा-क्षेत्र है। शिक्षकों तथा छात्रों हेतु एक समृद्ध पुस्तकालय है। प्रशिक्षणाधीन छात्रों के लाभार्थ शिक्षा-शास्त्र विभाग की प्रयोगशाला आधुनिक मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षणिक प्रविधि उपकरणों से सज्जित है।

2005-06 सत्र में प्राक् शास्त्री से लेकर विद्यावारिधि तक प्रविष्ट छात्रों की कुल संख्या 244 थी। उनमें से सात और दो छात्र क्रमशः अ.जा. और अ.ज.जा. वर्ग से सम्बद्ध थे। छात्राओं की संख्या 57 थी। 50 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई। चार शोध-छात्रों ने शोध योजना के अन्तर्गत अपने शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किए और आठ को विद्यावारिधि (पी-एच.डी) की उपाधि प्रदान की गई।

संकाय-सदस्यों के क्रियाकलाप

निम्नलिखित संकाय-सदस्यों ने अपने शिक्षण एवं शोध कार्य के साथ-साथ अन्य पाठ्यचर्या सम्बन्धी क्रियाकलापों में भी भाग लिया :

1. प्रो. सर्व नारायण झा

(अ) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित ज्योतिष के प्रारंभिक पाठ्यक्रम का सम्पादन किया।

(आ) भारतीय वास्तु-शास्त्र में भूखण्ड के प्रकार विषय पर श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली में व्याख्यान दिया।

(इ) भारतीय वास्तुशास्त्र का प्रतिपाद्य विषय पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ में व्याख्यान दिया।

2. डॉ. बटोही झा, रीडर

(अ) साहित्य शास्त्र पर 14-10-2005 से 21-10-2005 तक आठ दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

(आ) काव्य प्रकाश पर 3 तथा 4 मार्च, 2006 को उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

(इ) उनके प्रकाशित ग्रन्थ गीतानन्तरस काव्य-पञ्चमान्तिम खण्ड का विमोचन लखनऊ परिसर में 25-12-2005 को किया गया।

3. डॉ. लोकमान्य मिश्र, रीडर

(अ) अपने ग्रन्थ 'पुरातनी शिक्षा' पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ से जनवरी 2006 में पुरस्कार प्राप्त किया।

(आ) यू.जी.सी द्वारा जोधपुर में आयोजित संगोष्ठी में सहभागिता की और 'महिला सशक्तीकरण में शिक्षा की भूमिका' पर अपना शोध पेपर पढ़ा।

(इ) राष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में पाँच शोध पेपर प्रकाशित हुए।

4. डॉ. विजय कुमार जैन, रीडर

(अ) बौद्ध अध्ययन भारतीय परिषद्, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में शोध पेपर पढ़ा। उनके प्रकाशित ग्रन्थ 'मानव अधिकार एवं बौद्ध धर्म एवं संयुक्त-निकाय एक अध्ययन' का विमोचन प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली द्वारा किया गया।

(आ) सम्पादित ग्रन्थ 'पद्म पुराण एक अनुशीलन' का विमोचन किया गया।

(इ) मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की और 'भारतीय दर्शन में समय विवेचन बौद्धदर्शन के सन्दर्भ में' विषय पर पेपर पढ़ा।

(ई) बौद्ध अध्ययन केन्द्र, समाज-कार्य एवं समाज-विज्ञान राष्ट्रिय संस्थान पर राष्ट्रिय संगोष्ठी में भाग लिया और 'उड़ीसा में बौद्ध धर्म' शीर्षक पर पेपर प्रस्तुत किया।

(उ) आई.सी.एच.आर. के सहयोग से प्राचीन भारतीय इतिहास विभाग, भागलपुर विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में 'अंगदेश में जैन धर्म' विषय पर पेपर पढ़ा।

(ऊ) नागार्जुन फाउंडेशन, गोरखपुर में 8-3-2006 को 'बौद्ध संस्कृत ग्रन्थों में सामाजिक चेतना' विषय पर शोध पेपर पढ़ा।

(ऋ) अपने प्रकाशित ग्रन्थ 'संयुक्त निकाय : एक अध्ययन' पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा सम्मानित किए गए।

5. डॉ. शिशिर कुमार पाण्डेय, रीडर (अ) भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्, विदेशी मामले मन्त्रालय, भारत सरकार का एकक द्वारा विज़िटिंग प्रोफेसर के रूप में नामित किए गए।

(आ) 'ज्ञानायनी' त्रैमासिक पत्रिका प्रकाशित की।

6. डॉ. (श्रीमती) अवनीश अग्रवाल, रीडर (अ) जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में मई 2005 में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में उपस्थित रहीं।

7. डॉ. जयप्रकाश नारायण, व्याख्याता (अ) कालिदास अकादमी, नई दिल्ली द्वारा 25-28 नवम्बर, 2005 में आयोजित 'कालिदास महोत्सव' में भाग लिया।

(आ) उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा 3-4 मार्च, 2006 को काव्य प्रकाश पर आयोजित कार्यशाला में सहभागिता की।

8. श्री जगन्नाथ झा, कनिष्ठ व्याख्याता (अ) 1 से 8 फरवरी, 2006 के मध्य विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं।

छात्रों के क्रियाकलाप

(i) कुमारी वन्दना सिंह, आचार्य (साहित्य) प्रथम वर्ष की छात्रा ने उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित संस्कृत गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

(ii) परिसर के सात छात्रों ने कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में डॉ. डी.के. झा, व्याख्याता के मार्गदर्शन में सहभागिता की।

(iii) नई दिल्ली में मनाए गए वसन्तोत्सव के दौरान छात्रों ने अखिल भारतीय नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया और ग्रुप में द्वितीय घोषित किए गए। अपने शानदार अभिनय के लिए श्री प्रकाश चन्द पन्त एवं श्रीमती कञ्चन शर्मा सर्वश्रेष्ठ विनिर्णीत हुए।

(iv) परिसर में शिक्षा-शास्त्री के छात्रों एवं शिक्षकों के लिए 12 से 21 सितम्बर, 2005 के मध्य प्रथम उपचार व स्काउट तथा गाईड प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया।

(v) के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य कनिष्ठ कुश्ती प्रतियोगिताओं के अवसर पर प्राक्-शास्त्री प्रथम वर्ष का छात्र श्री राजन सिंह प्रथम रहा और उसे उत्तर प्रदेश राज्य सरकार की उपाधि 'अभिमन्यु पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उसे ग्यारह हज़ार रुपए का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। उन्हीं प्रतियोगिताओं में प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष के श्री लीलाधर तथा श्री लल्लन सिंह नामक दो छात्रों को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

श्री राजन सिंह को फैजाबाद में 21 से 23 जनवरी, 2006 तक आयोजित वरिष्ठ राज्य कुश्ती प्रतियोगिताओं में 74 किलोग्राम वर्ग में पुनः प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 12-2-2006 को आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में परिसर के सर्वश्री राजन सिंह, रोहतास और मुलायम सिंह छात्रों को क्रमशः रु. 800/-, रु. 700/- और रु. 500/- के नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। परिसर के क्रीड़ा-क्षेत्र में 18 एवं 19 जनवरी 2006 को विभिन्न खेलकूद मुकाबलों का संचालन किया गया।

अन्य विशेषताएँ

परिसर ने अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 30 अगस्त 2005 से 29 नवम्बर 2005 तक सान्ध्य कक्षाओं का संचालन किया। अगस्त 2005 में दो दिवसीय संस्कृत समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन दिवस पर प्रो. अशोक कुमार कालिया, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी और प्रो. आर.पी. सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ मुख्य अतिथि थे। प्रो. पी. पुष्पांगदन, निदेशक, राष्ट्रीय वनस्पति-विज्ञान शोध संस्थान, लखनऊ ने समारोह की अध्यक्षता की। समापन समारोह की अध्यक्षता श्री माता प्रसाद पाण्डेय, स्पीकर, विधान सभा, उत्तर प्रदेश ने की। प्रो. कृष्ण कुमार मिश्र, संस्कृत विभागाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं परिसर के भूतपूर्व प्राचार्य डॉ. उमा रमन झा सम्मानित अतिथि थे।

लखनऊ परिसर

5.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने श्री राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना अपने अंगीभूत एकक के रूप में शृंगेरी में 13-1-1992 को की। मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में दिनांक 05.03.92 के शुभ दिन को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरमण के द्वारा इस परिसर का उद्घाटन किया गया। इसका नामकरण अब पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के श्री राजीव गान्धी परिसर के रूप में किया गया है। इस परिसर के लिए राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी में 10 एकड़ भूमि प्रदान की गयी है। यह परिसर कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर जिले में स्थित है जो मैंगलौर से 110 कि.मी., बंगलौर से 450 कि.मी., उडुपी से 70 कि.मी. और शिमोगा से 60 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। शिमोगा बंगलौर से रेल मार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है।

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा रु. 1.63 करोड़ की लागत से परिसर के मुख्य भवन का निर्माण किया गया है। द्वितीय चरण का निर्माण, जिसमें बालक एवं बालिकाओं हेतु छात्रावास, न्यूनतम कर्मचारी आवास सम्मिलित हैं, रु. 4.17 करोड़ की लागत पर किया जा रहा है।

परिसर साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा और नव्य न्याय की शिक्षा आचार्य एवं शास्त्री स्तर पर, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) की शास्त्री स्तर पर और प्राक् शास्त्री की इण्टर स्तर पर प्रदान कर रहा है। यहाँ शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाता है जिसके सम्पन्न करने पर विद्यावारिधि (पी-एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। आधुनिक विषयों तथा कम्प्यूटर का शिक्षण भी दिया जाता है।

शैक्षिक वर्ष 2005-06 में कुल 253 छात्र विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट किए गए। उनमें से 15 छात्र अ.जा. /अ.ज.जा. वर्ग के थे और 54 छात्राएँ थीं। 75 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई। सन्त भारती तीर्थ महास्वामी जी और श्री गौरीशंकर जी, प्रशासक, श्रीमठ, शृंगेरी ने परिसर के सभी छात्रों को मध्याह्न-भोजन और रात्रि-भोज उदारता से करवाया।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

अतिथि व्याख्यान माला का आयोजन 19 सितम्बर, 2005 को किया गया। डॉ. तेज पाल शर्मा, प्राचार्य, जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी तथा डॉ. राजा राम शुक्ला, निदेशक, शोध संस्थान, एस.एस. यूनिवर्सिटी, वाराणसी ने 'अनुमान एवं स्फोट' विषय पर व्याख्यान दिए। कर्नाटक राज्योत्सव के अवसर पर श्री एम.एस. जनार्दन ने दिनांक 29 नवम्बर, 2005 को कन्नड में व्याख्यान दिया।

16-22 अगस्त, 2005 की अवधि में संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। सन्त जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी ने समारोह का उद्घाटन गुरुनिवास में किया। इस अवसर पर संस्कृतभारती के डॉ. विश्वास, डॉ. रमा देवी, प्राचार्य, शासकीय कनिष्ठ महाविद्यालय, शृंगेरी एवं पण्डित श्रीराम शर्मा, प्राचार्य, राजमुन्द्रि संस्कृत कॉलेज, आन्ध्र प्रदेश ने गतिज व्याख्यान दिए। अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। छात्रों ने संस्कृत में 'वीथि नाटक' का मंचन किया। समापन समारोह में वेदान्त केसरी श्री के. नारायण भट, श्री शारदा पीठम्, शृंगेरी के आस्थान विद्वान् मुख्य अतिथि थे।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण के अन्तर्गत त्रैमासिक प्रथमा दीक्षा का आरम्भ 12 सितम्बर, 2005 को किया गया। परिसर के छात्रों ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में भाग ग्रहण किया। श्री कृष्णमूर्ति, शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ और उन्हें व्याकरण शलाका में कांस्य-पदक मिला। मैसूर में आयोजित राज्य स्तरीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में उन्हें व्याकरण शलाका में भी प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

वार्षिक दिवस समारोह के अवसर पर छात्रों के लिए सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

शिक्षा-शास्त्री के छात्रों हेतु स्काउट व गाईड एवं प्रथम उपचार प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया।

संकाय-सदस्यों के क्रियाकलाप :

1. डॉ. कमल चन्द्र योगी, प्राचार्य

(अ) संस्थान में प्राचार्य बैठक, दीक्षान्त-समारोह और शोध परिषद् की बैठक में भाग लिया।

(आ) श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालड़ी में आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में सम्पद् व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

(इ) त्रिपुन्नीथरा (केरल) में परीक्षित स्मारक वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।

	(ई) श्री दुर्गा संस्कृत शोध केन्द्र, कतील (डी.के) में भाग ग्रहण किया और 'आयुर्वेद में स्वास्थ्य' पर व्याख्यान दिया।
2. डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द, प्रोफेसर	(अ) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, त्रिपुर में सम्पद् व्यक्ति के रूप में सहभागिता की। (आ) शिक्षक दिवस पर राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) तिरुपति में प्रो. श्रीधर वशिष्ठ के बधाई कार्यक्रम में सहभागिता की।
3. डॉ. इ.एम. राजन, रीडर	(अ) (i) रेवती पट्टथन वाक्यार्थ सभा, कालीकट (केरल) (ii) परीक्षित स्मारक वाक्यार्थ सभा, त्रिपुन्नीथर (केरल) तथा (iii) नवरात्रि अष्टमी वाक्यार्थ सभा, त्रिचूर (केरल) में भाग ग्रहण किया। (आ) श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, काञ्चीपुरम (तमिलनाडु) में दो कक्षाओं को सम्बोधित किया। (इ) संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति (आन्ध्र प्रदेश) में एक पेपर प्रस्तुत किया।
4. महाबलेश्वर पी. भट्ट, रीडर	(अ) (i) स्वर्णवल्ली मठ (एन.के.) में वाक्यार्थ सभा (ii) धारवाड में आयोजित वेदान्त गोष्ठी तथा (iii) रेवती पट्टथन, कालीकट (केरल) में वाक्यार्थ गोष्ठी में भाग लिया।
5. डॉ. सुब्राय वी. भट्ट, वरिष्ठ व्याख्याता	(अ) श्री शारदा पीठम्, शृंगेरी द्वारा आयोजित महागणपति वाक्यार्थ विद्वत् सभा में सहभागिता की। (आ) राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), तिरुपति (आन्ध्र प्रदेश) में मीमांसा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
6. डॉ. रमाकान्त मिश्र, व्याख्याता	(अ) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण शिक्षक प्रशिक्षण (तमिलनाडु) में सम्पद् व्यक्ति के रूप में भाग लिया। (आ) श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, काञ्चीपुरम (तमिलनाडु) द्वारा संचालित यू.जी.सी. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया। (इ) विजयवाड़ा (आन्ध्र प्रदेश) में अखिल भारतीय संस्कृत शिक्षक सम्मेलन में भाग लिया।
7. डॉ. ई.पी. श्रीदेवी, व्याख्याता	(अ) त्रिपुन्नीथर (केरल) में परीक्षित स्मारक वाक्यार्थ सभा में भाग ग्रहण किया।
8. डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी, व्याख्याता	(अ) यू.जी.सी. स्टाफ कालेज, ओसमानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में अनुस्थापन कार्यक्रम में उपस्थित हुए। (आ) श्री शारदा पीठम्, शृंगेरी में श्री महागणपति वाक्यार्थ विद्वत् सभा में सहभागिता की।

9. डॉ. सी.एस.एस.एन.मूर्ति, व्याख्याता	(अ) श्री शारदा पीठम्, शृंगेरी में श्री महागणपति वाक्यार्थ विद्वत् सभा में सहभागिता की और स्वर्ण मुद्रिका से पुरस्कृत किए गए। (आ) राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), तिरुपति (आन्ध्र प्रदेश) में संगोष्ठी तथा शब्द बोध विचार में पेपर प्रस्तुत किए। (इ) अभिनव विद्या तीर्थ संस्था, चेन्नई द्वारा सम्मानित किए गए।
10. डॉ. नवीन होल्ला, व्याख्याता	(अ) श्री शारदा पीठम्, शृंगेरी में श्री महागणपति वाक्यार्थ विद्वत् सभा में सहभागिता की।
11. श्री गणेश ईश्वर भट	(अ) धारवाड में आयोजित वेदान्त संगोष्ठी में भाग लिया।

छात्रों के क्रियाकलाप

कुमारी पल्लवी बी.वी, प्राक् शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा ने श्री एन.एम. भिंदे द्वारा अपने दिवंगत पिता श्री महाबल भिंदे की स्मृति में प्राक् शास्त्री परीक्षा में सर्वोत्तम छात्र हेतु संस्थापित प्रतिभा पुरस्कार प्राप्त किया।

शिमोगा में आयोजित साहित्यिक प्रतियोगिताओं में श्री विनायक भट, शास्त्री द्वितीय वर्ष, श्री प्रदीप खर्वा, शिक्षा-शास्त्री तथा श्री रवि कुमार भट, शिक्षा-शास्त्री ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किए। श्री विनायक भट ने राज्य स्तरीय वाक्यार्थ प्रतियोगिता में मीमांसा में द्वितीय पुरस्कार, त्रिपुन्नीथर (केरल) में परीक्षित स्मारक वाक्यार्थ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार और संस्कृत सेवा प्रतिष्ठानम्, अडिचुंचनगिरि में अन्त्याक्षरी में प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त किया।

श्री गणमूर्ति के., शास्त्री प्रथम वर्ष को अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता से सम्बद्ध राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में न्याय शलाका में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कुमारी संध्या के. हेगड़े, आचार्य द्वितीय वर्ष को राज्य स्तरीय वाक्यार्थ प्रतियोगिता में साहित्य में तृतीय पुरस्कार और परीक्षित स्मारक वाक्यार्थ सभा, त्रिपुन्नीथर (केरल) में साहित्य में प्रथम पुरस्कार मिला।

कुमारी कुमुद राव, शास्त्री प्रथम वर्ष को परीक्षित स्मारक वाक्यार्थ सभा, त्रिपुन्नीथर (केरल) में व्याकरण में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। श्री तेजस्वी भट, शास्त्री द्वितीय वर्ष को परीक्षित स्मारक वाक्यार्थ सभा, त्रिपुन्नीथर (केरल) में मीमांसा में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ और संस्कृत सेवा प्रतिष्ठानम्, अडिचुंचनगिरि में वेदान्त में भी प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। श्री राममूर्ति एस.जी., शास्त्री द्वितीय वर्ष को संस्कृत सेवा प्रतिष्ठानम्, अडिचुंचनगिरि में निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

श्री राजीव गांधी परिसर

5.8 गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भारतीय स्वाधीनता के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में हिमाचल प्रदेश के गरली नामक स्थान पर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। इस विद्यापीठ का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षा राज्य मंत्री माननीय मुहीराम साइकिया के द्वारा हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्य मंत्री की उपस्थिति में 16 सितम्बर 1997 के शुभ दिन को किया गया। इसका नामकरण अब पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के गरली परिसर के रूप में किया गया है। परिसर अभी किराये के भवन में चल रहा है। परिसर के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार ने विपाशा के तट पर, गाँव बलहर, समीप प्रागपुर, तहसील देहरा, जिला काँगड़ा में 2-63-18 हेक्टेयर उपयुक्त भूमि आबंटित की है।

जीवन के सभी क्षेत्रों से सम्बद्ध छात्रों को प्राक् शास्त्री का शिक्षण इण्टर स्तर पर और साहित्य, ज्योतिष तथा व्याकरण विद्या विशेषों का शिक्षण शास्त्री एवं आचार्य स्तरों पर दिया जाता है। शोध-छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच. डी.) की उपाधि प्राप्त करवाने की दिशा में शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाता है। कम्प्यूटर शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन, हिन्दी, अंग्रेजी और इतिहास जैसे आधुनिक विषय भी पाठ्यक्रम के भाग के रूप में पढ़ाए जाते हैं।

शैक्षिक सत्र 2005-06 के दौरान 467 छात्रों को प्राक् शास्त्री से आचार्य तक की कक्षाओं में प्रवेश दिया गया। उनमें से 22, 04 और 03 छात्र क्रमशः अ.जा., अ.ज.जा. तथा अन्य पिछड़ी जातियों के वर्ग से सम्बद्ध थे। दो शोध-छात्रों ने अपने शोध-प्रबन्ध प्रस्तुत किए।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

संस्कृत सम्भाषण में धाराप्रवाहिता बढ़ाने के उद्देश्य से तथा विषयों में समग्र रूप से श्रेष्ठ कार्य के उद्देश्य से संकाय-सदस्यों से युक्त विभागीय परिषदों का गठन किया गया। ज्योतिष, साहित्य और व्याकरण परिषदों का गठन क्रमशः डॉ. मदन मोहन पाठक, रीडर, डॉ. राम कुमार शर्मा, रीडर तथा डॉ. राम नारायण दास, प्रोफेसर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसके अतिरिक्त सरस्वती परिषद् का भी गठन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रो. वी.एन. शास्त्री ने 31 जनवरी, 2006 तक की और तत्पश्चात् प्रो. राम नारायण दास ने इसकी अध्यक्षता की। ज्योतिष परिषद् से सम्बद्ध सत्रों का आयोजन महीनों के अन्तिम सप्ताह के बृहस्पतिवार को किया गया। इसी प्रकार साहित्य और व्याकरण परिषदों के सत्र सुविधानुसार महीनों के अन्तिम सप्ताह में बुलाए गए। संस्कृत सप्ताहोत्सव का संचालन 19 से 23 अगस्त, 2005 तक किया गया जिसमें विभिन्न साहित्यिक विषयों को स्वीकार किया गया। प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी, ज्योतिष विभागाध्यक्ष, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली ने समापन समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. दुर्गा दत्त शास्त्री, राष्ट्रपति सम्मान के प्रापक सम्माननीय अतिथि थे।

छात्रों के लिए दस साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन 7 से 9 दिसम्बर, 2005 तक किया गया जिसमें कई छात्रों ने भाग लिया। उनके प्रदर्शन के आधार पर 77 छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए। फरवरी 2006 में नैना देवी के लिए शैक्षणिक पर्यटन का आयोजन किया गया।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 16 दिसम्बर, 2005 को किया गया। उसमें दौड़, लम्बी कूद, ऊँची कूद, वॉलीबाल, कबड्डी, बैडमिन्टन और संगीत-कुर्सी जैसे खेल आयोजित किए गए। छात्रों और छात्राओं दोनों ने ही सोत्साह भाग ग्रहण किया।

वसन्तोत्सव के अवसर पर संस्थान द्वारा अन्तः परिसर संस्कृत नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन नई दिल्ली में किया गया। उसमें परिसर के छात्रों ने 'दूतघटोत्कच' नाटक का मंचन किया। सर्वश्री नवीन शर्मा, अभिषेक कौडिन्य और भानु शर्मा को अपने अभिनय प्रदर्शन पर क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुए।

परिसर द्वारा अपना वार्षिक दिवस 6 मार्च, 2006 को मनाया गया। उसमें डॉ. सी. गिरि, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) मुख्य अतिथि थे। पंडित दुर्गा दत्त शास्त्री को भी सम्माननीय अतिथि के रूप में आमन्त्रित किया गया। कुलसचिव महोदय द्वारा 'वैयाकरण प्रबन्ध मुक्तावली' शीर्षक की पुस्तक का विमोचन किया गया।

छात्रों के क्रियाकलाप

परिसर के आठ छात्रों ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में भाग लिया। मीनाक्षी शर्मा, आचार्य प्रथम वर्ष की छात्रा ने धर्मशास्त्र में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया और अरुण कुमार, आचार्य प्रथम वर्ष के छात्र ज्योतिष प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पर रहे। होशियारपुर (पंजाब) में आयोजित अन्तः विश्वविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में शारदा कुमारी, शास्त्री तृतीय वर्ष की छात्रा को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

परिसर के छात्रों ने देहरा में जिला स्तर गायन प्रतियोगिता में भाग लिया। श्री मनोज कुमार व्यक्तिगत गायन प्रतियोगिता में प्रथम रहे और उन्होंने कमलावती सूद मेमोरियल अवार्ड ट्रॉफी प्राप्त की।

5.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

वर्ष 2001-02 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भोपाल में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की और इसकी शैक्षिक गतिविधियाँ शैक्षिक सत्र 2002-03 से आरम्भ हो गईं। अब इसका नाम परिवर्तित करके राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) का भोपाल परिसर रखा गया है। मध्य प्रदेश की राज्य सरकार ने इसके लिए बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के पास 10 एकड़ भूमि आबंटित की है। परिसर की चहारदीवारी का निर्माण सी.पी. डब्ल्यू.डी. द्वारा पहले ही किया जा चुका है। माननीय अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार ने दिनांक 19 सितम्बर, 2005 को मुख्य भवन का शिला-न्यास किया। जब तक इसके अपने भवन का निर्माण नहीं हो जाता, तब तक इसकी गतिविधियाँ किराये के भवन में चल रही हैं।

परिसर साहित्य, व्याकरण और ज्योतिष का शिक्षण शास्त्री और आचार्य स्तर पर, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड) का शास्त्री स्तर पर और प्राक् शास्त्री का इण्टर स्तर पर प्रदान करता है। यह शोध-छात्रों हेतु शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है जिसके सम्पन्न करने पर विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि दी जाती है। हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति-शास्त्र, अर्थशास्त्र और कम्प्यूटर शिक्षा जैसे आधुनिक विषय पढ़ाने की भी उचित सुविधा है। परिसर जरूरतमंद छात्रों को छात्रावास की सुविधा प्रदान करता है।

2005-2006 शैक्षिक वर्ष में विभिन्न कक्षाओं में 248 छात्र पंजीकृत किए गए। उनमें से 14 छात्राएँ थीं। 112 छात्रों को छात्रावास की सुविधा मिली। अपने अध्यापन कार्य के अतिरिक्त निम्नलिखित संकाय-सदस्यों ने अन्य शैक्षणिक कार्यकलापों में सहभागिता की :

1. प्रो. आज़ाद मिश्रा, ओ.एस.डी.

संस्कृत गौरव दिवस समारोह, कालिदास अकादमी में 27 अगस्त, 2005 को भाग लिया।

2. डॉ. हंसधर झा, वरिष्ठ व्याख्याता

श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय, एनथुर, कांचीपुरम में 15 दिसम्बर, 2005 से 4 जनवरी, 2006 तक यू.जी.सी. संगोष्ठी विषय में भाग लिया।

3. श्री ब्रज भूषण ओझा, व्याख्याता

कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में 27 से 29 दिसम्बर, 2005 तक आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत

4. डॉ. नारायणन, ई.आर, व्याख्याता	वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में मार्गदर्शक के रूप में सहभागिता की। कालिदास अकादमी, उज्जैन में 4 से 9 जनवरी, 2006 तक रसगङ्गाधर पर आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

शिक्षण/शिक्षा शास्त्र विभाग के कार्यकलाप :

शिक्षा-शास्त्री के छात्रों हेतु शैक्षिक वर्ष में निम्नलिखित कार्यकलाप संचालित किए गए :

(अ) प्रथम उपचार प्रशिक्षण	–	25 से 28 अगस्त, 2005
(आ) शिक्षण अभ्यास	–	1 से 30 सितम्बर, 2005
(इ) स्काउट व गाईड प्रशिक्षण	–	21 से 30 नवम्बर, 2005
(ई) शैक्षिक पर्यटन	–	25 से 28 अक्टूबर, 2005

पाठ्येतर गतिविधियाँ

संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन 17 अगस्त, 2005 को किया गया जिसमें माननीय डॉ. बलराम जाखड़, राज्यपाल, मध्य प्रदेश मुख्य अतिथि थे। श्री इन्द्रजीत कुमार, एम.एल.ए. व भूतपूर्व मन्त्री, मध्य प्रदेश सरकार, श्री के.के. श्रीवास्तव, निदेशक, टी.टी.टी.आई. और पंडित मूंगा राम त्रिपाठी सम्माननीय अतिथि थे।

माननीय श्री अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार ने 19 सितम्बर, 2005 को परिसर के भवन का शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) भी उपस्थित थे।

परिसर का वार्षिक दिवस 7 मार्च, 2006 को मनाया गया जिसमें डॉ. कमला प्रसाद, उपाध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा मुख्य अतिथि थे।

5.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

के.जे. सौमैया ट्रस्ट, विद्या विहार, मुम्बई ने अपने परिसर में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ स्थापित करने का प्रस्ताव किया और साथ में एक एकड़ भूमि विद्यापीठ भवन के लिए उपलब्ध कराने का प्रस्ताव किया। अत: राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियुक्त समिति द्वारा इसका निरीक्षण किया गया और अनुशंसा की गयी कि अंगीभूत विद्यापीठ स्थापित किया जाए। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस प्रस्ताव को 31.03.2002 को निर्णय लेकर स्वीकृत किया गया। के.जे. सौमैया ट्रस्ट ने आवंटित भूमि पर विद्यापीठ के लिए भवन बनने तक कक्षाएँ अपने भवन में चलाये जाने की स्वीकृति दी। संस्थान ने पट्टाकर्ता सौमैया ट्रस्ट से जमीन का अधिग्रहण कर लिया है। तत्कालीन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने मुम्बई परिसर का उद्घाटन दिनांक 16.05.2002 के शुभ दिन को किया।

परिसर इण्टर के समकक्ष प्राक् शास्त्री, बी.ए. के समकक्ष शास्त्री और एम.ए. (संस्कृत) के समकक्ष आचार्य (साहित्य एवं व्याकरण) पाठ्यक्रमों का शिक्षण प्रदान करता है। संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार पारम्परिक विषयों के अतिरिक्त आधुनिक विषय भी पढ़ाए जाते हैं।

शैक्षिक सत्र 2005-06 में परिसर के शिक्षण क्रियाकलाप के अतिरिक्त निम्नलिखित पाठ्येतर गतिविधियाँ भी हुईं :

संस्कृत दिवस 19 अगस्त, 2005 को मनाया गया। सभी संकाय-सदस्यों एवं छात्रों ने बढ़-चढ़ कर सहभागिता की। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के अनुदेशानुसार वन्देमातरम् दिवस से सम्बद्ध समारोह का आयोजन 6 सितम्बर 2005 को किया गया। शिक्षकों तथा छात्रों ने देशभक्ति एवं वन्देमातरम् गीत के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए।

परिसर के संकाय-सदस्यों ने भारतीय विज्ञान के इतिहास एवं तत्त्व-ज्ञान पर आई.आई.टी. मुम्बई में 27 व 28 फरवरी, 2006 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

परिसर के श्री बाबू लाल जाट, आचार्य द्वितीय वर्ष के छात्र ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में भाग लिया और व्याकरण शलाका प्रतियोगिता में सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

परिसर के छात्रों ने नई दिल्ली में वसन्तोत्सव के अवसर पर 'भू कैलाशम्' नामक संस्कृत नाटक का मंचन डॉ. (श्रीमती) चन्द्रकला एन.भट, व्याख्याता के निर्देशन में किया।

परिसर के शिक्षकों एवं छात्रों ने सौमैया संस्कृत प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित मासिक संस्कृत बैठकों में भाग लिया।

परिसर ने अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया। इसमें भाषित संस्कृत की शिक्षा प्राप्त करने के लिए 23 और 30 छात्रों ने क्रमशः प्रथमा और द्वितीया दीक्षा में प्रवेश लिया।

6. योजनाएँ

भारत सरकार द्वारा 1956 में नियुक्त संस्कृत आयोग ने यह सिफारिश की थी कि ऐसी महत्वपूर्ण सक्रिय निजी शैक्षिक संस्थाओं और निकायों को सहायता और संरक्षण दिया जाए जो अपने-अपने क्षेत्र में संस्कृत प्रचार का कार्य कर रहे हैं।

उनका पालन करते हुए भारत सरकार ने सम्बद्ध योजनाओं के अन्तर्गत पड़ने वाले आवेदकों को वित्तीय सहायता प्रदान करके संस्कृत के प्रोत्साहन हेतु विविध योजनाएँ आरम्भ की हैं। पहले इन योजनाओं को मा.सं.वि. मन्त्रालय, भारत सरकार ने आरम्भ किया था, लेकिन बाद में विधिवत् गठित सहायता अनुदान समिति द्वारा संस्तुति पर इनके निष्पादन एवं कार्यान्वयन हेतु इन्हें संस्थान को सौंप दिया गया है। इन योजनाओं का वर्णन यहाँ नीचे किया जाता है :

6.1 संस्कृत के प्रोत्साहन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं और पाठशालाओं को वित्तीय सहायता

कार्य-क्षेत्र

इस योजना के अधीन संगठन/संस्थाओं/व्यक्तियों को संस्कृत के प्रचार और विकास के क्षेत्र में अपने क्रियाकलाप जारी रखने और/या उनका विस्तार करने या नई योजनाएं बनाने के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है। ये क्रियाकलाप निम्नलिखित एक या एक से अधिक प्रयोजनों से संबंधित हो सकते हैं–

(क) नई संस्थाएं/पाठशालाएं खोलने और/या संस्थाओं/पाठशालाओं के अनुरक्षण/विकास के लिए।

(ख) संस्कृत शिक्षण की कक्षाएं चलाना।

(ग) संस्कृत प्रचारकों का प्रशिक्षण और नियुक्ति।

(घ) संस्कृत पुस्तकालयों और वाचनालयों की स्थापना, अनुरक्षण और अभिवृद्धि।

(ङ) संस्कृत प्रचार के लिए प्रचार उपस्करों की खरीद।

(च) प्रमुख संस्कृत विद्वानों के व्याख्यानों, संस्कृत वाद-विवाद, संस्कृत प्रतियोगिताओं, वक्तृता प्रतियोगिताओं, संस्कृत नाटकों आदि का आयोजन।

(छ) ऐसे द्विभाषिक शब्दकोश तैयार करना जिनकी एक भाषा संस्कृत हो।

(ज) संस्कृत पांडुलिपियां तैयार करना और उनका प्रकाशन।

(झ) संस्कृत के पत्र-पत्रिकाएं तैयार करना और उनका प्रकाशन, तथा उनके स्तर का अनरक्षण और उनकी सामग्री तथा कोटि में सुधार।

(ञ) संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों के लिए पुरस्कारों की व्यवस्था।

(ट) भवनों का निर्माण, मरम्मत और विस्तार।

(ठ) अनुमोदित संस्कृत परम्पराओं का संगठन।

(ड) संस्कृत में अनुसन्धान।

(ढ) संस्कृत की अभिवृद्धि, प्रचार और विकास में सहायक कोई अन्य क्रियाकलाप।

किसी अनुमोदित योजना के निष्पादन पर होने वाले कुल खर्च का अधिकतम 75 प्रतिशत अंश भारत सरकार सहायता के रूप में देती है। भवन परियोजनाओं के मामले में अनुदान की सीमा अनुमोदित खर्च का 50 प्रतिशत या रु. 50,000/- इनमें से जो भी कम हो, मान्य हैं। विशेष मामलों में वित्त मन्त्रालय के अनुमोदन से रु. 50,000/- की सीमा बढ़ाई जा सकती है।

सहायता का विस्तार

वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र (प्रकाशन परियोजनाओं को छोड़कर) इस प्रयोजन के लिए निर्धारित विहित आवेदन-पत्र फार्म पर नियमत: राज्य सरकारों के मार्फत प्राप्त किए जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर के संगठनों से अनुदान के आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सीधे भी प्राप्त कर सकता है। यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विवेक पर होगा कि वे विशेष मामलों में आवेदन सीधे ही स्वीकार कर लें। वित्तीय सहायता के सभी आवेदनों पर उनके गुणावगुण के आधार पर विचार किया जाता है और अनुदान केवल कार्य की अनुमोदित मदों के लिए ही स्वीकृत किया जाता है। जिन संगठनों और संस्थाओं के आवेदन सीधे ही प्राप्त हुए हैं लेकिन जो अखिल भारतीय स्तर के नहीं हैं, उनके मामले में आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार के विचार आमंत्रित किए जा सकते हैं।

कार्य की प्रगति और हाथ में ली जाने वाली परियोजना की प्रकृति के अनुसार अनुदान किस्तों में दिए जाएंगे।

आवेदन-पत्र भेजने की क्रियाविधि

संबंधित राज्य सरकार संगठन के आवेदन की जांच करेगी और अपनी सिफारिश भेजते समय ये बातें बताएगी:

(क) संगठन सुस्थापित क्षमता और योग्यता रखता है।

(ख) जिस योजना की सिफारिश की गई है उससे संस्कृत की अभिवृद्धि/प्रचार/प्रसार होगा (ब्योरे दिये जाएं)।

(ग) प्राक्कलनों की जांच कर ली गई है और वे मुनासिब समझे गए हैं।

(घ) वह राशि जिसे राज्य सरकार संगठन/संस्था/व्यक्ति को देने की सिफारिश राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से करती है, तथा

(ङ) जिस निकाय के लिए अनुदान सहायता की सिफारिश की गई है, वह दूषित व्यवहार से मुक्त है और प्रतिबन्ध लागू करने के उपाय (लेखा परीक्षा सहित) सोच निकाले हैं।

(च) कोई अन्य लाभदायक सूचना जो राज्य सरकारें संगठन/संस्था/व्यक्ति के आवेदन के बारे में देना चाहें।

किसी आवेदन पर अपनी सिफारिश भेजने से पहले राज्य सरकारों को संगठन आदि की वास्तविकता और जिस कार्य के लिए अनुदान मांगा गया है उसकी उपयोगिता और आवश्यकता के बारे में अपनी तसल्ली कर लेनी चाहिए। अनुदान सम्बन्धी प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ आवश्यक सूचना और दस्तावेज भेजे जाएँ।

अनुदान देने की शर्तें

स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/संस्थाओं को संस्कृत के प्रचार और विकास के लिए अनुदानों के संबंध में निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा–

1. वित्तीय सहायता लेने वाली किसी भी संस्था की जांच राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान या राज्य शिक्षा विभाग या भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग का कोई अधिकारी किसी भी समय कर सकता है। यदि केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा दिया गया अनुदान 25,000 रु. से अधिक हो तो संस्था की जांच वहां जाकर करनी चाहिए।

2. अनुदान लेने से पहले यह वचन देना होगा कि जिस काम के लिए सहायता दी गई उसे सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियत किये गये मुनासिब समय में पूरा किया जाएगा और अनुदान का केवल उसी उद्देश्य के लिए उपयोग किया जाएगा जिसके लिए वह स्वीकृत किया गया है। ऐसा न करने पर संस्था को पूरा अनुदान केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा निर्धारित ब्याज के साथ सरकार/संस्थान को वापिस करना होगा।

3. किस्तों में दिए जाने वाले अनुदान की बाद की किस्तें तब तक नहीं दी जाएँगी जब तक कि पहली किस्त का अधिकांश भाग खर्च न कर दिया गया हो और जब तक पहली किस्त की सहायता से किए गए काम की रिपोर्ट के साथ लेखों का प्रमाणित विवरण अगली किस्त की अदायगी की प्रार्थना के साथ न भेजा जाए। काम की प्रगति के बारे में सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संतुष्ट हो जाने पर ही बाद की किस्त (किस्तें) दी जाएगी (जाएंगी)।

4. भवन निर्माण/प्रकाशन के मामले में अनुदानों के लिए एक मुनासिब समय निर्धारित किया जाना चाहिए। जब तक कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान कुछ समय के लिए अवधि न बढ़ा दे, इस अवधि में संस्था को भवन निर्माण/प्रकाशन का काम पूरा करना होगा।

5. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से अनुदान प्राप्त संस्था अपनी सम्पत्ति को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुमति के बिना किसी व्यक्ति/संस्था/संगठन के नाम हस्तांतरित नहीं कर सकती। यदि किसी समय संस्था बन्द हो जाए तो केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अनुदान में से बनाई गई सम्पत्ति या खरीदा गया सामान भारत सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वापस हो जाएगा।

6. संस्था के लेखे उचित रूप से रखे जाने चाहिए और मांगे जाने पर पेश किए जाएंगे। इनकी जांच नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक जब चाहे तब कर सकता है।

7. यदि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/सरकार को यह विश्वास हो जाए कि संस्था का प्रबन्ध सुचारु रूप से नहीं हो रहा है, स्वीकृत धन का उपयोग अनुमोदित उद्देश्यों के लिए नहीं हो रहा है तो अनुदान की अदायगी रोकी जा सकती है।

8. संस्था भारत के समस्त नागरिकों के लिए जाति, मत या वर्ग के भेदभाव के बिना खुली रहेगी। जिस राज्य में संस्था स्थित हो उसके बाहर के राज्य के लोगों से व्यक्ति कर या कोई अन्य फीस नहीं ली जाएगी।

9. जिस काम के लिए अनुदान स्वीकृत हुआ हो, उसके संबंध में संस्था राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशों और सुझावों के पालन के लिए बाध्य होगी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किसी भी विषय पर कोई सूचना या स्पष्टीकरण मांगे जाने पर संस्था संस्थान द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर उसे मन्त्रालय को भेजेगी।

10. संगठन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना भारत के बाहर के किसी भी विदेशी को आमन्त्रित नहीं करेगा।

वर्ष 2005-06 में प्राप्त आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, उनका राज्य-वार विवरण संलग्नक-झ में दिया गया है।

6.2 अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता

संस्थान पारम्परिक संस्कृत छात्रों को शास्त्रीय संस्कृत भाषा में आशु भाषण में प्रोत्साहित करने हेतु देश के विभिन्न भागों में प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता का आयोजन करता है। समस्या-पूर्ति की

प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश सरकार से अनुरोध किया जाता है कि वे आठ शास्त्रीय विषयों में प्रतियोगिता हेतु एक अध्यापक सहित आठ सहभागियों के नाम भेजें। सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों को प्रत्येक प्रतियोगिता में पदक व प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाते हैं। श्रेष्ठता के क्रम में क्रमशः रु. 2000/-, रु. 1500/- तथा रु. 1000/- के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय नकद पुरस्कार भी दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त विजेताओं को पदक भी प्रदान किए जाते हैं। श्लोकान्त्याक्षरी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की राशि बढ़ाकर रु. 7000/-, रु. 5000/- और रु. 3000/- कर दी गई है। परिशोधित पुरस्कार राशि वर्ष 2005-06 से प्रयोज्य है।

वर्तमान दस प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त "शास्त्र शलाका परीक्षा" का भी आयोजन किया जाता है।

प्रतियोगिता का स्वरूप भारत की शास्त्र शिक्षण पद्धति की प्राचीन परम्परा से लिया गया है। इसमें छात्र को अपनी स्मृति में टीका सहित सारे मूल-पाठ को रखना होता है और "रजत शलाका" द्वारा प्रकट बिन्दु से वर्णन व व्याख्या करना अपेक्षित होता है। इस कठिन प्रतियोगिता का लक्ष्य परम्परा को पुनरुज्जीवित करना एवं छात्र की स्मरण-शक्ति को पैना करना है।

वर्ष 2005-06 में प्रतियोगिता का आयोजन कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) में किया गया। निर्णायक पैनल द्वारा कर्नाटक तथा आन्ध्र प्रदेश राज्यों को क्रमशः प्रथम तथा द्वितीय घोषित किया गया।

6.3 शास्त्र चूड़ामणि योजना

संस्थान के परिसरों, आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य संस्कृत कॉलेजों और स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों की सेवाओं के उपयोग हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य उन विभिन्न केन्द्रों में विविध शास्त्रीय विषयों के संस्कृत में गहन अध्ययन को संरक्षण देना है जहाँ छात्रों को पारम्परिक पद्धति से संस्कृत शिक्षण प्रदान किया जाता है। प्राचीन काल में शिक्षण पद्धति में शिष्य और गुरु के कम-से-कम 12 वर्ष तक पूर्णकालिक साहचर्य का ध्यान रखा जाता था। उनके पास विभिन्न दुर्बोध शास्त्रीय विषयों की व्याख्या करने का पर्याप्त समय होता था और छात्रों के पास विषय विशेष पर विस्तृत ढंग से नैपुण्य प्राप्त करने का अवसर रहता था। लेकिन हाल में आधुनिक शिक्षा पद्धति में सीमित अवधि के लिए पाठ्य-पुस्तकों में से चयनित व निर्धारित पाठ्यक्रम होता है। इससे संस्कृत शिक्षण पद्धति भी प्रभावित हुई है। परिणाम स्वरूप, जहाँ संस्कृत विषय में छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्नातकोत्तर स्तर पर विशेषज्ञता प्राप्त करें, वहीं समयाभाव के कारण उच्चतर पाठ्य-पुस्तकों को विस्तार से एवं सम्पूर्णता से पढ़ाने की कोई सम्भावना नहीं है। परिणामतः इस पद्धति के अध्येता यद्यपि अपने विषयों के मूलभूत सिद्धान्तों में पूर्ण निपुण होते हैं, तथापि उनमें इन विषयों में लिखित उच्चतर पुस्तकों के गहन एवं व्यापक ज्ञान का अभाव होता है।

स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के तुरन्त बाद घरेलू आवश्यकताएँ उन्हें आजीविकोपार्जन हेतु किसी व्यवसाय के लिए बाध्य कर देती हैं। इन्हीं स्नातकोत्तर परीक्षोत्तीर्ण व्यक्तियों में से अब हमें तरुण अध्यापक एवं प्राध्यापक भर्ती करने होते हैं। यद्यपि वे अपनी पढ़ाई आगे जारी रखने में अत्यधिक रुचि रखते हैं तथापि जिन संस्थाओं में वे नियुक्त होते हैं उनमें ऐसा करने की सुविधाएँ नहीं होतीं। परिणाम यह होता है कि भले ही ये प्राध्यापक अपने छात्रों को सम्बन्धित परीक्षाओं के लिए तैयारी करवाने से सम्बद्ध अपने कर्तव्य का निर्वहण प्रवीणता से कर देते हैं, फिर भी उन्हें अपने क्षेत्र में उतनी योग्यता प्राप्त नहीं होती जितनी योग्यता 2 या 3 दशाब्दि पूर्व उनके

पूर्ववर्ती प्राप्त करने में सक्षम होते थे। उनकी शैक्षणिक रुचि का शोषण नहीं किया जाना चाहिए और उनकी अध्ययनशील रिक्ति दूर की जानी चाहिए। इससे वे इस उद्देश्य को पूर्ण करने में सज्जित होंगे और छात्रों की एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करने में समर्थ होंगे जो अपने-अपने विषयों में वास्तव में दक्ष होगी।

सौभाग्यवश इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु कुछ पुराने विद्वान् अभी भी जीवित हैं। वे शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से सजग हैं और कुछ अधिक वर्षों के लिए उनका सफल उपयोग किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि वे किसी विश्वविद्यालय की उपाधि या योग्यता के कारण विद्वान् हों। लेकिन फिर भी वे अपने क्षेत्र में निपुण हैं और उनके चरणों में बैठकर तरुण शिक्षकों को अध्ययन करने में कोई अनुताप नहीं होगा। वे संस्था के शैक्षिक वातावरण में वृद्धि करेंगे और अध्यापकों तथा छात्रों के सन्देहों का निराकरण करने हेतु सहज ही उपलब्ध रहेंगे।

कार्यान्वयन

इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रत्येक परिसर, आदर्श संस्कृत पाठशाला और संस्कृत विश्वविद्यालय में दो विद्वान् और राज्य सरकार द्वारा संचालित अथवा पर्याप्त रूप से वित्तपोषित संस्कृत कालेजों में एवं स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में एक विद्वान् की नियुक्ति सामान्यतया की जाती है। ऐसी नियुक्तियाँ सम्बद्ध संस्था के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के आधार पर विशेषज्ञों से युक्त सहायता अनुदान समिति की संस्तुतियों पर की जाती हैं। इस प्रकार से की गई नियुक्ति प्रारम्भिक रूप से दो वर्ष की अवधि हेतु की जाती है। संस्था के प्रधान की विशिष्ट रिपोर्ट के आधार पर समिति द्वारा एक वर्ष का विस्तार प्रदान किया जाता है। नियुक्त विद्वान् को प्रतिमास रु. 2500/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

इस वर्ष विभिन्न संस्थाओं में 39 शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति की गई।

6.4 व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

परम्परागत संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों हेतु "प्रायोगिक प्रशिक्षण" संचालन के लिए पंजीकृत शैक्षिक संगठनों को वित्तीय सहायता

कुछ विशिष्टता प्राप्त विभागों में परम्परागत शिक्षण प्राप्त प्रत्याशियों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंजीकृत शैक्षिक निकायों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना आरम्भ की गई। इसके अन्तर्गत पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों को अल्पकालीन अनुकूलन पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। अध्यापन के विषय पाण्डुलिपि विज्ञान, सूची-निर्माण, पुरालिपि शास्त्र, संस्कृत टंकण व आशुलिपि, ज्योतिष, कर्मकाण्ड और पुरालेखशास्त्र इत्यादि हैं। ये प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सामान्यतया तीन से नौ सप्ताह तक की विभिन्न अल्पावधियों के लिए संचालित किए जाते हैं। इस अवधि में छात्रों को शिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से शैक्षिक निकाय सम्बन्धित क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमन्त्रित कर सकते हैं। इच्छुक संस्थाएँ ऐसे किसी भी कार्यक्रम के आयोजन हेतु निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन कर सकती हैं। उन्हें अल्पावधि पाठ्यक्रमों हेतु स्थानीय समाचार-पत्रों में भी विज्ञापन देना होता है और इसका लाभ प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों से आवेदन आमन्त्रित करने होते हैं। प्रत्येक छात्र से रु. 5/- का सामान्य पंजीकरण शुल्क लिया जा सकता है। प्रत्येक छात्र को प्रशिक्षण दिवसों में रु. 10/- प्रति दिन के हिसाब से फुटकर भत्ता दिया जाता है। विशेषज्ञ प्रशिक्षक को सामान्यत: प्रतिदिन रु. 100/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

योग्यता के आधार पर संस्तुति करने हेतु किसी विशेषज्ञ/सहायता अनुदान समिति द्वारा आवेदनों पर विस्तृत विचार किया जाता है। संस्थान द्वारा सम्बद्ध संस्था को समिति द्वारा अनुमोदित कुल अनुमानित व्यय का 75% अग्रिम

के रूप में जारी किया जाता है और अवशिष्ट 25% का निर्मोचन लेखा-परीक्षित लेखों की प्राप्ति होने पर तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की रिपोर्ट मिलने पर किया जाता है।

इस वर्ष अनुस्थापन पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु 18 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

6.5 संस्कृत शब्दकोश परियोजना

1500 ईसा पूर्व से 1900 ई॰ तक ऐतिहासिक सिद्धान्तों पर अति व्यापक संस्कृत कोश तैयार करने की योजना डेकन कॉलेज, पूना द्वारा आरम्भ की गई है। यह वर्ष 1948 में आरम्भ की गई थी। प्रधान सम्पादक द्वारा संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग, डेकन कॉलेज, पूना का नेतृत्व किया जा रहा है। अब तक शब्दकोश की 7 जिल्दें प्रकाशित की जा चुकी हैं। आठवीं जिल्द का कार्य प्रगति पर है। यह योजना मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा और कुछ सीमा तक महाराष्ट्र सरकार द्वारा वित्त-पोषित की गई। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2005-06 में संस्कृत शब्दकोश परियोजना हेतु रु. 37/- लाख की राशि का निर्मोचन किया गया।

6.6 संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना

संस्कृत, अरबी और फ़ारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित करने के लिए 'राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना' 1958 में आरम्भ की गई। इस योजना को 1996 में पालि/प्राकृत तक विस्तारित किया गया। विद्वानों को उनके सम्बद्ध क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान की स्वीकृति में वर्ष में एक बार स्वतन्त्रता दिवस पर सम्मानित किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक विद्वान् को एक सनद तथा शाल प्रदान किए जाने के अतिरिक्त आजीवन रु. 50,000/- का वार्षिक आर्थिक अनुदान देने पर विचार किया जाता है।

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत हेतु 15, अरबी और फ़ारसी में से प्रत्येक के लिए 3 और पाली/प्राकृत के लिए एक पुरस्कार है।

प्रतिवर्ष इन पुरस्कारों हेतु निम्नलिखित से प्रस्ताव आमन्त्रित किए जाते हैं :

(अ) सभी राज्य सरकारों के मुख्य सचिव।

(आ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के शिक्षा-सचिव।

(इ) सभी भारतीय विश्वविद्यालयों और मानित विश्वविद्यालयों के कुलपति।

(ई) सभी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के प्राचार्य।

(उ) आदर्श संस्कृत पाठशालाओं के अध्यक्ष।

(ऊ) राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त विद्वानों से यह अनुरोध कि वे केवल दो नामों की संस्तुति करें।

(ऋ) भारत सरकार के सभी मन्त्रालय/विभाग।

सर्वप्रथम संस्तुतियों की जाँच एच.आर.एम. द्वारा अनुमोदित प्राथमिक चयन समिति द्वारा की जाती है। सदस्य अपने-अपने कार्य क्षेत्र में अत्यन्त प्रख्यात विद्वान् हैं।

प्राथमिक चयन समिति द्वारा की गई संस्तुतियाँ फिर एच.आर.एम., प्रधान मन्त्री और तब अन्त में भारत के राष्ट्रपति को स्वीकृति हेतु भेजी जाती हैं।

इसके अतिरिक्त संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी और फ़ारसी के युवा विद्वानों को भी भाषाओं के उन्नयन में श्रेष्ठ योगदान हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा बादरायण व्यास सम्मान से सम्मानित किया जाता है। ऐसे युवा विद्वानों को

प्रमाण-पत्र एवं शाल के अतिरिक्त रु. 1,00,000/- का एकमुश्त आर्थिक अनुदान दिया जाता है।

भारत के महामहिम राष्ट्रपति जी ने 6 दिसम्बर 2005 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित प्रतिष्ठापन समारोह में 88 उत्कृष्ट विद्वानों और 24 युवा विद्वानों को वर्ष 2002, 2003, 2004 और 2005 के लिए यह सम्मान प्रदान किया।

इस सम्मान के प्रापकों की सूची संलग्नक-ञ में दी गई है।

6.7 संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान संदर्भ ग्रन्थ, मूल लेखन, शोध-प्रबन्ध, अनुवाद, हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची, समीक्षात्मक संस्करण, दुर्लभ अप्राप्य ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण संस्करण और अन्य किसी भी प्रकार के प्रकाशन जो संस्कृत भाषा तथा साहित्य के प्रोत्साहन हेतु प्रेरक रूप में वैयक्तिक रूप से स्वीकृत हों–जैसे संस्कृत आधारित ग्रन्थों के प्रकाशन के लिए पंजीकृत संगठनों, लेखकों, सम्पादकों एवं अनुवादकों या विशिष्ट व्यक्तियों अथवा विचाराधीन ग्रन्थ का प्रकाशनाधिकार रखने वाले और उस ग्रन्थ के प्रकाशन के इच्छुक व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अन्तर्गत सहायता राशि मूल लेखन के मामले में रचना की वास्तविक लागत की अधिकतम 80% स्वीकृत की जाती है और शोध-प्रबन्ध के मामले में यह अधिकतम 50% स्वीकृत की जाती है। तथापि, दुर्लभ हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची के लिए सहायता कुल व्यय का 100% तक हो सकती है।

आवेदकों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र में प्रकाशन अनुदान हेतु आवेदन करना होता है। साथ में दो भिन्न-भिन्न मुद्रकों से रचना की अनुमानित लागत और प्रस्तावित कार्य के लगभग पैंतीस पृष्ठ भी प्रस्तुत करने होते हैं। इस प्रकार से प्राप्त नमूना पृष्ठों को उस कार्य की उपयोगिता पर विशेषज्ञों की राय जानने के लिए उनको भेजा जाता है। फिर प्रस्ताव और विशेषज्ञों की राय को आवश्यक संस्तुतियाँ करने के लिए सहायता अनुदान समिति के आगे रखा जाता है। स्वीकृत प्रस्तावों के आवेदकों को संस्वीकृति आदेश की तारीख से दो साल की अवधि के अन्दर-अन्दर ग्रन्थ को प्रकाशित करना होता है। मुद्रण के बाद ग्रन्थ की नमूना प्रति और मुद्रक बिल की जाँच विशेषज्ञ अभिकरण द्वारा की जाती है जो रचना की वास्तविक लागत का हिसाब लगाता है। उसके आधार पर निश्चित फॉर्मूला के अनुसार एक प्रति की कीमत निश्चित की जाती है। वास्तविक संस्वीकृत अनुदान सहित इसकी सूचना आवेदक को भेजी जाती है। अनुदान के बदले में आवेदकों को मामले के अनुसार ग्रन्थ की कुछ प्रतियाँ डाक द्वारा सूचीबद्ध पुस्तकालयों को नि:शुल्क भेजनी होती हैं। संस्थान डाक प्रभार अदा करता है और संस्वीकृत अनुदान जारी करता है। इसके साथ, संस्कृत पत्रिकाओं/समाचार-पत्रों के लिए वार्षिक संस्वीकृत प्रकाशन अनुदान भी जारी किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, समय-समय पर सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर संस्थान दुर्लभ संस्कृत ग्रंथों के पुनर्मुद्रण हेतु कुछ शर्तों के आधार पर किसी विश्वविद्यालय अथवा पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन या सुप्रतिष्ठित व्यावसायिक प्रकाशक की सहायता कर सकता है। ऐसी सहायता अनुमोदित निम्न कीमत पर ऐसे प्रत्येक पुनर्मुद्रण की 500 प्रतियाँ खरीद कर की जा सकती है, बशर्ते कि प्रकाशक प्रथम क्रय आदेश की तारीख से तीन वर्ष के भीतर उसी कीमत पर 300 अतिरिक्त प्रतियों की आपूर्ति का वचन देता है।

वर्ष 2005-06 में वित्तीय सहायता से प्रकाशित एवं प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण क्रमश: संलग्नक ट और ठ में दिया गया है।

6.8 ग्रन्थ क्रय योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लेखकों, प्रकाशकों, पुस्तक-विक्रेताओं, संगठनों आदि से संस्कृत भाषा और साहित्य से सम्बद्ध पुस्तकों की प्रतियाँ थोक में खरीद कर उनको वित्तीय सहायता प्रदान करता है, बशर्ते कि ऐसी पुस्तकें

संस्थान की किसी अन्य योजना के अन्तर्गत सहायता पाकर प्रकाशित नहीं हुई हैं। बहरहाल, जिन पुस्तकों के लिए नकद राज्य पुरस्कारों के माध्यम से अथवा प्रशंसात्मक उल्लेख के माध्यम से मान्यता दी गई है वे भी इसके पात्र हैं।

आवेदक निर्धारित आवेदन-प्रपत्र में संस्थान को आवेदन भेजें। साथ में पुस्तकों की कम-से-कम दो मानार्थ प्रतियाँ भी भेजें। मानार्थ प्रतियाँ प्रत्यावर्तनीय नहीं हैं। सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर आवेदकों को क्रय आदेश भेजा जाता है और उन पुस्तकालयों की सूची भी प्रदान की जाती है जिन्हें निर्धारित संख्या में पंजीकृत पार्सल के द्वारा प्रतियाँ भेजी जाती हैं। आवेदक से अपेक्षित है कि वह न्यूनतम 25% व्यापारिक बट्टा प्रदान करे। आवेदक बिल में एक प्रति पर 20 पैसे की दर से पैकिंग व्यय और पंजीकृत पार्सल व्यय जोड़ता है जिनका वहन भी संस्थान द्वारा किया जाता है। आवेदक द्वारा प्रतियों के प्रेषण सम्बन्धी मूल डाक रसीदों सहित सम्बन्धित बिल भुगतान की संस्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाता है।

वर्ष 2005-06 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 26.52 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

6.9 आदर्श महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत विद्या तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इस प्रयोजन से इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत महाविद्यालयों को प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी-एच.डी. एवं पी-एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा संचालन करने हेतु सहायता प्रदान की जाती है।

मान्यता एवं वित्तीय सहायता की शर्तें

इस योजना के अन्तर्गत केवल संस्कृत महाविद्यालयों अथवा शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाएँ वित्तीय सहायता हेतु विचार किए जाने के योग्य हैं। बहरहाल, मान्यता मिलने से किसी संस्था को स्वत: वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अधिकार नहीं मिलता और न ही सहायता अनुदान का जारी रखा जाना अधिकार की बात मानी जा सकती है।

कोई भी पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन जो संस्कृत महाविद्यालय या शोध संस्थान का अनुरक्षण करता हो, यदि वह सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अन्तर्गत सोसाइटी अथवा पंजीकृत न्यास है, तो वह मान्यता हेतु आवेदन कर सकता है। निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर ही भारत सरकार द्वारा मान्यता देने पर विचार किया जाता है।

(i) महाविद्यालय में पारम्परिक पद्धति से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य अथवा समकक्ष पाठ्यक्रमों का अध्यापन होता हो। शोध संस्थान में विभिन्न पारम्परिक संस्कृत विद्या विशेषों में क्रियात्मक शोध जारी रखा जाता हो;

(ii) महाविद्यालय/शोध संस्थान ऊपर (i) में उल्लिखित स्तर पर कम-से-कम सात साल से अस्तित्व में होने चाहिए। बहरहाल, पहली योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का इस संशोधित योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अधिकार बना रहेगा;

(iii) संस्थाओं के पास उपयुक्त भवनों तथा परिसरों का स्वामित्व एवं नियन्त्रण होना चाहिए। संस्थाओं के पक्ष में 99 वर्ष का पट्टा भी स्वीकार्य होगा;

(iv) इस योजना के अन्तर्गत भविष्य में मान्यता एवं वित्तीय सहायता हेतु आवेदन करने वाले पंजीकृत मूल निकाय को सावधि जमा खाते में न्यूनतम रु. 2.00 लाख की राशि जमा करवानी होगी। बहरहाल, पुरानी योजना के अन्तर्गत पहले से सहायता प्राप्त करने वाली जिन संस्थाओं ने महाविद्यालय/शोध संस्थान के पक्ष में रु. 1 लाख जमा करवाए हैं, उन्हें इस शर्त से छूट दी जाएगी;

(v) महाविद्यालय/शोध संस्थान या तो केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा अधिनियम बनाकर विधिवत् संस्थापित किसी विश्वविद्यालय से या राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध होना चाहिए;

(vi) एक महाविद्यालय में छात्रों की संख्या 50 से कम नहीं होनी चाहिए, एक शोध संस्थान में 12 सक्रिय शोधकर्ताओं से कम संख्या नहीं होनी चाहिए।

मान्यता प्रदान करने हेतु आवेदन मिलने पर सरकार तत्काल निरीक्षण करवाएगी और विशेषज्ञ समिति द्वारा उसका आकलन किया जाएगा तथा मान्यता हेतु इसका निर्णय आवेदनकर्ता संगठन को सूचित किया जाएगा। इसके पश्चात् विशेषत: इस उद्देश्य से संगठित अनुवीक्षण समिति द्वारा वर्तमान स्टाफ की छानबीन की जाएगी।

इस योजना के अन्तर्गत सभी मान्यता-प्राप्त संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान वित्तीय सहायता हेतु विचार किए जाने के पात्र होंगे, बशर्ते कि वे इस योजना में बताई गई शर्तों का पालन करने का वचन दें।

इसके अतिरिक्त उन्हें योजना में उल्लिखित अनुसार प्रबन्धन समिति के स्वरूप एवं संरचना, इसके कार्य, स्टाफ का स्वरूप, उपयोज्य अनुदान आदि से सम्बद्ध शर्तों का भी अनुपालन करना होगा।

संस्थान से वार्षिक अनुदान प्राप्त करने वाले आदर्श महाविद्यालयों/शोध संस्थानों की सूची संलग्नक-ड में दी गई है।

6.10 शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना

इस योजना के अन्तर्गत शिक्षा की + 2 पद्धति, स्नातक, स्नातकोत्तर और पारम्परिक पद्धति के समकक्ष पाठ्यक्रमों एवं पी-एच.डी. की मार्गदर्शक शोध अथवा संस्कृत अध्ययन में समकक्ष उपाधि जिसमें पाली व प्राकृत भाषाएँ भी एक विषय के रूप में सम्मिलित हैं–इन सभी के नियमित छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक वर्ष में प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या निधि की उपलब्धता पर निर्भर है। अ.जा./अ.ज.जा. वर्ग के छात्रों के लिए क्रमश: 15% और 7.5% छात्रवृत्तियाँ आरक्षित हैं।

संस्कृत में न्यूनतम 50% अंक लेकर अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण परीक्षार्थी इन छात्रवृत्तियों के पात्र हैं। आरक्षित वर्ग के परीक्षार्थियों के मामले में अंकों की प्रतिशतता की अर्हकारी शर्त को घटाकर 45% किया जा सकता है। प्रार्थी पात्र छात्रों से अपेक्षित है कि वे छात्रवृत्तियाँ पाने हेतु अपने आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को उन संस्थाओं के माध्यम से भेजें जिनमें वे अपना अध्ययन/शोध जारी रखने के इच्छुक हों। ये छात्रवृत्तियाँ इस उद्देश्य से गठित चयन समिति द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर प्रदान की जाती हैं। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक के छात्रों के लिए ये छात्रवृत्तियाँ 1 जुलाई से लेकर अगले साल के 20 अप्रैल तक 10 मास के एक शैक्षिक वर्ष के लिए समर्थनीय हैं। क्योंकि ये वार्षिक परीक्षा परिणामों के आधार पर प्रदान की जाती हैं, अत: छात्रों को प्रति वर्ष नये सिरे से आवेदन करना होता है। शोध छात्रवृत्ति दो पूर्ण वर्षों के लिए दी जाती है और दूसरे वर्ष की छात्रवृत्ति उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं छात्र द्वारा किए गए कार्य की प्रगति रिपोर्ट की प्राप्ति पर प्रदान की जाती है।

जो छात्र किसी अन्य संस्था से कोई भी छात्रवृत्ति प्राप्त करता है या छात्रवृत्ति के कार्यकाल में किसी अन्य लाभकर कार्य में संलग्न रहता है, या किसी अन्य पाठ्यक्रम का अध्ययन करता है जिसमें संस्कृत अध्ययन का प्रावधान नहीं है, उसे छात्रवृत्ति प्राप्त करने के अधिकार से वंचित कर दिया जाता है। प्रत्येक प्रत्याशी से सभी

अर्हकारी शर्तों को प्रमाणित करने की अपेक्षा की जाती है।

अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए छात्रवृत्ति की दरें निम्नलिखित हैं :

(i) संस्कृत एक विषय के साथ + 2 और समकक्ष पाठ्यक्रम — रु. 100/- प्रतिमास

(ii) बी.ए./बी.ए. (ऑनर्स) और समकक्ष जहाँ संस्कृत के साथ त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स प्रचलित है। — रु. 175/- प्रतिमास

(iii) संस्कृत/पालि/प्राकृत में एम.ए. और समकक्ष — रु. 200/- प्रतिमास

(iv) संस्कृत/पालि/प्राकृत में पी-एच.डी. और समकक्ष — रु. 400/- प्रतिमास + रु. 500/- प्रतिवर्ष आनुषंगिक अनुदान के रूप में (दो वर्ष तक)

शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियों के लिए विचारित प्रस्तावों की राज्य-वार संख्या का विवरण संलग्नक-ढ में दिया गया है।

7. वर्ष 2005-2006 की प्रमुख घटनाएँ

7.1 प्रतिष्ठापन समारोह (6-12-2005)

प्रतिष्ठापन समारोह का आयोजन 6 दिसम्बर 2005 को राष्ट्रपति भवन में हुआ। उसमें 88 विद्वानों को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र और 24 युवा विद्वानों को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान प्राप्त हुआ।

भारत के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम – राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करते हुए

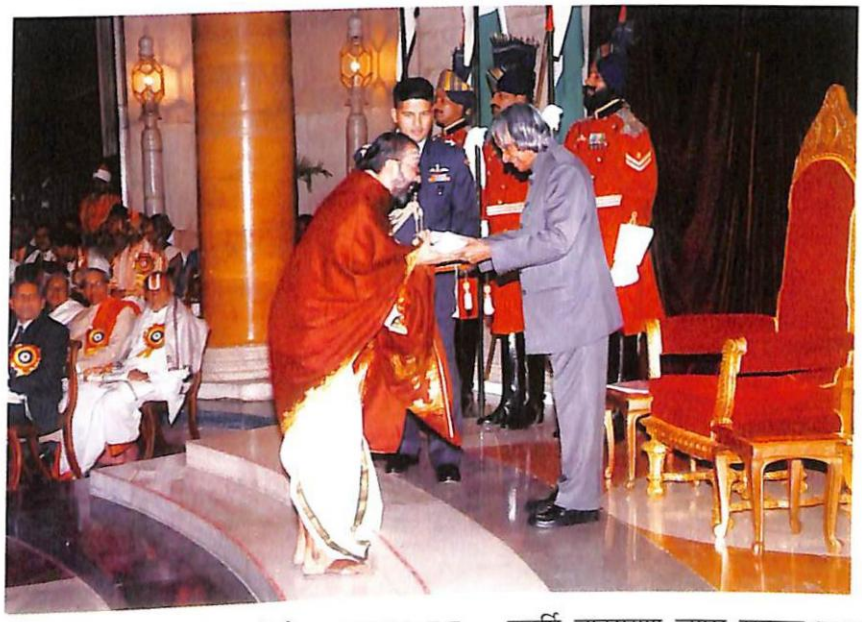

भारत के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम – महर्षि बादरायण व्यास सम्मान प्रदान करते हुए

सम्प्रति तथा गत वर्षों में संस्थान से प्रत्यक्षत: सम्बद्ध विद्वानों ने भी संस्कृत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान किया है; जिसके सम्मान में निम्नलिखित विद्वानों को 2005 वर्ष के लिए राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त हुआ है :

राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र :

1. डॉ. जगन्नाथ पाठक, पूर्ववर्ती प्राचार्य, गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
2. डॉ. गया चरण त्रिपाठी, पूर्ववर्ती प्राचार्य, गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद

महर्षि बादरायण व्यास सम्मान :

डॉ. अजय कुमार मिश्र, सम्प्रति अनुदेशक, संस्थान, नई दिल्ली

7.2 संस्थान का प्रथम दीक्षान्त-समारोह (29-06-2005)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के प्रथम दीक्षान्त-समारोह का आयोजन कमानी प्रेक्षागृह, नई दिल्ली में 29 जून 2005 को किया गया। श्री अर्जुन सिंह जी, माननीय मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलाध्यक्ष ने समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्कृत को सजीव भाषा बताया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत की अखण्डता एवं स्थिरता का कारण यही भाषा है। देश का भावी विकास इस भाषा के उत्थान में सन्निहित है।

डॉ. कपिला वात्स्यायन, अध्यक्षा, आई.आई.सी. एशिया प्रोजेक्ट, इण्डिया इण्टरनेशनल सेंटर और युनेस्को इग्ज़ेक्यूटिव बोर्ड की सदस्या ने दीक्षान्त-समारोह अभिभाषण दिया। उन्होंने बताया कि पिछली दो शताब्दियों में संस्कृत अध्ययन हेतु संघटित अभिगम में कमी आई है। इस प्रकार इस भाषा के मूलभूत महत्व की रक्षा हेतु राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को परम्परागत एवं आधुनिक शिक्षण पद्धति को समक्रमिक बना देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि संस्कृत भाषा के छात्रों/विद्वानों को यह कभी नहीं सोचना चाहिए कि वे अतीत के प्रतीक हैं अपितु उन्हें स्मरण रहे कि वे भविष्य के निर्माता हैं।

माननीय मानव संसाधन विकास मन्त्री श्री अर्जुन सिंह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रथम दीक्षान्त-समारोह में कुलाध्यक्षीय भाषण देते हुए। डॉ. कपिला वात्स्यायन व प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री उनके बायें और दायें विराजमान हैं।

माननीय मानव संसाधन विकास मन्त्री श्री अर्जुन सिंह राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के भूतपूर्व कुलपति प्रो. एन.एस.आर. तातार्य के ग्रन्थ शाब्दबोध मीमांसा का लोकार्पण करते हुए।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित आठ ग्रन्थों का भी इस अवसर पर लोकार्पण किया गया:

1. शाब्दबोध मीमांसा
2. श्रौतयज्ञप्रक्रियापदार्थानुक्रमकोश
3. व्यवहारकोश
4. तमिल लघु कथा
5. दूरे तत्तीरे
6. मीमांसानयविवेक
7. प्राचीन भारत का संविधान तथा न्याय व्यवस्था
8. दि इण्डियन थ्योरी ऑफ ईस्थेटिक-ए रिअप्रेज़ल

भारत भर से पधारे हुए विद्वान् उपस्थित थे।

इस अवसर पर 32 छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि, 1287 छात्रों को आचार्य (एम.ए.) उपाधि, 949 छात्रों को शिक्षा-शास्त्री (बी.एड) और 1800 छात्रों को शास्त्री (बी.ए.) उपाधि प्रदान की गई। 46 छात्रों को श्रेष्ठता स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

7.3 माननीय मा.सं.वि. मन्त्री श्री अर्जुन सिंह जी द्वारा भोपाल परिसर के नए भवन का शिला-न्यास (19-9-2005)

माननीय मा.सं.वि. मन्त्री व राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलाध्यक्ष श्री अर्जुन सिंह जी के द्वारा भोपाल परिसर के नए भवन का शिला-न्यास भोपाल में 19 सितम्बर 2005 को किया गया। इस अवसर पर श्री अजय सिंह, एम.एल.ए, श्री इन्द्रजीत

पटेल, एम.एल.ए, भोपाल, डॉ. पी.के. मिश्रा, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के कुलपति प्रभारी, स्थानीय सी.पी. डब्ल्यू. डी. अधिकारी गण, प्रो. वी. कुटम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, प्रो.आज़ाद मिश्र, ओ.एस.डी., भोपाल परिसर एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

माननीय मानव संसाधन विकास मन्त्री श्री अर्जुन सिंह शिला-न्यास समारोह के अवसर पर अभिभाषण देते हुए। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति एवं प्रो. आज़ाद मिश्र, भोपाल परिसर के ओ.एस.डी. उनके बायीं ओर दृष्टिगोचर हो रहे हैं।

7.4 संस्कृत सप्ताहोत्सव (16-22 अगस्त, 2005)

'संस्कृत सप्ताहोत्सव' 16 अगस्त से 22 अगस्त 2005 तक सप्ताह भर के लिए आयोजित किया गया। संस्कृत दिवस समारोह 19 अगस्त 2005 को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ और राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय संग्रहालय में मनाया गया।

माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मन्त्री श्री मो. अली अशरफ फातमी अध्यक्षीय भाषण देते हुए। बायें से : प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, डॉ. सोमेश्वरदत्त शास्त्री, प्रो. लोकेश चन्द्र एवं प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री

समारोह का उद्घाटन दीपक प्रज्ज्वलित करके तथा वैदिक मन्त्रोचार से किया गया। श्री मो. अली अशरफ फातमी, माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मन्त्री सभापति थे और प्रो. लोकेश चन्द्र, निदेशक, अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृति अकादमी सम्माननीय अतिथि थे। श्री मो. फातमी ने भाषा के विकास विषयक विभिन्न योजनाओं का वर्णन किया।

प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ. सोमेश्वर दत्त शास्त्री भी समारोह में उपस्थित थे।

संस्कृत सप्ताहोत्सव में मुख्यालय एवं अंगीभूत परिसरों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

भोपाल परिसर में संस्कृत दिवस समारोह के अवसर पर मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल डॉ. बलराम जाखड़ मुख्य अतिथि थे। परिसर में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

श्री सदाशिव परिसर, पुरी में संस्कृत सप्ताहोत्सव के समापन समारोह के समय प्रो. आलेख चन्द्र सारंगी, कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी मुख्य अतिथि थे।

लखनऊ परिसर के संस्कृत सप्ताहोत्सव के विदाई समारोह में प्रो. अशोक कुमार कालिया, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा प्रो. आर.पी. सिंह, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि थे।

इस सप्ताह में मुख्यालय में भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। केन्द्रीय विद्यालयों, सम्बद्ध विद्यालयों, संस्थान के कॉलेजों एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों के छात्रों तथा शिक्षकों ने मिडिल स्कूल स्तर, सैकेण्डरी/सीनियर सैकेण्डरी स्कूल स्तर और कॉलेज स्तर पर तीन समूहों में प्रतियोगिता में भाग लिया।

विदाई समारोह का आयोजन संस्थान मुख्यालय में 22 अगस्त, 2005 को किया गया। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. एस. आनन्द, वित्त अधिकारी, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति और डॉ. बी.के. महापात्र, कुलसचिव, श्री एल.बी.एस.आर.एस. विद्यापीठ, नई दिल्ली इस अवसर पर सम्माननीय अतिथि थे। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र, नकद पुरस्कार और मोमेंटो प्रदान किए गए।

7.5 दरभंगा, बिहार में अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता (26-28 दिसम्बर, 2005)

अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता का आयोजन कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा, बिहार के परिसर में 26 दिसम्बर, 2005 से 28 दिसम्बर, 2005 तक किया गया। उसमें देश के 18 राज्यों से 142 छात्रों और 42 शिक्षकों ने न्याय, व्याकरण व साहित्य में समस्या-पूर्ति, श्लोकान्त्याक्षरी और शलाका परीक्षा के अतिरिक्त आठ शास्त्रों में भाग ग्रहण किया।

समारोह का उद्घाटन कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा, बिहार के कुलपति डॉ. कीर्त्यानन्द प्रचेता 'तान्ती' ने किया। प्रो. वी. कुटम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. काशीनाथ मिश्र, पूर्ववर्ती कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा, बिहार और प्रो. डी. प्रह्लादाचार, पूर्ववर्ती कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), तिरुपति उद्घाटन समारोह में सम्माननीय अतिथि थे।

श्री मो. अशरफ अली फातमी, माननीय मानव संसाधन विकास राज्य-मन्त्री, भारत सरकार विदाई समारोह में मुख्य अतिथि थे। डॉ. कीर्त्यानन्द प्रचेता 'तान्ती', कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा (बिहार) ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. जयमन्त मिश्र, पूर्ववर्ती कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा, बिहार सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अतिथियों

का स्वागत किया। प्रो. शिव कान्त झा, परीक्षा नियन्त्रक, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा, बिहार ने भी विदाई समारोह में अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

निम्नलिखित प्रतिष्ठित विद्वानों को प्रतियोगिता में निर्णायकों की भूमिका निभाने के लिए आमन्त्रित किया गया: प्रो. काशीनाथ मिश्र, पूर्ववर्ती कुलपति, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा, प्रो. डी. प्रह्लादाचार, पूर्ववर्ती कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति, प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी, पूर्ववर्ती न्याय प्रोफेसर, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो. हरिहर झा, पूर्ववर्ती प्राचार्य, गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, प्रो. पार्श्व नाथ द्विवेदी, व्याकरण प्रोफेसर, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, डॉ. राजाराम शुक्ला, निदेशक, शोध संस्थान, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा डॉ. हरिदास भट्ट, बंगलौर।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार तथा पदक (स्वर्ण, रजत तथा कांस्य) प्रदान किए गए।

माननीय मानव संसाधन विकास राज्य-मन्त्री श्री मो. अली अशरफ फातमी, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, डॉ. कीर्त्यानन्द प्रचेता 'तान्ती', प्रो. डी. प्रह्लादाचार और विजेता-गण।

प्रतियोगिता में सहभागिता की एक झलक :

शलाका - (अ) न्याय - 10 (आ) व्याकरण - 13 (इ) साहित्य - 10	
श्लोकान्त्याक्षरी	32
समस्या-पूर्ति	32
भाषण-स्पर्धा	117

प्रतियोगिता में कर्नाटक राज्य ने 'वैजयंती' प्राप्त की।

7.6 श्री बी.एस. बासवान, शिक्षा-सचिव का आगमन (18 मई, 2005)

श्री बी.एस. बासवान, शिक्षा-सचिव, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय में 18 मई, 2005 को आगमन हुआ। माननीय शिक्षा-सचिव ने संस्थान के समस्त क्रियाकलापों का पुनरीक्षण किया।

इस अवसर पर प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, निदेशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन, प्रो. वासुदेव घुशे, प्रोफेसर, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय विद्यापीठ, नई दिल्ली तथा डॉ. सोमेश्वर दत्त शास्त्री ने भी समारोह की शोभा बढ़ाई।

बायें से : प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, श्री बी.एस. बासवान, प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, प्रो. आर.सी. पाण्डेय।

7.7 धातुरत्नाकर: के द्वितीय व छठे खंडों का प्रवर्त्तन (29-9-2005)

"कन्टेंट जेनरेशन" परियोजना के अन्तर्गत धातुरत्नाकर: के द्वितीय व छठे खंडों का 29 सितम्बर, 2005 को श्री सुदीप बैनर्जी, शिक्षा-सचिव, भारत सरकार द्वारा संस्थान के वेब्साइट डब्ल्यू.डब्ल्यू.डब्ल्यू. संस्कृत. निक.इन में प्रवर्त्तन किया गया। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने परियोजना का विवरण संक्षेप में दिया। इस कृति के प्रथम खण्ड का प्रवर्त्तन 30 अगस्त को संस्कृत दिवस समारोह के अवसर पर किया गया था।

यह कार्य सात खंडों में है। इस वृद्धि के साथ 4643 धातुओं की दस लकारों में विभिन्न रूपों सहित 9,26,040 प्रविष्टियाँ पूर्ण हो गई हैं।

प्रो. के.वी. रामकृष्णमाचार्युलु, कुलपति, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, परियोजना के सारांश विशेषज्ञ, डॉ. गौतम बोस, उप महानिदेशक, एन.आई.सी., डॉ. वी.वी.एस. मूर्ति, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, एन.आई.सी., प्रो. श्रीधर वशिष्ठ, पूर्ववर्ती कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, प्रो. सुभाष विद्यालंकार, पूर्ववर्ती कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, प्रो. देवेन्द्र मिश्र, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा डॉ. सोमेश्वर दत्त शास्त्री भी उपस्थित थे।

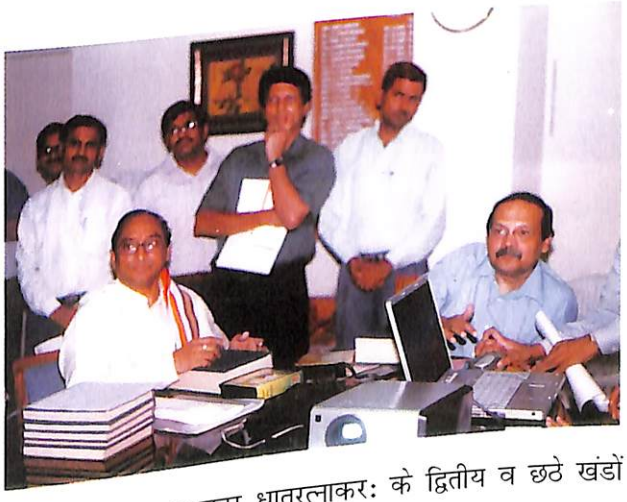

श्री सुदीप बैनर्जी, शिक्षा-सचिव, भारत सरकार धातुरत्नाकर: के द्वितीय व छठे खंडों का प्रवर्त्तन करते हुए।

.8 बैंकाक में अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन (23-26 जून, 2005)

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने सिल्पाकॉर्न विश्वविद्यालय, बैंकाक में 23 से 26 जून, 2005 तक आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन में सम्मिलित होने के लिए पाँच उत्कृष्ट विद्वानों के एक प्रतिनिधि मंडल को प्रतिनियुक्त किया। प्रतिनिधि मंडल में श्रीमती कुमुद बंसल, सचिव (प्राथमिक शिक्षा व भाषाएँ) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली, प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रोफेसर, डॉ. हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर और श्री एस. मोहन, डी.एस. (भाषाएं), मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, माध्यमिक एवं उच्चतर शिक्षा, शास्त्री भवन, नई दिल्ली सम्मिलित थे।

प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री ने सम्मेलन में "एशिया में वैदिक अध्ययन" नामक विशिष्ट सत्र की अध्यक्षता की।

7.9 श्रीमती बेला बैनर्जी, संयुक्त सचिव (भाषाएं) का लखनऊ व इलाहाबाद परिसरों का दौरा (8-4-2005, 11-4-2005)

श्रीमती बेला बैनर्जी, संयुक्त सचिव (भाषाएं), मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), लखनऊ परिसर, लखनऊ और गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद में क्रमशः 8-4-2005 तथा 11-4-2005 को पधारीं। परिसरों के प्राचार्य, शिक्षकों एवं छात्रों ने उनके सम्मान में स्वागत समारोह का आयोजन किया। वे शिक्षण गतिविधियों एवं पाण्डुलिपियों के बृहत् ग्रन्थों से अत्यधिक प्रभावित हुईं।

श्रीमती बेला बैनर्जी लखनऊ परिसर में छात्रों से पूछ-ताछ करते समय।

7.10 श्री निकोलस जेन का पाण्डिचेरी फ्रेंच संस्थान, 11, लूईस स्ट्रीट, पाण्डिचेरी से आगमन (11 अप्रैल, 2005)

श्री निकोलस जेन, पाण्डिचेरी फ्रेंच संस्थान, पाण्डिचेरी 11 अप्रैल, 2005 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में पधारे। उन्होंने संस्कृत ज्ञान की सुरक्षा एवं प्रसार के लिए संस्थान के क्रियाकलापों को आवश्यक एवं हितकर प्रयास बताते हुए अपने विचार व्यक्त किये।

7.11 हिन्दी पखवाड़ा (14-30 सितम्बर, 2005)

हिन्दी पखवाड़ा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय में 14 से 30 सितम्बर, 2005 के मध्य आयोजित किया गया। इस अवसर पर विविध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने सोत्साह सहभागिता की।

प्रो. पी.के. राजगोपालन, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, आई.आई.टी., खड़गपुर ने 9 नवम्बर, 2005 को विजेता कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए।

दाएँ से : प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, प्रो. पी.के. राजगोपालन और श्रीमती राजगोपालन प्रतियोगिताओं के एक विजेता के साथ।

7.12 अनौपचारिक शिक्षक-प्रशिक्षण (18 से 27 सितम्बर, 2005)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों की द्वितीया दीक्षा हेतु 10 दिवसीय शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 18-9-2005 से 27-9-2005 तक श्रीकृष्ण धाम, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में किया। दिल्ली, हरियाणा, हि.प्र., जम्मू व कश्मीर, पंजाब, उ.प्र. और कर्नाटक केन्द्रों से 47 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण शिक्षकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। आठ विषय-विशेषज्ञों ने विधिवत् प्रशिक्षण प्रदान किया। कक्षाएं प्रातः 9 बजे से रात्रि 10 बजे तक संचालित की गईं।

डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी, रीडर व राष्ट्रिय संयोजक तथा डॉ. वाई.एस. रमेश, रीडर इस कार्यक्रम के संयोजक थे डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, रीडर, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय तथा अनौ.सं.शि., हरियाणा राज्य के क्षेत्रीय संयोजक ने सभी सराहनीय प्रबन्ध किए।

7.13 फलित ज्योतिष पर स्वाध्याय योजना की कार्यशाला (4 से 8 अप्रैल, 2005)

फलित ज्योतिष पर स्वाध्याय योजना की कार्यशाला का आयोजन संस्थान के मुख्यालय में 4 से 8 अप्रैल, 2005 के मध्य किया गया।

प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय, धर्म विज्ञान के संकायाध्यक्ष, बी.एच.यू., वाराणसी, डॉ. वासुदेव शर्मा, प्रवाचक (ज्योतिष), श्री रणवीर परिसर, जम्मू, डॉ. सच्चिदानन्द मिश्रा, प्रवाचक (ज्योतिष), श्री सदाशिव परिसर, पुरी और डॉ. सर्वनारायण झा, प्रवाचक (ज्योतिष), लखनऊ परिसर, लखनऊ इस कार्यशाला में सम्मिलित हुए।

7.14 भारतीय विज्ञान का इतिहास एवं तत्त्व ज्ञान : अभिनव प्रवृत्तियाँ तथा भावी सम्भावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (27-28 फरवरी, 2006)

भारतीय विज्ञान का इतिहास एवं तत्त्व ज्ञान : अभिनव प्रवृत्तियाँ तथा भावी सम्भावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आई.आई.टी. मुम्बई में 27 और 28 फरवरी, 2006 को किया गया। इसका आयोजन संस्कृत में भारतीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ (सी.आई.एस.टी.एस.) के सहयोग से किया गया। इसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली एवं आई.आई.टी. मुम्बई ने भरपूर वित्तीय सहायता की। संगोष्ठी ने वैज्ञानिकों, इतिहासकारों तथा दार्शनिकों को भारतीय विज्ञान का इतिहास एवं तत्त्व ज्ञान पर पांडित्यपूर्ण चर्चा आरम्भ करने का अच्छा मंच प्रदान किया।

संगोष्ठी में टी.आई.एस.आर., बी.ए.आर.सी, के.जे. सौमैया केन्द्र, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मुम्बई परिसर जैसी समीपवर्ती संस्थाओं से तथा देश के विभिन्न भागों से अनेक उत्कृष्ट विद्वानों ने आकर सहभागिता की।

प्रो. शेवगाओंकर, संकायाध्यक्ष, संसाधन संग्रहण, आई.आई.टी., मुम्बई ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया।

प्रो. एम.डी. श्रीनिवास, सेंटर फार पॉलिसी स्टडीज़, चेन्नई, प्रो. एस. श्रीधरण, चेन्नई गणित संस्थान, प्रो. मयंक वाहिया, एस्ट्रोफिजिक्स ग्रुप ऑफ दि टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टी.आई.एफ.आर), मुम्बई, प्रो. बी.वी. सुब्बरयप्पा, भारतीय विज्ञान व प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विद्वान्, प्रो. मिको यानो, क्योतो विश्वविद्यालय, जापान, प्रो. एम.एस. श्रीराम, थ्योरेटिकल फिजिक्स विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, प्रो. एस. माधवन, तिरुवनन्तपुरम, पूर्ववर्ती अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. एस.एम. आर.अन्सारी, तिरुवनन्तपुरम से प्रो. मधुकर माल्लय्या, बेंगलूर से प्रो. एस. बालचन्द्र राव, फ्रांस से प्रो. फ्रांकोइस पाट्टे, पूर्ववर्ती बी.ए.आर.सी., मुम्बई के प्रो. वी. नटराज शर्मा, आई.आई.टी. मुम्बई के स्नातक श्री अनिल चावला तथा पूर्ववर्ती अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. एस.आर. शर्मा द्वारा संगोष्ठी की व्यापक विषय-वस्तु की विशिष्टता बताते हुए व्याख्यानों का सिलसिला जारी रहा।

7.15 वसन्तोत्सव (23-24 फरवरी, 2006)

वसन्तोत्सव के अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अन्तर परिसर नाटक प्रतियोगिता का आयोजन 23 व 24 फरवरी, 2006 को कमानी प्रेक्षागृह, नई दिल्ली में किया गया। समारोह का उद्घाटन श्री भारतेन्दु सिंह बासवान, भूतपूर्व शिक्षा-सचिव, भारत सरकार द्वारा किया गया। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने समारोह की अध्यक्षता की। श्री कुलानन्द भारतीय, भूतपूर्व शिक्षा-मन्त्री, दिल्ली राज्य सरकार और प्रो. के.वी. रामकृष्णमाचार्युलु, कुलपति, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर सम्माननीय अतिथि थे। उद्घाटन समारोह में डॉ. सी. गिरि, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली ने अतिथियों का स्वागत किया और प्रो. आर. देवनाथन, प्राचार्य, दिल्ली परिसर ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

श्री बी.एस. बासवान ने अपने उद्घाटन भाषण में भाषा और संस्कृति दोनों रूपों से संस्कृत के महत्त्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत एवं विदेश में उपलब्ध, लेकिन परित्यक्त हस्तलिपियों का परिरक्षण तथा संग्रह एवं समाज हित में प्रकाशन हमारे समक्ष भारी उत्तरदायित्व है।

इस अवसर पर प्रधान वक्ता के रूप में भाषण करते हुए श्री कुलानन्द भारतीय ने संस्कृत साहित्य की प्रासंगिकता पर बल दिया। उन्होंने अपने प्रेरक भाषण में कहा कि संस्कृत भारत की संस्कृति है और इसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने वसन्तोत्सव का आयोजन करने में संस्थान के प्रयासों की सराहना की।

प्रो. के.वी. रामकृष्णमायार्युलु, कुलपति, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय ने वसन्तोत्सव के महत्व का सुस्पष्ट वर्णन किया और कहा कि इस प्रकार के उत्सव से संस्कृत एवं समाज के मध्य उत्पन्न

अन्तराल पर सेतु का कार्य होगा।

प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री ने अपने अध्यक्षीय भाषण में राजधानी में इस प्रकार के उत्सवों के आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वसन्तोत्सव के आयोजन में किए जा रहे प्रयासों को संक्षेप में प्रस्तुत किया।

उद्घाटन समारोह के भाग के रूप में परिसरों के छात्रों के द्वारा पूर्व रंग (सभी नाटकों का पूर्व रंग) तथा श्री वेंकटेश मूर्ति द्वारा अश्वत्थामा के एकल अभिनय का मंचन किया गया।

24 फरवरी, 2006 को प्रातः डॉ. डी. प्रभाकर शर्मा, प्राचार्य, आन्ध्र गीर्वाण विद्यापीठ, हैदराबाद द्वारा अष्टावधानम् नामक एक विलक्षण एकाग्रता कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, निदेशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। आठ प्रतिष्ठित विद्वानों ने प्राश्निक का कार्य किया :

1. प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, निदेशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन
2. प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
3. प्रो. के.वी. रामकृष्णामाचार्युलु, कुलपति, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
4. प्रो. रमेश पाण्डेय, प्रोफेसर, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
5. डा. इच्छा राम द्विवेदी, रीडर, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
6. श्री वेद व्यास रंग भट्ट, तिरुपति
7. श्री श्रीकृष्ण सेमवाल, सचिव, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली
8. डा. उमेश चतुर्वेदी, रीडर, जयपुर परिसर, जयपुर

विद्वानों एवं श्रोतागण ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनन्द लिया।

वसन्तोत्सव की पूर्वसंध्या पर संस्थान द्वारा नाटक प्रतियोगिताओं (अन्तः परिसरीय) का आयोजन किया जाता रहा है। 23 व 24 फरवरी, 2006 को दस संस्कृत नाटकों का मंचन किया गया।

विश्वविद्यालय के विविध परिसरों के छात्रों द्वारा दस नाटकों का अभिनय इस प्रकार से किया गया :

1.	दूतघटोत्कचम्	गरली परिसर, गरली
2.	अबलासामर्थ्यम्	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
3.	मध्यमव्यायोगः	लखनऊ परिसर, लखनऊ
4.	मृच्छकटिकम्	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
5.	स्नुषाविजयम्	जयपुर परिसर, जयपुर
6.	देहि पादपल्लवमुद्राम्	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
7.	भूकैलाशम्	के.जे. सौमैया विद्यापीठ, मुम्बई
8.	सुभद्राहरणम्	श्री रणवीर परिसर, जम्मू
9.	मत्तविलासप्रहसनम्	भोपाल परिसर, भोपाल
10.	नागानन्दम्	गुरुवायूर परिसर, भोपाल

गुरुवायूर परिसर द्वारा अभिनीत नागानन्दम् ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लखनऊ परिसर द्वारा प्रदर्शित मध्यमव्यायोगः को द्वितीय स्थान मिला और भोपाल परिसर द्वारा अभिनीत मत्तविलासप्रहसनम् तृतीय स्थान पर रहा।

लखनऊ परिसर के प्रकाश चन्द्र पन्त द्वारा मध्यमव्यायोग: नाटक के सर्वश्रेष्ठ चरित्र अभिनेता घटोत्कच का अभिनय किया गया।

जयपुर परिसर की रिचा सिंह के द्वारा स्नुषाविजयम् नाटक की सर्वश्रेष्ठ चरित्र अभिनेत्री दुराशा का अभिनय किया गया।

निम्नलिखित को विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया :

मध्यमव्यायोग: नाटक (लखनऊ परिसर) से कञ्चन शर्मा द्वारा अभिनीत महिला चरित्र हिडिम्बा।

मत्तविलासप्रहसनम् नाटक (भोपाल परिसर) से पुनीत सांग्या द्वारा अभिनीत पुरुष चरित्र उन्मत्तक।

प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वान् द्विदिवसीय नाटक प्रतियोगिता में विशेषज्ञ थे।

निर्णायकों के नाम निम्नलिखितानुसार हैं :

1. प्रो. के.डी. त्रिपाठी, निदेशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन
2. प्रो. के.वी. रामकृष्णमाचार्युलु, कुलपति, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर
3. डॉ. डी. प्रभाकर शर्मा, प्राचार्य, आन्ध्र गीर्वाण विद्यापीठ, हैदराबाद
4. श्री वेद व्यास रंगा भट्ट, नाटककार, तिरुपति
5. डॉ. बलदेवानन्द सागर, संस्कृत विद्वान् व निदेशक, संस्कृत समाचार चैनल, आकाशवाणी, दिल्ली
6. प्रो. भास्कराचार्य त्रिपाठी, भूतपूर्व निदेशक, मध्यप्रदेश संस्कृत अकादमी, भोपाल
7. श्री राजेन्द्र अवस्थी, नाटक विशेषज्ञ, कालिदास अकादमी, उज्जैन

प्रो. सत्यव्रत शास्त्री, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो. आर. महादेवन, प्रो. शशि प्रभा कुमार, अध्यक्षा, संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जे.एन.यू., नई दिल्ली और श्री विद्यासागर वर्मा, कज़ाखस्तान में भारत के भूतपूर्व राजदूत जैसे दिल्ली एवं देश के अन्य भागों के प्रतिष्ठित विद्वानों ने भी उपस्थित होकर समारोह की शोभा बढ़ाई।

श्री मो. अशरफ अली फातमी विदाई समारोह में मुख्य अतिथि थे। श्री फातमी ने अपने अभिभाषण में कहा कि संस्थान संस्कृत के क्षेत्र में लम्बे समय से निष्ठापूर्वक कार्य कर रहा है। इसे देश में संस्कृत की केन्द्रीय एजेंसी के रूप में अधिक उत्तरदायित्व स्वीकार करने हेतु उद्यत रहना होगा। इससे आगे उन्होंने कहा कि संस्कृत एक ऐसी भाषा है जो इन्डोनेशिया, थाईलैण्ड आदि देशों में अभी भी लोकप्रिय है। उन्होंने सभा को आश्वस्त किया कि वे संस्कृत हेतु सदा उपलब्ध रहेंगे।

प्रो. के. डी. त्रिपाठी ने संस्थान के प्रयासों की सराहना की और ऐसे कार्यक्रमों को बारंबार आयोजित करने का सुझाव दिया। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कार्यक्रम से सम्बद्ध सभी को बधाई दी। प्रो. आर. देवनाथन, प्राचार्य ने अतिथियों का स्वागत किया और डॉ. सी. गिरि, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

वसन्तोत्सव 2006 की झलकियाँ

श्री बी.एस. बासवान, भूतपूर्व शिक्षा-सचिव, भारत सरकार, उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

बाएँ से : प्रो. के.वी.आर. आचार्यलु, श्री कुलानन्द भारतीय, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति तथा श्री बी.एस. बासवान

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की छात्रा ओडिसी नृत्य की मुद्रा में

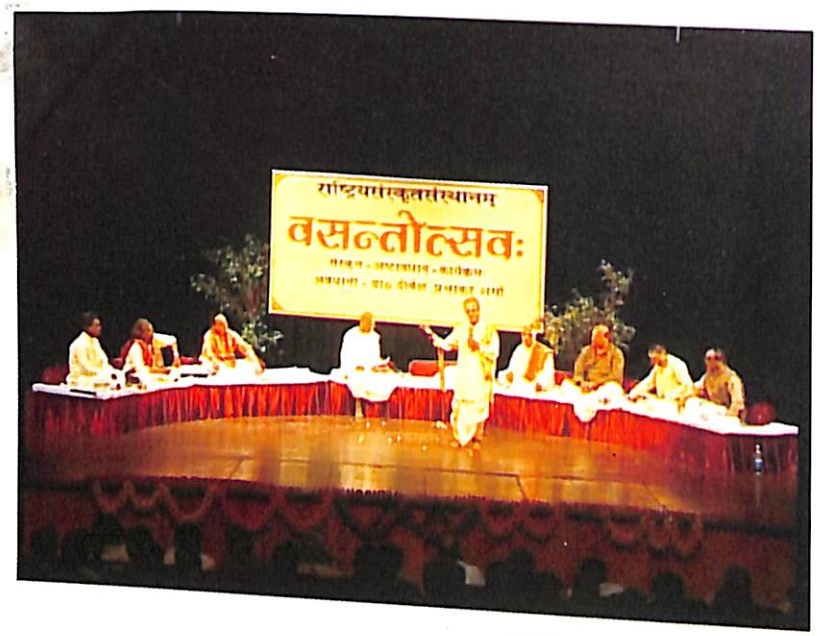

➤ डॉ. डी. प्रभाकर शर्मा द्वारा अष्टावधानम्

मध्य में : माननीय मा.सं.वि. राज्य-मन्त्री ➤
श्री मो. अली अशरफ फातमी
बायें से : प्रो. के.वी.आर. आचार्यलु,
प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति,
प्रो. के.डी. त्रिपाठी, डॉ. सी. गिरि,
कुलसचिव विदाई समारोह में

➤ माननीय मा.सं.वि. राज्य-मन्त्री श्री मो. अली अशरफ फातमी, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, डॉ. सी. गिरि, कुलसचिव, डॉ. एन.आर. कन्नन, प्राचार्य, गुरुवायूर परिसर तथा नाटक प्रतियोगिता के विजेतागण सहित

परिसरों के छात्रों द्वारा पूर्व रङ्ग ➤

➤ श्री वेंकटेश मूर्ति अश्वत्थामा के रूप में

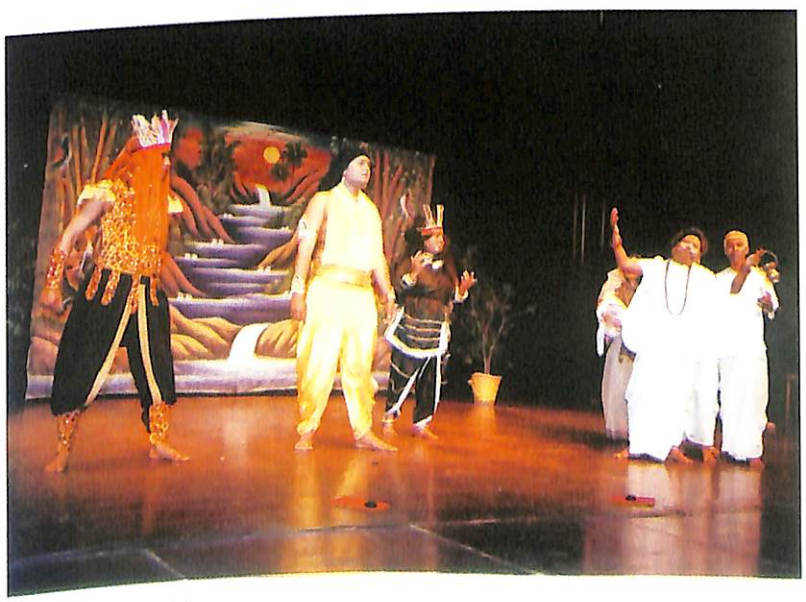

मध्यमव्यायोग:-लखनऊ परिसर, लखनऊ ➤

➤ मत्तविलासप्रहसनम् - भोपाल परिसर, भोपाल

मृच्छकटिकम्-श्री राजीव गान्धी परिसर, श्रृंगेरी ➤

➤ अबलासामर्थ्यम् -
श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद

नागानन्दम् - गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर ➤

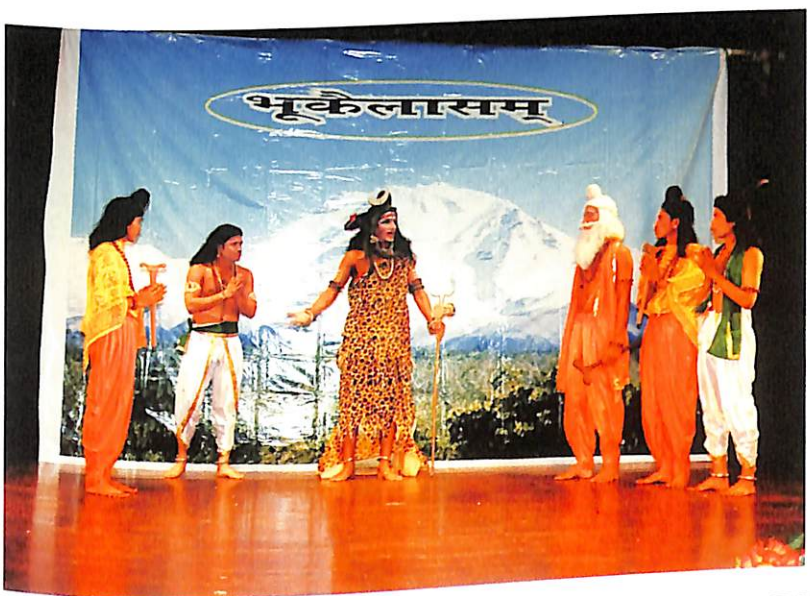

➤ भूकैलाशम् -
के.जे. सौमैया विद्यापीठ, मुम्बई

दूतघटोत्कचम् - गरली परिसर, गरली ➤

देहि पादपल्लवमुद्राम् -
श्री सदाशिव परिसर, पुरी

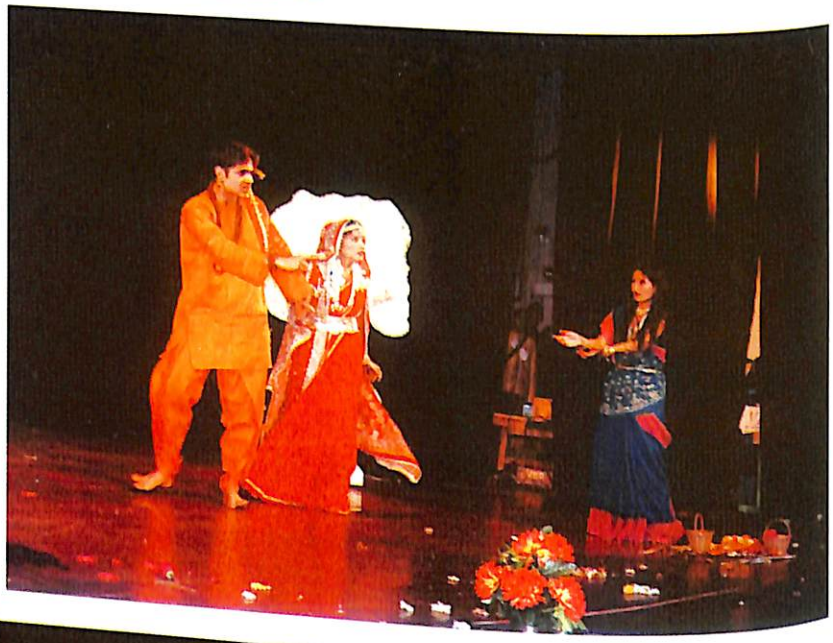

सुभद्राहरणम् -
श्री रणवीर परिसर, जम्मू

स्नुषाविजयम् - जयपुर परिसर, जयपुर

प्रबन्धन परिषद् के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
3.	वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
4.	प्रो. डी. प्रह्लादाचार 120/2, 15वाँ क्रॉस, गंगम्मा, लेआउट बीएसके प्रथम स्टेज, बेंगलूर–560050	सदस्य
5.	प्रो. सरोजा भाटे भण्डारकर ओरिएण्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पूना–411004	सदस्य
6.	प्रो. सीतानाथ गोस्वामी 63/1 ए, सेलिमपुर लेन, कोलकाता–700031	सदस्य
7.	प्रो. एस.सी. पाण्डेय नेशनल फेलो, आई.आई.ए.एस., शिमला (हि.प्र.)	सदस्य
8.	प्रो. ए.सी. सारंगी कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी (उड़ीसा)	सदस्य
9.	डॉ. गोपाराजु रामा प्राचार्य, गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)	सदस्य
10.	डॉ. मिनती रथ वरिष्ठ व्याख्याता, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी, (उड़ीसा)	सदस्य
11.	डॉ. सी. गिरि कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	सचिव

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
3.	वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
4.	प्रो. सत्यव्रत शास्त्री नई दिल्ली	सदस्य
5.	डॉ. (श्रीमती) निलोफर ए. काज़मी संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (नॉमिनी ऑफ यू.जी.सी.) वेस्टर्न रिजिनल ऑफिस गणेश खिंड, पूना यूनिवर्सिटी कैम्पस, पुणे–7	सदस्य
6.	प्रो. एस.सी. पाण्डेय नेशनल फेलो, आई.आई.ए.एस., शिमला (हि.प्र.)	सदस्य
7.	डॉ. सी. गिरि कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
1.	प्रो. गोपाराजु रामा	प्राचार्य	साहित्य, व्याकरण
2.	डॉ. (श्रीमती) एस. के. मिश्र	रीडर	साहित्य
3.	डॉ. वी. एन. गिरि	रीडर	साहित्य
4.	डॉ. बनमाली बिस्वाल	रीडर	व्याकरण
5.	डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय	रीडर	साहित्य
6.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	लेक्चरर	व्याकरण
7.	डॉ. पवन कुमार	लेक्चरर	साहित्य
8.	श्रीमती वीणा मिश्रा	संग्रहाध्यक्ष	शोध
9.	श्री राम रूप	लायब्रेरियन	शोध
10.	डॉ. (श्रीमती) शैलजा पाण्डेय	शोध सहायक	शोध
11.	श्री राम चन्द्र	शोध सहायक	शोध
12.	डॉ. राम किशोर झा	प्रतिलिपिक	शोध

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी

1.	डॉ. वी.पी. हिमांशु	प्राचार्य (30-12-2005 ए.एन. को सेवा-निवृत्त)	साहित्य
2.	डॉ. जी. गंगन्ना	प्राचार्य	अद्वैत वेदान्त
3.	प्रो. के. सुब्बरयादु	प्रोफेसर	अद्वैत वेदान्त
4.	प्रो. सीएच. एल. एन. शर्मा	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
5.	डॉ. आर. टी. मिश्रा	रीडर	पुराणेतिहास
6.	डॉ. एफ. एम. पण्डा	रीडर	पुराणेतिहास
7.	डॉ. के. मिश्रा	रीडर	धर्मशास्त्र
8.	डॉ. सीएच. एन. वी. प्रसाद राव	रीडर	अद्वैत वेदान्त
9.	श्री एस.वी.आर. मूर्ति	रीडर	अंग्रेजी
10.	डॉ. एस. एन. मिश्रा	रीडर	ज्योतिष
11.	डॉ. ए. के. नन्दा	रीडर	धर्मशास्त्र

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
12.	डॉ. एच. के. महापात्र	रीडर	व्याकरण
13.	डॉ. के.वी. सोमयाजुलु	रीडर	व्याकरण
14.	डॉ. जे भानुमूर्ति	रीडर (23-8-05 को स्थानान्तरित)	शिक्षा-शास्त्र
15.	डॉ. सी.यू. राव	रीडर (17-1-06 को कार्यमुक्त)	साहित्य
16.	डॉ. एस.एम. रथ	रीडर	साहित्य
17.	डॉ. एम.एम. झा	रीडर	शिक्षा शास्त्र
18.	डॉ. एस.के. सेनापति	रीडर	सर्वदर्शन
19.	श्री बी.पी. मोहान्ती	व्याख्याता (पी.ई.) सिलेक्शन ग्रेड	शारीरिक शिक्षा
20.	डॉ. (श्रीमती) एम.रथ	वरिष्ठ व्याख्याता	पुराणेतिहास
21.	डॉ. एल.के. साहू	वरिष्ठ व्याख्याता	धर्मशास्त्र
22.	डॉ. यू.एन. झा	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
23.	डॉ. आर.के. बर्मन	वरिष्ठ व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
24.	डॉ. (श्रीमती) सत्यम कुमारी	वरिष्ठ व्याख्याता	न्याय
25.	श्रीमती गौरा प्रिय दाश	व्याख्याता	सांख्य योग
26.	डॉ. (श्रीमती) अनुपम परुस्ति	व्याख्याता	व्याकरण
27.	डॉ. पी.के. महापात्र	व्याख्याता	ज्योतिष
28.	डॉ. एस. एन. आचार्य	व्याख्याता	साहित्य
29.	डॉ. (श्रीमती) शुभस्मिता मिश्रा	व्याख्याता	ज्योतिष
30.	डॉ. (श्रीमती) एन. पाणिग्रही	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
31.	डॉ. के.एस.एस. मूर्ति	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
32.	डॉ. के. ई. मधुसूदनन	व्याख्याता	न्याय
33.	डॉ. वी.पी. कच्छवाह	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
34.	डॉ. ब्रुन्दाबन पात्र	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
35.	डॉ. एस.जी. पाण्डेय	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
36.	डॉ. दुर्गा च. सारंगी	व्याख्याता	व्याकरण
37.	डॉ. महेश झा	व्याख्याता	न्याय
38.	डॉ. श्रीमती के. महापात्रा	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ)	हिन्दी
39.	डॉ. एन.सी. साहू	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ)	उड़िया
40.	श्री पी.सी. महापात्र	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ)	इतिहास
41.	श्री बी.के. पाधी	वरिष्ठ पी.जी.टी. (30.12.2005 सेवानिवृत्त)	इतिहास

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
42.	कुमारी स्नेहा नन्दा	वरिष्ठ पी.जी.टी.	साहित्य
43.	डॉ. श्रीमती एस. सतपथी	वरिष्ठ पी.जी.टी.	सर्वदर्शन
44.	डॉ. एस. आचार्य	वरिष्ठ पी.जी.टी.	हिन्दी
45.	डॉ. पी.सी. साहू	वरिष्ठ टी.जी.टी.	हिन्दी, डी.सी.एस. गणित
46.	श्रीमती बी.एल. मोहन्ती	वरिष्ठ टी.जी.टी.	साहित्य
47.	डॉ. (श्रीमती) आर. एम. प्रतिहारी	वरिष्ठ टी.जी.टी.	साहित्य
48.	श्री डी.पी. दास महापात्र	वरिष्ठ टी.जी.टी.	इतिहास
49.	डॉ. एन.के. पाण्डेय	टी.जी.टी.	व्याकरण
50.	श्री सुशान्त कुमार सतपथी	वरिष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षक	कम्प्यूटर शिक्षा
51.	श्री बिस्वनाथ मिश्र	कनिष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षक	कम्प्यूटर शिक्षा
3.	**श्री रणवीर परिसर, जम्मू**		
1.	प्रो. वी.एम. शास्त्री	प्राचार्य	साहित्य
2.	डॉ. आर.सी. शास्त्री	प्रवाचक	साहित्य
3.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	व्याख्याता	साहित्य
4.	डॉ. एस.के. सिंहदेव	व्याख्याता	साहित्य
5.	डॉ. एस.के. शर्मा	पी.जी.टी.	व्याकरण
6.	डॉ. वाई.पी. खजूरिया	प्रोफेसर	व्याकरण
7.	डॉ. के.पी. शर्मा	प्रवाचक	व्याकरण
8.	डॉ. हरि नारायण तिवारी	प्रवाचक	व्याकरण
9.	डॉ. रामजी पाण्डेय	पी.जी.टी.	व्याकरण
10.	डॉ. एस.एन. शर्मा	टी.जी.टी.	ज्योतिष
11.	डॉ. आई.एम. दास	प्रोफेसर	ज्योतिष
12.	डॉ. बी.बी. मिश्रा	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
13.	डॉ. शत्रुघ्न त्रिपाठी	व्याख्याता	ज्योतिष
14.	श्री राम दास	टी.जी.टी.	दर्शन
15.	डॉ. बी.एन. झा	प्रवाचक	दर्शन
16.	श्री रघुनाथन	प्रवाचक	शिक्षा-शास्त्र
17.	डॉ. जे.भानु मूर्ति	प्रवाचक	शिक्षा-शास्त्र
18.	डॉ. बच्चा भारती	प्रवाचक	शिक्षा-शास्त्र
19.	डॉ. नागेन्द्र झा	व्याख्याता	

क्रमश:....

मांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
20.	डॉ. जे.आर. शर्मा	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
21.	श्री दरयाव सिंह	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
22.	श्री एस.सी. शर्मा	प्रवाचक	अंग्रेजी
23.	डॉ. रमेश सिंह	प्रवाचक	शारीरिक शिक्षा
24.	डॉ. विनोद कुमार गुप्ता	कनिष्ठ व्याख्याता	हिन्दी
25.	श्रीमती रेनू मल्होत्रा	कनिष्ठ व्याख्याता	राजनीति विज्ञान
26.	श्रीमती निर्मल कुमारी	टी.जी.टी.	डोगरी/हिन्दी
27.	श्रीमती विजय शर्मा	टी.जी.टी.	डोगरी/हिन्दी
28.	डॉ. आर.सी. होता	शोध सहायक	शोध
29.	डॉ. एम.के. मरवाह	शोध सहायक	शोध
30.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	शोध सहायक	शोध
31.	डॉ. सुनीता गुप्ता	शोध सहायक	शोध
4.	**गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर**		
1.	डॉ. एन.आर. कन्नन	प्राचार्य	न्याय,मीमांसा, वेदान्त
2.	प्रो. के.टी. माधवन	प्रोफेसर	साहित्य
3.	डॉ. एम.ए. बाबू	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
4.	डॉ. पी.जी. श्रीनिवासन	प्रवाचक	व्याकरण
5.	डॉ. वी.के. शैलजा	प्रवाचक	व्याकरण
6.	डॉ. सी.एल. सिसिली	प्रवाचक	व्याकरण
7.	डॉ. आर. प्रतिभा	प्रवाचक	अद्वैत वेदान्त
8.	एस. सुब्रमणिय शर्मा	वरिष्ठ व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
9.	डॉ. इन्दिरा पी.	व्याख्याता	साहित्य
10.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
11.	डॉ. एन. आर. श्रीधरन	व्याख्याता	न्याय
12.	डॉ. सम्भूनाथ महालिक	व्याख्याता	वेदान्त
13.	डॉ. आर. बालामुरूगन	व्याख्याता	न्याय
14.	विश्वानाथन के.	व्याख्याता	साहित्य
15.	पदम मित्र श्रीनिवास	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
16.	डॉ. चन्द्रकान्त	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
17.	डॉ. अशोक कुमार कछवा	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
18.	त्रिविक्रमन नम्बूदिरी ए.एम.सी.	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
19.	डॉ. कृष्णन नम्बूदिरी के.	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
20.	डॉ. के. सरलादेवी	कनिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
21.	डॉ. प्रसन्ना उन्निथान	कनिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
22.	डॉ. के. यू. जया	कनिष्ठ व्याख्याता	सामान्य इतिहास
23.	वी. के. सुबैदा	कनिष्ठ व्याख्याता	सामान्य हिन्दी
24.	डॉ. सी. सांथा	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
25.	डॉ. पी.वी. श्रीदेवी	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
26.	के. ए. जेस्सी	कनिष्ठ व्याख्याता	सामान्य मलयालम
27.	श्रीमती जयश्री पी.	वरिष्ठ प्रशिक्षक	कम्प्यूटर
28.	श्रीमोहन के. आर.	कनिष्ठ प्रशिक्षक	कम्प्यूटर
29.	डॉ. ललिता चन्द्रन	शोध सहायक	शोध
30.	डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन	शोध सहायक	शोध
5.	**जयपुर परिसर, जयपुर**		
1.	डॉ. हिन्द केसरी	प्राचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. जगत नारायण पाण्डेय	प्रोफेसर (सेवानिवृत्ति 31.12.05)	साहित्य
3.	डॉ. वासुदेव शर्मा	प्रोफेसर	ज्योतिष
4.	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	प्रोफेसर	व्याकरण
5.	डॉ. कमल नयन शर्मा	प्रवाचक	धर्मशास्त्र
6.	डॉ. (श्रीमती) भगवती सुदेश	प्रवाचक	धर्मशास्त्र
7.	डॉ. शिवकान्त झा	प्रवाचक	व्याकरण
8.	डॉ. टी.के. शर्मा	प्रवाचक	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. श्रीयंश कुमार सिंघई	प्रवाचक	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. सुदेश कुमार शर्मा	प्रवाचक	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. (श्रीमती) संतोष मित्तल	प्रवाचक	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. फतेह सिंह	प्रवाचक	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. सोहन लाल पाण्डेय	प्रवाचक	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. के. पी. केशवन	प्रवाचक	साहित्य

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
15.	डॉ. ओ. पी. बढ़ाना	प्रवाचक	शारीरिक शिक्षा
16.	डॉ. रमाकान्त पाण्डेय	प्रवाचक	साहित्य
17.	डॉ. विजय पाल शास्त्री	प्रवाचक	साहित्य
18.	डॉ. श्रीधर मिश्रा	वरिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
19.	डॉ. ईश्वर भट्ट	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
20.	डॉ. रामजीवन मिश्रा	व्याख्याता	ज्योतिष
21.	डॉ. बती लाल मीना	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
22.	डॉ. कमल कुमार जैन	व्याख्याता	जैन दर्शन
23.	डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी	व्याख्याता	साहित्य
24.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	व्याख्याता	व्याकरण
6.	**लखनऊ परिसर, लखनऊ**		
1.	प्रो. सुरेन्द्र झा	प्राचार्य	शिक्षा-शास्त्र
2.	प्रो. एस.एन. झा	प्रोफेसर	ज्योतिष
3.	डॉ. एस.के. चतुर्वेदी	प्रवाचक	व्याकरण
4.	डॉ. एम. चन्द्रशेखर	प्रवाचक	शिक्षा-शास्त्र
5.	डॉ. बटोही झा	प्रवाचक	साहित्य
6.	डॉ. लोकमान्य मिश्र	प्रवाचक	शिक्षा-शास्त्र
7.	डॉ. एल.एन. पाण्डेय	प्रवाचक	शिक्षा-शास्त्र
8.	डॉ. वी.के. जैन	प्रवाचक	बौध दर्शन
9.	डॉ. एस.के. पाण्डेय	प्रवाचक	हिन्दी
10.	डॉ. एस.के. पाठक	प्रवाचक	व्याकरण
11.	डॉ. राम लखन पाण्डेय	प्रवाचक	साहित्य
12.	डॉ. जी.पी. शर्मा	प्रवाचक (शारीरिक शिक्षा)	शारीरिक शिक्षा
13.	डॉ. (श्रीमती) ए. अग्रवाल	प्रवाचक	शिक्षा-शास्त्र
14.	डॉ. डी.के. झा	व्याख्याता	व्याकरण
15.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम	व्याख्याता	ज्योतिष
16.	डॉ. जय प्रकाश नारायण	व्याख्याता	साहित्य
17.	डॉ. भारतभूषण त्रिपाठी	व्याख्याता	व्याकरण
18.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
19.	डॉ. शामदेव मिश्र	व्याख्याता	ज्योतिष
20.	कुमारी गजला अंसारी	व्याख्याता	साहित्य
21.	श्री जगन नाथ झा	कनिष्ठ व्याख्याता	राजनीति विज्ञान
22.	कुमारी कविता बिसारिया	कनिष्ठ व्याख्याता	अंग्रेजी
23.	डॉ. एस.पी. सिंह	कनिष्ठ व्याख्याता	अर्थशास्त्र
24.	डॉ. आर.बी. दुबे	आर.ए.	शोध
7.	**श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी**		
1.	डॉ. कमल चन्द्र योगी	प्राचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. इ.एम. राजन	प्रवाचक	साहित्य
4.	डॉ. महाबलेश्वर पी.भट्ट	प्रवाचक	अद्वैत वेदान्त
5.	डॉ. सुब्राय वी. भट्ट	वरिष्ठ व्याख्याता	मीमांसा
6.	डॉ. रमाकान्त मिश्र	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
7.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	व्याख्याता	साहित्य
8.	डॉ. रामाचन्द्रुल बालाजी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. सी.एस.एस.एन. मूर्ति	व्याख्याता	व्याकरण
10.	डॉ. नवीना होल्ला	व्याख्याता	न्याय
11.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	व्याख्याता	व्याकरण
12.	श्रीकृष्णनाथन पद्मनाभम	व्याख्याता	व्याकरण
13.	श्री गणेश ईश्वर भट्ट	व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
14.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	व्याख्याता	साहित्य
15.	श्री हरि प्रसाद के.	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. भगवान सामथराय	व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
17.	डॉ. सोमनाथ साहू	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
18.	डॉ. सुशान्ता कुमार राज	व्याख्याता	साहित्य
8.	**गरली परिसर, गरली**		
1.	प्रो. आर.एन. दास	प्राचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. सुबोध शर्मा	प्रवाचक	व्याकरण
3.	डॉ. ए.सी. गौड़	वरिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
4.	डॉ. एम.एम. पाठक	प्रवाचक	ज्योतिष
5.	डॉ. सी.एम. रैना	व्याख्याता	ज्योतिष

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
6.	डॉ. वी.के. निर्मल	व्याख्याता	ज्योतिष
7.	डॉ. आर.के. शर्मा	प्रवाचक	साहित्य
8.	डॉ. के.के. दलाई	व्याख्याता	साहित्य
9.	डॉ. एस.के. त्रिपाठी	व्याख्याता	साहित्य
10.	डॉ. रत्न मोहन झा	व्याख्याता	साहित्य
9.	**भोपाल परिसर, भोपाल**		
1.	प्रो. आज़ाद मिश्रा	ओ.एस.डी.	व्याकरण
2.	डॉ. बोध कुमार झा	प्रवाचक	व्याकरण
3.	डॉ. ब्रजभूषण ओझा	व्याख्याता	व्याकरण
4.	डॉ. कैलाश चन्द्र दाश	व्याख्याता	व्याकरण
5.	डॉ. सुज्ञान कुमार मोहन्ती	व्याख्याता	साहित्य
6.	डॉ. नारायणन ई. आर.	व्याख्याता	साहित्य
7.	डॉ. रामचन्द्र जोइसा	व्याख्याता	साहित्य
8.	डॉ. हंसधर झा	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
9.	डॉ. विनय कुमार पाण्डेय	व्याख्याता	ज्योतिष
10.	श्री अमित शुक्ला	व्याख्याता	ज्योतिष
11.	प्रो. पी.एन. शास्त्री	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. वी.एन. चौधरी	प्रवाचक	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. पी.डी. चौधरी	प्रवाचक	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. के.के. शिने	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. पवन कुमार	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
17.	श्री देवदत्त सरोद	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. अर्चना दूबे	व्याख्याता	हिन्दी
10.	**के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् (परिसर), मुम्बई**		
1.	डॉ. प्रकाश चन्द्र	प्रवाचक/ओ.एस.डी.	व्याकरण
2.	डॉ. (श्रीमती) राधा	प्रवाचक	साहित्य
3.	डॉ. (श्रीमती) चन्द्रकला भट	व्याख्याता	साहित्य

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

क्रमांक	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	कु. मीनु सिंह	इलाहाबाद परिसर	माधवदृष्ट्या श्रीमद् भगवद्गीताया: परिशीलनम्	वेदान्त
2.	सुश्री संध्या रानी सिंह	इलाहाबाद परिसर	अथर्ववेदीय ब्राह्मणस्य निर्वचनम् समीक्षात्मकमध्ययनम्	वेद
3.	श्री हरिद्वार शुक्ला	लखनऊ परिसर	भागवते समास-विमर्श:	साहित्य
4.	पं. उमाकान्त शर्मा	लखनऊ परिसर	पुराणेषु पुरुषोत्तममाहात्म्यस्य पर्यालोचनम्	पुराणेतिहास
5.	कुमारी परमिता पण्डा	पुरी परिसर	उत्कलीय दुर्गोत्सवपरम्पराया: पौराणिक भित्ति	पुराणेतिहास
6.	श्री माधवेश्वर चौधरी	जे.एन.बी., दरभंगा	चित्रमीमांसाखण्डनस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
7.	श्री शंकर कुमार मिश्र	जे.एन.बी., दरभंगा	वैयाकरण सिद्धान्तलघुमञ्जूषाया: कुञ्जिकाकला व्याख्यायास्तु-लनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
8.	श्रीमती रेखा शुक्ला	इलाहाबाद परिसर	अथर्ववेदे वर्णितानां जीविकासाधनानां विमर्श:	वेद
9.	श्री फ्रांसिस ए.पी.	गुरुवायूर परिसर	खण्ड नैषधयो: श्रीहर्षविमृष्टानां वेदान्तसाहित्यसिद्धान्तानां समीक्षा	साहित्य
10.	कु. सीमा गौतम	जयपुर परिसर	मुकुन्दशब्दकोशस्य यज्ञानुष्ठानवर्गस्य सम्पादनं समीक्षा च	धर्म-शास्त्र
11.	कु. मनोरमा जैन	लखनऊ परिसर	आचार्य जिनसेनस्य आदिपुराण-वर्णितानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	जैन-दर्शन
12.	श्री माधवेश्वर चौधरी	जयपुर परिसर	श्री सिद्ध हेमचन्द्रव्याकरणस्य तद्धितप्रत्ययानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
13.	श्री प्रमोद कुमार शर्मा	जम्मू परिसर	वाक्यपदीय पदखण्डे महाभाष्यस्य प्रभाव:	व्याकरण
14.	कुमारी सुजाता पाणिग्रही	पुरी परिसर	स्त्रीदायाधिकारविषये प्राचीन-व्यवस्थानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	धर्म-शास्त्र
15.	कु. अमिता तिवारी	इलाहाबाद परिसर	नवविलासनाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
16.	श्री बालकृष्ण त्रिपाठी	लखनऊ परिसर	रूपगोस्वामिन: काव्यसिद्धान्तानां पर्यालोचनम्	साहित्य

क्रमश:....

क्रमांक	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
17.	कु. सुनीता मोहन्ती	पुरी परिसर	श्रद्धाकल्प श्रद्धामयूखोस्तुलनात्मक-मध्ययनम्	धर्म-शास्त्र
18.	श्री इन्द्र देव मिश्र	जे.एन.बी., दरभंगा	पारस्करगृह्यसूत्रस्य हरिहरगदाधरयोः समीक्षात्मकमध्ययनम्	वेद
19.	श्री ललित कुमार झा	जे.एन.बी., दरभंगा	सुपद्मव्याकरणस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
20.	श्रीमती कमला ओझा	इलाहाबाद परिसर	श्री विष्णुपुराणस्य साहित्यिकं समीक्षिकञ्चाध्ययनम्	साहित्य
21.	श्री कैलाश चन्द्र सैनी	जयपुर परिसर	श्री हरिभास्कराग्निहोत्रीप्रणीतस्य परिभाषाभास्करस्य समीक्षासहितं सम्पादनम्	व्याकरण
22.	श्रीनिवास बारा खेरी	पूर्णप्रज्ञा, बंगलौर	आधुनिकतन्त्रज्ञानयुगे नव्यन्याय-तन्त्रिकाभाषायाः उपभोगः एकमध्ययनम्	न्याय
23.	श्री राजेश कुमार दाधीच	जयपुर परिसर	शतपथब्राह्मणमनुसृत्य मनःप्राणवाक्-तत्त्वानां विवेचनम्	धर्म-शास्त्र
24.	कु. समिधा रानी	जयपुर परिसर	विद्यालयी छात्राणां संस्कृतसम्बन्धि वाचिकलेखनत्रुटिनां निवारणाय समाधानात्मकशिक्षणप्रभावस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षा-शास्त्र
25.	श्री मुरारी लाल शर्मा	जयपुर परिसर	उदयशंकरविरचितस्य परिभाषा-प्रदीपवर्चिषः सम्पादनं समीक्षणञ्च	व्याकरण
26.	श्री घनश्याम पाण्डेय	इलाहाबाद परिसर	वसुमतिचित्रसेनीयम् नाटकस्य समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
27.	श्री पवन कुमार खजूरिया	जम्मू परिसर	सभ्याभरणम् काव्यस्य व्याकरणात्मकं समीक्षणम्	व्याकरण
28.	श्री विनोद कुमार शर्मा	जम्मू परिसर	श्रीमन्नारदपुराणे त्रिस्कन्द-ज्योतिषशास्त्रस्य समीक्षणम्	ज्योतिष
29.	कु. नीतू श्रीवास्तव	लखनऊ परिसर	कालिदासभवभूतिकृतिषु वात्सल्यविमर्शः	साहित्य
30.	श्री अनिल कुमार सिंह तोमर	लखनऊ परिसर	वादन्यायस्य समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
31.	कु. पुष्पा रानी शर्मा	लखनऊ परिसर	ललितविस्तारस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	जैनदर्शन
32.	कु. रश्मि	लखनऊ परिसर	अलंकारराघवे अलंकाराणां समीक्षणम्	साहित्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
सम्बद्ध संस्थाएं

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय ग्राम-पो. लगमा, (रामभद्र पुर) वा. लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटैली, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन, प्राचीन व्याकरण)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा पटोरी, पो. पटोरी बसंत, जिला–दरभंगा (बिहार) 846003	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष-सिद्धान्त व फलित, व्याकरण)। विद्यावारिधि
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोल बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वा. बहेरा, जिला–दरभंगा (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
7.	डॉ. मंडन मिश्र माध्यमिक संस्कृत विद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लदौरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
9.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत महाविद्यालय पो. कथरा–847423 जिला–दरभंगा (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष और धर्मशास्त्र)। विद्यावारिधि
	दिल्ली	
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–15	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्य न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष-फलित और सिद्धांत)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612 दरीबा कलाँ, दिल्ली–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	समन्त भद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, जैन-दर्शन)
19.	श्री महावीर विश्वविद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन), विद्यावारिधि
20.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली–110027	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
21.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
22.	रामऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली–110081	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
23.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली–110039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
24.	बाल विद्या मन्दिर रोहिणी, पूठ कलाँ दिल्ली–110041	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमश:....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
गुजरात		
25.	श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय, समर्थेश्वर महादेव एलिस ब्रिज, अहमदाबाद–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
26.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
27.	एम.जे.पी. संस्कृत विद्यालय नरुनपुर, मीलाम्बिका रोड, अहमदाबाद–13	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
28.	दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय सरखेज गांधी नगर, हाईवे, छरोडी–382421	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
हरियाणा		
29.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
30.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील–पलवल जिला–फरीदाबाद (हरियाणा)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
31.	श्री रामकृष्ण संस्कृत महाविद्यालय जी.टी. रोड, मुरथल, जिला–सोनीपत (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
32.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा)	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
33.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
जम्मू व कश्मीर		
34.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी जिला–राजौरी, जम्मू	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
झारखण्ड		
35.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड पिन : 814112 (झारखण्ड)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
कर्नाटक		
36.	पूर्णप्रज्ञा संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
केरल		
37.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिल्हारा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
38.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
39.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल)	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
40.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
41.	कोडंगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय

क्रमश:....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
42.	श्री शंकर संस्कृत महाविद्यापीठम्, देवस्वम् बोर्ड जंक्शन, कावदिअर, पो. त्रिवेन्द्रम–695003	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
43.	श्री भारती संस्कृत महाविद्यालय, मुजुंगावु, पो. एडनाड कासरगोड (केरल) - 671321	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
44.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
	महाराष्ट्र	
45.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई–400007	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
46.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
47.	विवेकानंद संस्कृत पाठशाला विवेकानंद आश्रम, विवेकानंद नगर, पो. हिवाटा, (बी.यू.), तहसील मेहकर, जिला–बुलढ़ाना (महाराष्ट्र) 443301	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
	मणिपुर	
48.	मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल, मणिपुर–795001	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
49.	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष व सर्वदर्शन)
	पंजाब	
50.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी अखारा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
51.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज खन्ना–141401 जिला–लुधियाना (पंजाब)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
राजस्थान		
52.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, गंगापुर सिटी–322201 जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
उत्तर-प्रदेश		
53.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
54.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
55.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
56.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
57.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
58.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय पी.ओ. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
59.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमश:....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तराञ्चल		
60.	देववाणी संस्कृत विद्यालय पो. त्रियुगी नारायण जनपद जिला–चमोली	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
61.	ज्वल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय ज्वल्पा देवी मन्दिर, पो. पति सैन पौडी–गढ़वाल	शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
62.	आदर्श संस्कृत विद्यापरिषद् सलड महादेव जिला–पौडी–गढ़वाल–246279	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
63.	पगलानन्द संस्कृत विद्यालय दौरा पो. (कंटई) जिला–मिदनापुर पश्चिम बंगाल–72140	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
64.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यन्याय, व्याकरण, वेदान्त, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
65.	ठाकुर गदाधर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. आरामबाग (कालीपुर) जिला–हुगली (पश्चिम बंगाल) – 712601	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, नव्यन्याय)
66.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प. बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
67.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, धर्मशास्त्र, व्याकरण, सांख्ययोग, नव्यन्याय, वेदान्त)

क्रमश:....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
68.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, तेनोहरी, थाना रानीगंज जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
69.	भारती चतुष्पथी श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
70.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
71.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पो. ओ. आरामबाग (कालीपुर) जिला–हुगली – 712601 (पश्चिम बंगाल)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

संलग्नक-च

उन सरकारों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
4.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक 28.81972	–वही–
5.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर 11/3/71-एस.ई., दिनांक 30 अगस्त, 1972	–वही–
6.	गोआ, दमन और दीव, विशेष/स्थापना/2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
7.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
8.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट
9.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
10.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (हरियाणा में संस्कृत)

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
11.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	–वही–
12.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
13.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 रेकोग. दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
16.	उड़ीसा सरकार 176/10/ईवाईई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
17.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.

उन विश्वविद्यालयों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया	मध्यमा शास्त्री	हायर सेकेण्डरी बी.ए.

क्रमशः....

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
	दिनांक 4.12.73	आचार्य	एम.ए.
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	मध्यमा	पूर्व-विश्वविद्यालय (प्री-यूनिवर्सिटी)
	पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99		
	दिनांक 14.2.1974	शास्त्री-भाग-1	बी.ए. (भाग-1)
		शास्त्री-भाग-3	बी.ए. (अंतिम वर्ष)
		आचार्य	एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय	शास्त्री	बी.ए.
	एल. डिस्. पी-बी 21/83/73	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.2.1974		
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान	मध्यमा	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
	आर.सी.आई/सम/141/376/74		
	दिनांक 24.6.74	शास्त्री	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्षीय)
		आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर	शास्त्री	बी.ए.
	पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.11.74		
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं.	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
	ए सी-1/आर.एम./171/51046/75		
	दिनांक 1.7.1975		
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
	ईएलजी/सम-109/3949	शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
	दिनांक 26.4.1975	आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय,	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. ई./3013	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 13.5.1975		
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	शास्त्री	बी.ए., शास्त्री
	पत्र सं. ए सी एम-II/6115	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी		

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
	एम/II/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81		
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली पत्र संख्या-एफ. 36/ओईन 31/संस्कृत/22721 दिनांक 23.12.74	प्रथमा	मिडिल स्कूल तथा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में नवीं कक्षा में प्रवेश हेतु।
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम पत्र सं. सी.-3/720/76 जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76, एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43 दिनांक 23.4.76	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ पत्र सं. ईवी II/227/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्या वाचस्पति
26.	कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्राज्ञ विशारद शास्त्री आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहमपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहमपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) एम.ए. (संस्कृत)
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
	मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84		
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी ने अंग्रेजी विषय के साथ बी.ए. उत्तीर्ण किया हो)
38.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार/शिक्षा नई दिल्ली का पत्र सं. एफ-7-2/83-संस्कृत-2 दिनांक 31 दिसम्बर, 1992	शिक्षा आचार्य	एम.एड.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर-इम्फाल नोटिस दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.

विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
40. अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्रष्टव्य सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश के प्रयोजन से)
42. उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो) एम.ए. (यदि एम.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43. ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 18661/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी.
44. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45. सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकण्डरी एजुकेशन, नई दिल्ली, द्रष्टव्य डी. ओ. सं. 80628 दिनांक 27.5.88	प्रथमा पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष उत्तर मध्यमा/प्राक्शास्त्री II	मिडिल हाई स्कूल/सेकण्डरी इंटरमीडिएट/सीनियर सेकण्डरी
46. हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में कार्यरत स्टाफ की अनुभाग-वार संख्या

1.	**शैक्षणिक अनुभाग**		
	I	शोध सहायक	1
	II	अवर श्रेणी लिपिक	1
	III	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
2.	**शोध व प्रकाशन अनुभाग**		
	I	शोध सहायक	2
	II	सहायक	1
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	3
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
3.	**पत्राचार पाठ्यक्रम व अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग**		
	I	शोध सहायक	2
	II	अनुभाग अधिकारी	1
	III	प्रशिक्षक	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	2
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	3
4.	**परीक्षा अनुभाग**		
	I	सहायक निदेशक (परीक्षा)	1
	II	शोध सहायक	1
	III	अनुभाग अधिकारी	1
	IV	सहायक	3
	V	प्रशिक्षक	1
	VI	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	VII	अवर श्रेणी लिपिक	3
	VIII	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2

क्रमशः....

5.	**प्रशासन अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	2
	III	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	3
	V	अवर श्रेणी लिपिक	5
	VI	गेस्टेटनर आपरेटर	1
	VII	स्टाफ कार चालक	2
	VIII	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी/चौकीदार	10
6.	**वित्त अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	2
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक/खजांची	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	2
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2
7.	**योजना अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	1
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक	3
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
8.	**पुस्तकालय**		
	I	पुस्तकालय सहायक	1
	II	सहायक	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	2
	IV	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2
9.	**आदर्श पाठशाला योजना एकक**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	अवर श्रेणी लिपिक	2

सम्बद्ध राज्य सरकारों के माध्यम से प्रेषित आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वर्ष 2005-06 के मध्य वार्षिक अनुदान स्वीकृत किया गया, उनकी राज्य-वार संख्या का विवरण

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	16
2.	आसाम	1
3.	बिहार	29
4.	दिल्ली	9
5.	गुजरात	6
6.	हरियाणा	28
7.	हिमाचल	2
8.	जम्मू और कश्मीर	2
9.	झारखण्ड	3
10.	कर्नाटक	20
11.	केरल	25
12.	मध्य प्रदेश	12
13.	महाराष्ट्र	20
14.	मणिपुर	3
15.	उड़ीसा	14
16.	पाण्डिचेरी	1
17.	पंजाब	8
18.	राजस्थान	27
19.	सिक्किम	6
20.	तमिलनाडु	25
21.	उत्तर प्रदेश	159
22.	उत्तरांचल	50
23.	पश्चिम बंगाल	261
	कुल	**727**

राष्ट्रपति भवन में 6 दिसम्बर, 2005 को आयोजित प्रतिष्ठापन समारोह में राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र एवं बादरायण व्यास सम्मान के प्रापक

राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र 2002 के प्रापक

1. डॉ. अनाम चरण स्वाईं
एन-1, ए/33, आई.आर.सी. गांव,
भुवनेश्वर-751015

2. प्रो. काशीनाथ मिश्र
प्रोफेसर कालोनी, मुहम्मदपुर लेन,
टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के पीछे
महेन्द्रु, पटना 800006

3. डॉ. के. पी. ए. मेनन
पंचवटी 215, कैलाश हिल्स,
ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली-110065

4. श्री के.एस. वरदाचार्य
नं. 2842, पम्पापथी रोड,
जयनगर, मैसूर-570014

5. पं. मूल राज शास्त्री
कूचा नागपाल, दहून्थली बाजार,
म. न. 154ए, जम्मू तवी

6. डॉ. नलिनी कान्त मिश्र
6, जादूनाथ सेन लेन, कोलकाता-700006
(प. बंगाल)

7. प्रो. एन. वीझीनाथन
19, फर्स्ट क्रास स्ट्रीट, सीआईटी कालोनी,
मइलापुर, चेन्नई-600004

8. श्री एन.टी. श्रीनिवास अय्यंगर
नं. 37, रंगा राव रोड,
शंकरपुरम्, बासवानगुडी,
बैंगलोर-560004

9. डॉ. पारस नाथ द्विवेदी
एस 2/7, जे-11, विराट नगर,
पाण्डे पुर, वाराणसी

10. डॉ. प्रभाकर शास्त्री
शास्त्री सदन, 254, खुण्टेता का रास्ता
किशनपोल बाजार, जयपुर-302001

11. प्रो. एस.बी. रघुनाथाचार्य
संस्कृत प्रोफेसर, संस्कृत विभाग,
श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय,
तिरूपति-517507

12. डॉ. श्रीपाद शास्त्री धुण्डीराज कवीश्वर
14-16, तिलक धाम, काम पथ,
अन्धेरी (पश्चिम) मुम्बई-400057

13. श्री एस. कृष्णमूर्ति गणपतिगल
11, नार्थ स्ट्रीट, थिरूवनाईकोईल पी ओ,
तिरूचिरापल्ली 620005,
तमिलनाडु

14. डॉ. श्रीकृष्ण सेमवाल
दिल्ली संस्कृत अकादमी
प्लाट न. 5, झण्डेवालान
करोल बाग, नई दिल्ली

15. डॉ. (श्रीमती) उषा सत्यव्रत
सी-248, डिफेन्स कॉलोनी,
नई दिल्ली-110024

16. प्रो. सत्य रंजन बेनर्जी
एडी-224, साल्ट लेक सिटी
कलकत्ता-700064

17. प्रो. ई. के. अहमद कुट्टी
प्रो. व अध्यक्ष, अरबी विभाग,
कालीकट विश्वविद्यालय
कालीकट-673 635

18. श्री नजरूल हाफीज नदवी
प्रोफेसर, अरबी विभाग,
दाउर्ल ऊलूम नदवत-उल-उलामा,
पोस्ट बाक्स - 93, टैगोर मार्ग,
लखनऊ- 226 007 (उ. प्र.)

19. डॉ. सैय्यद एहसनूर रहमान
55, दक्षिणापुर,
जेएनयू, नई दिल्ली

20. प्रो. अब्दुल कादिर जाफरी
प्रो. व अध्यक्ष, अरबी एवं फारसी विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

21. डॉ. मोहम्मद जुब्बेर कुरेशी
11, आशियाना सोसायटी, जीवाराजा पार्क,
अहमदाबाद-380 051

22. प्रो. एस.जे. हवेवाला
138, उत्तराखण्ड, जेएनयू, न्यू कैम्पस,
नई दिल्ली-110 067

महर्षि बादरायण व्यास सम्मान-2002 के प्रापक

1. डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय
श्री गंगानाथ झा परिसर
रा.सं.संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
आजाद पार्क, इलाहाबाद

2. श्री के. शंकरनारायण अडिग
डीडी, पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम्,
कत्रिगुप्पा मेन रोड,
बैंगलोर-560 028

3. श्री एन. आर. सतकोपा ताताचार्यार
एस.के. भवन, आचार्य मठ,
बाली साही, पुरी-1

4. डॉ. राजाराम शुक्ला
16, प्राचीन अध्यापक आवास,
एस.एस. विश्वविद्यालय, वाराणसी

5. डॉ. उपेन्द्र पाण्डेय
डब्ल्यू. नं. 2, संस्कृत ब्लॉक,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-5

6. डॉ. सुदीप जैन
बी.-32, छत्तरपुर एक्स.,
नन्दा फार्म के पीछे, नई दिल्ली-110 030.

7. डॉ. अब्दुल माज़िद काज़ी
अरबी विभाग,
जामिया मिलिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110 025

8. डॉ. मु. इजाज़ अहमद
अध्यक्ष फारसी विभाग,
इन्स्टीट्यूट ऑफ पोस्ट ग्रैज्यूएट स्टडीज़
पटना-6

राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र 2003 के प्रापक

1. डॉ. एम. श्रीमन्नारायण मूर्ति
18-3-24, शान्ति नगर (खादी कालोनी)
के.टी.रोड, तिरुपति-517 507

2. श्री किशोरनाथ झा
गांव बिथो, पी.ओ.-सारिसब पाही,
जिला मधुबनी (बिहार)

3. जगद्गुरु रामानन्द आचार्य स्वामी
रामभद्राचार्यजी श्री तुलसी पीठ, आमोदवन,
पो.आ. नयागाँव, चित्रकूट

4. डॉ. वी.आर. पंचमुखी
1074, 3-बी मेन, 7वाँ क्रॉस, गिरि नगर,
बैंगलोर-85 (कर्नाटक)

5. पं. दीनानाथ यक्ष
राजबाग समीप पुलिस डिवीजन,
श्रीनगर (कश्मीर)

6. श्री एम.ए. लक्ष्मी तातार्चार
23, 10वाँ क्रॉस स्विमिंग पूल एक्सटेंशन,
मल्लेश्वरम, बैंगलोर-3

7. डॉ. एन. वेंकटेश्वर मल्लैया
चाँदनी, टीसी 25, 1975
देशाभिमानी रोड, समीप गांधारी
अम्मा टेम्पल, त्रिवेन्द्रम-695001

8. डॉ. आर.एन. अरलीकट्टी
27, बिल्डिंग 6, गणेश बाग,
सामने आईएचपी कॉलेज,
बडागाँव, पुणे-411501

9. श्री भागीरथी नन्दा शर्मा
इलखा, भद्रक-756100 (उड़ीसा)

10. श्री देवदत्त भट्टी
निदेशक, वैदिक शोधशाला,
दिल्ली गेट, मलेरकोटला.148023 (पंजाब)

11. डॉ. दयानन्द भार्गव
जे-1/7, जीवन सुरक्षा फ्लैट्स,
विद्याधर नगर, जयपुर

12. श्री वैद्य सिमिली वेंकटरामा
राधाकृष्ण शास्त्री
315, 3सी, लॉयड्स कॉम्प्लेक्स,
अराड़ी षण्मुगम रोड,
चेन्नई-600014

13. डॉ. हरि नारायण दीक्षित
96, बड़ा बाजार, मल्लीताल,
नैनीताल-263001 (उत्तराञ्चल)

14. प्रो. कृष्णचन्द द्विवेदी
एल-3/27, कालीघाट कालोनी,
विवेकानन्द नगर, वाराणसी

15. डॉ. देबरंजन मुखर्जी
सूरी कालीबाड़ी,
अमृतारंजन सरनी, सूरी,
जिला-बीरभूम (पश्चिम बंगाल)

16. श्री दीपक कुमार बरुआ
ब्लॉक-ईई, नं. 80/2ए,
साल्ट लेक सिटी, कोलकाता-700091

17. डॉ. शमिमुल हसन अमनतुल्लाह
11/1, हौज रानी, मालवीय नगर,
नई दिल्ली

18. मौलाना अनजर शाह कश्मीरी
पो.ओ.-देवबंद, जिला-सहारनपुर,
(उत्तर प्रदेश)

19. डॉ. सईद तुफैल अहमद
187, मिंझपुर, इलाहाबाद-211003

20. प्रो. राशिद नाजकी
सेवानिवृत्त प्रो. फारसी विभाग
यूनिवर्सिटी ऑफ कश्मीर, श्रीनगर,
वार्ड नं. 2, बंदीपुर (कश्मीर)

21. डॉ. एस. अहसानुल जफर
425/1/7, राम प्रसाद बिस्मिल नगर,
अजमेरगंज, लखनऊ-226003

22. डॉ. मो. अमीन
19बी, कैंटोफर लेन
कोलकाता, पश्चिम बंगाल

महर्षि बादरायण व्यास सम्मान-2003 के प्रापक

1. डॉ. हरे राम त्रिपाठी
श्री लाल बहादुर शास्त्री
राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ,
नई दिल्ली

2. डॉ. आर. शतावधानी गणेश
नं. 30, चतुर्थ मेन II स्टेज,
राजाजीनगर, ई ब्लाक, बैंगलोर-56

3. श्री देवदत्त गोविन्द पाटिल
18, पठिक वृन्दावन,
सोसाइटी नई पेठ, पुणे-411030

4. डॉ. आर. मणि द्रविड
4, संस्कृत कॉलेज स्ट्रीट,
मइलापुर, चेन्नई-600004

5. श्रीमती पुष्पा त्रिपाठी
बी2/109 सी, भदानी, वाराणसी

6. डॉ. रमेश प्रसाद
14. ओल्ड टीचर्स कॉलोनी,
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
वाराणसी-221002 (उत्तर प्रदेश)

7. डॉ. अब्दुल हलिम
फारसी विभाग,
जामिया मिलिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110025

राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र 2004 के प्रापक

1. प्रो. केशव शर्मा
रत्तन कुमारी संस्कृत शोध संस्थान
भारती विहार, मशोबरा
शिमला (हिमाचल प्रदेश)

2. श्री मधुर कृष्णमूर्ति शास्त्री
17-14-6/1, कृष्णा नगर
सीतमपेट, राजामंड्री
ईस्ट गोदावरी जिला-(आन्ध्र प्रदेश)

3. प्रो. ब्रज बिहारी चौबे
चतुर्वेद निकेतन
जोधमल रोड, होशियारपुर (पंजाब)

4. श्री एम.एल. कृष्णमूर्ति गणपति
4/73, ईस्ट अग्रहारम
मनाक्कल, लालगुडी पोस्ट-त्रिची
जिला (तमिल नाडु)

5. डॉ. (श्रीमती) पुष्पा दीक्षित
पाणिनि शोध संस्थान, मेन रोड, तेलीपारा
बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001

6. प्रो. डॉ. (सुश्री) सुषमा कुलश्रेष्ठ
मनिका धवल
केसी/12-बी, अशोक विहार
दिल्ली-110052

7. प्रो. डी. प्रह्लादचार
120/2, 15वाँ क्रॉस, गंगम्मा लेआउट
बीएसके I स्टेज, बैंगलोर (कर्नाटक)

8. डॉ. एम. शिवकुमार स्वामी
नं. 88, चतुर्थ क्रॉस, डायगोनल रोड
8वीं मेन रोड, आर.पी.सी. लेआउट
विजयनगर II स्टेज, बैंगलोर, कर्नाटक

9. प्रो. के. अचुथन पिल्लै
साईज्योत्स्ना, ओ-5 जवाहरनगर
त्रिवेन्द्रम-3 (केरल)

10. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री
एस-10/6ए-2ए, पंचशील, मकबूल आलम रोड
हुकुलगंज, सामने डिस्ट्रिक जेल
नई कॉलोनी, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)

11. श्री श्रीरामरंजन भट्टाचार्य
श्री गुरु मंदिर
7/2ए/7, पी.डब्ल्यू.डी. रोड
कोलकाता-700 035

12. प्रो. सत्य प्रकाश सिंह
एन.-598, सेक्टर-25
नोएडा (यू.पी.)

13. प्रो. वशिष्ठ त्रिपाठी
श्री रघुनाथ आश्रम
बी-30/252, नागवा
वाराणसी (यू.पी.)

14. डॉ. अपूर्बा चन्द्र बार्थाकुरिया
के.सी.कुटीर, एफ.ए. रोड
कुमारपुरा, गुवाहाटी (आसाम)

15. डॉ. मुडुम्बी नरसिम्हाचारी
फ्लैट नं. 17, पी.ए. अपार्टमेन्ट्स
96-ए (न्यू न. 158)
लुज़ चर्च रोड,
मइलापुर, चेन्नई

16. प्रो. (डॉ.) भागचन्द्र जैन
तुकारामचा
कस्तूरबा पुस्तकालय के नजदीक
सदर, नागपुर

17. प्रो. (श्रीमती) इस्मत लतीफ मेहदी
पेतरा 219
एवेन्यू न. 7, (ओल्ड रोड न. 3)
बंजारा हिल्स, हैदराबाद

18. डॉ. वीरन मोइदीन के.वी.
हसनास, इरूमूले
परामिबल, पी. ओ. फारूक कॉलेज
कालीकट, केरल

19. प्रो. मुहम्मद सलीम किदवई
समीना लॉज
सर सैय्यद नगर
अलीगढ़ (यू.पी.)

20. प्रो. अब्बासी महबूब हुसैन अहमद हुसैन
4-ए, शशी पार्क
सरखेज रोड, अहमदाबाद

21. डॉ. युसुफखान मुहम्मदखान पठान
2, आनन्द नगर, टाऊन हाल
औरंगाबाद-431 001

22. प्रो. हाफिज़ मु. ताहिर अली
गुरुपालि साऊथ, शान्ति निकेतन
(पश्चिम बंगाल)

महर्षि बादरायण व्यास सम्मान-2004 के प्रापक

1. डॉ. विश्वजीत कुमार
सहायक प्रो. व अध्यक्ष, पाली पी.जी.
विभाग नव नालन्दा महाविहार
नालन्दा (बिहार)

2. डॉ. वाली अख्तर
एच न. 125/3, अबुल फजल II
पी.ओ. जामिया नगर
नई दिल्ली-25

3. डॉ. ज़ोहरा ख़ातून
डी-178, अबुल फजल एन्कलेव I
जामिया नगर, नई दिल्ली

राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र 2005 के प्रापक

1. डॉ. विशुद्धानन्द मिश्र
नवयुग अपार्टमेन्ट्स
फ्लैट नं. 103, प्लाट न. 49
सेक्टर-9, रोहिणी, दिल्ली-110085

2. प्रो. गया चरण त्रिपाठी
126, मदन लाल ब्लॉक,
एशियाड गांव, खेलगांव
नई दिल्ली-110049

3. प्रो. शुकदेव चतुर्वेदी
डी-2/73, राजस्थानी अपार्टमेन्ट्स,
पीतमपुरा, दिल्ली-110034

4. डॉ. राजेन्द्र ईश्वरलाल नानावटी
बी-103, राजलक्ष्मी सोसाइटी
शिवमहल पैलेस के पास
ओल्ड पदरा रोड,
वडोदरा-7

5. प्रो. राम प्रताप
15/2, त्रिकुटा नगर,
जम्मू (जम्मू और कश्मीर)

6. डॉ. व्यासनाकेरे प्रभञ्जनाचार्य
'पजाका' न. 67, 50 फीट रोड,
हनुमन्त नगर,
बैंगलोर-560019

7. प्रो. वी.वेंकटाराजा शर्मा
राजवाणी, विश्वम्भरण रोड,
पप्पनमकोड, तिरुवनन्तपुरम्,
केरल-695018

8. डॉ. प्रेम नारायण द्विवेदी
प्रुवियौ तोरी, जनता स्कूल के पास,
सागर (म.प्र.)

9. डॉ. (श्रीमती) सिंधु सदाशिव डांगे
603, मनीषा टावर,
(एम.टी.एन.एल ऑफिस के ऊपर)
नवघर क्रॉस रोड, तता कालोनी,
मुलुंड (पूर्व), मुम्बई-400081

10. श्री एस. सुन्दरराजन
21, वी.आई.पी. कॉलोनी
इकामरा विहार, नयापल्ली
भुवनेश्वर-751015

11. डॉ. हरी राम आचार्य
42-ए, पर्णकुटी, गंगवाल पार्क,
जयपुर-302004 (राजस्थान)

12. श्री एन. श्रीनिवास गणपतिगल
न. 70 (नया नं. 27)
सुरेन्द्र नगर, 6 स्ट्रीट, आदमबाक्कम,
चेन्नई-600088

13. डॉ. जगन्नाथ पाठक
3/14 एम.आई.जी. जूसी,
इलाहाबाद-211019

14. प्रो. कैलाशपति त्रिपाठी
बी1/148, ए-टी-5, अस्सी,
वाराणसी-221005

15. डॉ. चित्तरंजन बसिष्ठ
अभिज्ञानम, 19/4, कॉलेज रोड,
पी.ओ. नवग्राम,
जिला-हूगली, (पश्चिम बंगाल)

16. प्रो. डॉ. सुकोमल चौधरी
16, अशोक नाथ शास्त्री रोड,
पी.ओ. हरिनवी,
कोलकाता-700148 (पश्चिम बंगाल)

17. डॉ. मो. शामउल हक शामसी
258/2, सेक्टर II हारुन कालोनी,
फूलवारीशरीफ, पटना

18. प्रो. के.एम. मोहम्मद
'तौफीक' पी.ओ. रमणट्टुकरा,
कालीकट जिला, केरल-673633

19. प्रो. अब्दुल बारी
अल-साहब, स्ट्रीट नं. 5,
इकरा कालोनी, न्यू सर स्वेद नगर,
अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)

20. डॉ. मुहम्मद रियाजुद्दीन खान
अन्वेषक (सर्वेयर)
स्ट्रीट ऐवाज खान, वार्ड नं. 10,
टोंक-304001 (राजस्थान)

21. प्रो. अजरमी दुख्त साफवी
ए-15, प्रोफेसर क्वार्टर,
मेडियल कालोनी, ए.एम.यू.
अलीगढ़-202002 (उत्तर प्रदेश)

22. सैय्यद मनाल शाह अलकादरी
दायरा शरीफ,
40 सी, शामसुल हुडा रोड,
कोलकाता-7000117

महर्षि बादरायण व्यास सम्मान-2005 के प्रापक

1. डॉ. अजय कुमार मिश्रा
द्वारा श्री दिगम्बर झा
ए-58, सेक्टर 23,
नोएडा-201301

2. डॉ. पूर्णिमा केलकर
ए-5, लवकुश विहार,
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़)

3. डॉ. मिताली देव
एच-9, एचआईजी फ्लैट,
विकास प्राधिकरण, रवीन्द्रपुरी एक्सटेंशन,
वाराणसी-221005

4. डॉ. सिद्धार्थ सिंह
बी-61, बृज एन्क्लेव कॉलोनी,
सुरेन्द्रपुर, वाराणसी-221005

5. डॉ. सैय्यद रशीद नसीम
मकान नं. 16-9-682/7/14,
ओल्ड मलकापेट, हैदराबाद-36

6. डॉ. मुकेश कुमार सिन्हा
डी-II/319, विनय मार्ग,
चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021

संलग्नक-ट

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानग्राही/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	निर्मुक्त अनुदान राशि (रुपयों में)
1.	निदेशक, पूर्णप्रज्ञा संशोधन मण्डल, पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ बेंगलूर	शेषतात्पर्यचन्द्रिका ऑफ रघुनाथ तीर्थ	अनुदानग्राही	63,158.00
2.	डॉ. पी.टी.जी.वाई सम्पत कुमाराचार्युलु, तिरुपति	वरदराज विरचित तार्किकरक्षा सारसंग्रह: हरिहरदीक्षितकृत विवृति व्याख्या संविलत:	मेसर्स हरिप्रिया पब्लिशर्स, तिरुपति	59,026.00

क्रमांक	अनुदानग्राही/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	निर्मुक्त अनुदान राशि (रुपयों में)
3.	डॉ. सुरेन्द्र मेहता नई दिल्ली	कोविदानन्दविमर्श:	मेसर्स नाग पब्लिशर्स नई दिल्ली	19,718.00
4.	डॉ. कृपाराम त्रिपाठी बलरामपुर (उ.प्र.)	रघुकुलकथावली	मेसर्स अभिराम प्रकाशन बलरामपुर (उ.प्र.)	44,191.00
5.	डॉ. (श्रीमती) इरमा स्काट्समैन वाराणसी	बाईस लघुयोग वसिष्ठ सिलेक्शन	मेसर्स नाग पब्लिशर्स नई दिल्ली	41,404.00
6.	डॉ. सुजाता त्रिपाठी नई दिल्ली	पाणिनीय धात्वधिकार समीक्षा	मेसर्स नाग पब्लिशर्स नई दिल्ली	81,402.00
7.	डॉ. दिलीप कुमार झा देवघर (झारखण्ड)	त्रिविधतापप्रकोपशान्त्यै ज्योर्विज्ञानस्य प्रासंगिकता	मेसर्स एम.वी. पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, जयपुर	15,346.00
8.	डॉ. सुधाकर द्विवेदी जौनपुर (उ.प्र.)	वैदिक एवं पाणिनीय सन्धियों का आलोच- नात्मक अध्ययन	मेसर्स अमृत पब्लिशर वाराणसी	18,874.00
9.	डॉ. गेया कुमार झा जयपुर	उपसर्गनिपात मीमांसा	मेसर्स राष्ट्रिय संस्कृत साहित्य केन्द्र, जयपुर	28,277.00
10.	डॉ. निरंजन मिश्रा पुरी	त्रिविक्रमभट्ट विरचित मदालसा चम्मू	मेसर्स सत्यम पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली	23,870.00
11.	डॉ. अभयनाथ झा मधुवनी (बिहार)	उपसर्गार्थ विवेचनम्	मेसर्स नाग पब्लिशर्स दिल्ली	24,288.00
12.	डॉ. रिचा शुक्ला लखनऊ	विक्रमांकदेवचरित एक सांस्कृतिक अध्ययन	मेसर्स नाग पब्लिशर्स दिल्ली	16,877.00
13.	डॉ. कृष्णानन्द पाण्डेय, पटना	महाभारत में नारी	मे. नाग पब्लिशर्स, दिल्ली	20,967.00
14.	डॉ. वन्दना मालवीय इलाहाबाद	वैदिकर्षीणां जीवनपद्धति इतिहासश्च	लेखक	38,746.00
15.	डॉ. रवीन्द्र कुमार दुबे (मैनेजिंग एडिटर) कानपुर	शेमुशी-पद्मभूषण आचार्य बलदेव उपाध्याय जन्मशती ग्रन्थ	मेसर्स शारदा निकेतन वाराणसी	1,81,852.00
16.	डॉ. लालता प्रसाद द्विवेदी सुलतानपुर (उ.प्र.)	वैदिक वाङ्मय में चातुर्मास यज्ञ	मेसर्स पेनमैन पब्लिशर्स नई दिल्ली	20,114.00
17.	डॉ. उषा किरण पटियाला (पंजाब)	वैदिक साहित्य में संवाद : सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक विश्लेषण	लेखक	48,968.00

क्रमांक	अनुदानग्राही/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	निर्मुक्त अनुदान राशि (रुपयों में)
18.	डॉ. कौशल किशोर श्रीवास्तव, इलाहाबाद	बृहदारण्यकभाष्यवार्तिक एक अध्ययन	मेसर्स अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद	17,377.00
19.	डॉ. आद्याप्रसाद मिश्रा इलाहाबाद	विष्णुसहस्रनाम पर्यालोचनम्	मेसर्स अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद	39,304.00
20.	डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ गरली, कांगड़ा (हि.प्र.)	वैयाकरण प्रबन्ध मुक्लावली	मेसर्स नाग पब्लिशर्स दिल्ली	65,166.00
21.	श्री कन्हैया लाल जोशी दिल्ली	शुक्रनीति	मेसर्स जे.पी. पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली	57,821.00
22.	श्री विपिन कुमार दिल्ली	वैदिक वाङ्मय का इतिहास	लेखक	74,290.00
23.	डॉ. गायत्री शुक्ला इलाहाबाद	कारिकावली	मेसर्स इन्दिरा प्रकाशन इलाहाबाद	78,042.00
24.	डॉ. हरिदत्त शर्मा इलाहाबाद	लसल्लतिका	मेसर्स राका प्रकाशन इलाहाबाद	26,576.00
25.	डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा जयपुर	श्री भवदेव मिश्र विरचिता प्रज्ञा सत्यवती	लेखक	31,767.00
26.	डॉ. दिलीप कुमार कर पुरी (उड़ीसा)	अद्वैतवेदान्ते पारिभाषिक-शब्दविमर्श:	श्री श्रीधर पायी पुरी	17,542.00
27.	श्री एस. सुन्दर राजन भुवनेश्वर	श्री सुन्दरराज रचनावली	मेसर्स देववाणी परिषद दिल्ली	55,846.00
28.	डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव इलाहाबाद	वेद विज्ञान श्री : वैदिक वाङ्मय में विज्ञान	डॉ. रीता पुरवरा इलाहाबाद	54,427.00
29.	डॉ. रामराज उपाध्याय दिल्ली	मनोभिलषितव्रतानुवर्णनम् (भारतीय व्रत एवं अनुष्ठान)	मेसर्स मान्यता प्रकाशन नई दिल्ली	40,342.00
30.	जनरल सेक्रेटरी राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन, जयपुर	प्रमुख पुराणे काव्यशास्त्रीय समीक्षा	अनुदानग्राही	14,874.00
31.	डॉ. सावित्री दूबे इलाहाबाद	सिद्धान्तबिन्दुचन्द्रिका	लेखक	32,277.00
32.	डॉ. जयकृष्ण मिश्रा पुरी	संस्काराणां पर्यालोचनम्	लेखक	18,085.00

क्रमांक	अनुदानग्राही/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	निर्मुक्त अनुदान राशि (रुपयों में)
18.	डॉ. कौशल किशोर श्रीवास्तव, इलाहाबाद	बृहदारण्यकभाष्यवार्तिक एक अध्ययन	मेसर्स अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद	17,377.00
19.	डॉ. आद्याप्रसाद मिश्रा इलाहाबाद	विष्णुसहस्रनाम पर्यालोचनम्	मेसर्स अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद	39,304.00
20.	डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ गरली, कांगड़ा (हि.प्र.)	वैयाकरण प्रबन्ध मुक्लावली	मेसर्स नाग पब्लिशर्स दिल्ली	65,166.00
21.	श्री कन्हैया लाल जोशी दिल्ली	शुक्रनीति	मेसर्स जे.पी. पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली	57,821.00
22.	श्री विपिन कुमार दिल्ली	वैदिक वाङ्मय का इतिहास	लेखक	74,290.00
23.	डॉ. गायत्री शुक्ला इलाहाबाद	कारिकावली	मेसर्स इन्दिरा प्रकाशन इलाहाबाद	78,042.00
24.	डॉ. हरिदत्त शर्मा इलाहाबाद	लसल्लतिका	मेसर्स राका प्रकाशन इलाहाबाद	26,576.00
25.	डॉ. लक्ष्मीनारायण शर्मा जयपुर	श्री भवदेव मिश्र विरचिता प्रज्ञा सत्यवती	लेखक	31,767.00
26.	डॉ. दिलीप कुमार कर पुरी (उड़ीसा)	अद्वैतवेदान्ते पारिभाषिक-शब्दविमर्शः	श्री श्रीधर पायी पुरी	17,542.00
27.	श्री एस. सुन्दर राजन भुवनेश्वर	श्री सुन्दरराज रचनावली	मेसर्स देववाणी परिषद दिल्ली	55,846.00
28.	डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव इलाहाबाद	वेद विज्ञान श्री : वैदिक वाङ्मय में विज्ञान	डॉ. रीता पुरवरा इलाहाबाद	54,427.00
29.	डॉ. रामराज उपाध्याय दिल्ली	मनोभिलषितव्रतानुवर्णनम् (भारतीय व्रत एवं अनुष्ठान)	मेसर्स मान्यता प्रकाशन नई दिल्ली	40,342.00
30.	जनरल सेक्रेटरी राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन, जयपुर	प्रमुख पुराणे काव्यशास्त्रीय समीक्षा	अनुदानग्राही	14,874.00
31.	डॉ. सावित्री दूबे इलाहाबाद	सिद्धान्तबिन्दुचन्द्रिका	लेखक	32,277.00
32.	डॉ. जयकृष्ण मिश्रा पुरी	संस्काराणां पर्यालोचनम्	लेखक	18,085.00

क्रमांक	अनुदानग्राही/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	निर्मुक्त अनुदान राशि (रुपयों में)
33.	डॉ. राम लखन गोस्वामी बोकारो (झारखण्ड)	उत्तरनैषधीय चरितम्	मेसर्स नाग पब्लिशर्स नई दिल्ली	57,655.00
34.	डॉ. इन्दिरा शर्मा नई दिल्ली	विक्रमांकाभ्युदय में प्रतिबिम्बित ऐतिहासिक तथ्य	लेखक	39,837.00
35.	श्री कृष्णदत्त शास्त्री दिल्ली	वेदामृतम्	मेसर्स सूर्यप्रभा प्रकाशन नई दिल्ली	31,730.00

संलग्नक-ठ

प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता एफ.नं. सहित	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	डॉ. भगवती लाल राजपुरोहित बिलोटीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) 102-1428/04	संस्कृत वाङ्मयविमर्श	रु. 48,872.00
2.	डॉ. रमाकान्त शुक्ला R-6, वाणी विहार, नई दिल्ली-59 102-1437/04	श्रीमद् रामचरितमानसम्	रु. 1,60,060.00
3.	डॉ. इच्छाराम द्विवेदी 'प्रणव' डब्ल्यू.जेड.-97, दयालसर रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 102-1433/04	नवोन्मेष	रु. 2,43,000.00
4.	डॉ. प्रशस्य मित्र शास्त्री बी-29, आनन्द नगर (जेल रोड) रायबरेली (उ.प्र.)-229001 102-1489/05	अनभीप्सितम्	रु. 39,900.00
5.	डॉ. रविशंकर शुक्ल व्याख्याता-सांख्ययोग विभाग श्री ला.ब.रा.सं. विद्यापीठ, (मानित विश्व.) कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 102-1362/03	श्रीमद्भगवद्गीताया: मधुसूदनीटीकाया: सांख्ययोगदृष्ट्या समीक्षात्मकमध्ययनम्	रु. 71,900.00

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता एफ.नं. सहित	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
6.	डॉ. भरतचन्द्र महापात्र 199/4, एकता विहार कुंजवनी, जम्मू-180010 102-1467/04	वासुदेवभटकृतसारस्वतचन्द्रिकाया: समीक्षात्मकमध्ययनम्	रु. 79,000.00
7.	श्री बालाजी शतपथी डब्ल्यू.जेड.-97, दयालसर रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 102-1453/04	इष्टापूर्तकौमुदी	रु. 1,02,300.00
8.	डॉ. गोस्वामी बलभद्र प्रसाद शास्त्री, 14, अशोक नगर, पोस्ट शाहमत गंज, नैनीताल रोड, बरेली (उ.प्र.)-5 102-875/98	सैरन्ध्रिनाटकम्	रु. 30,030.00
9.	डॉ. सुनील कुमार उपाध्याय पण्डितपुर, पाठनपट्टी मिरजापुर, उ.प्र. 102-1462/04	श्रीदुर्गासप्तशती तन्त्रिकासंस्करण	रु. 48,955.00
10.	प्रो. रामजी उपाध्याय 357, महामनापुरी बीएचयू पोस्ट ऑफिस, वाराणसी-221005 102-1406/03	आर्षसुभाषितसाहस्री	रु. 50,050.00
11.	डॉ. के.वी. सोमयाजुलु उपाचार्य, व्याकरण विभाग राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) श्री सदाशिव परिसर, पुरी पुरी (उड़ीसा)-752001 102-1431/04	व्याकरणशास्त्रे शब्दविमर्श:	रु. 28,995.00
12.	डॉ. चेतना ए-1, गांधी नगर, जयपुर (राजस्थान)-302015 102-1471/04	राजस्थाने संस्कृत पत्रकारिता	रु. 53,339.00

क्रमश:....

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता एफ.नं. सहित	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
13.	डॉ. केशवन के.पी. 44, मुक्तानन्द नगर गोपालपुरा-302018 102-1452/04	श्री विश्वेश्वरविरचितस्य अलंकारकौस्तुभस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	रु. 52,200.00
14.	डॉ. केशव राम शर्मा बी-59, सड़क नं. 3 उत्तरी छज्जुपुर, शाहदरा, दिल्ली 110094 102-1430/03	थानाध्यक्ष:	रु. 34,120.00
15.	डॉ. रामजीवन मिश्र व्याख्याता ज्योतिष श्रीरणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ 304 ए, शास्त्री नगर, जम्मू (तवी)-180004 जम्मू और कश्मीर 102-876/98	सिद्धान्तशिरोमणि- गणिताध्यायस्य सूर्यसिद्धान्तस्य च तुलनात्मकमध्ययनम्	रु. 82,000.00
16.	डॉ. उमारमण झा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4 गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उ.प्र.) 102-1420/03	आचार्य भासरवर्ज्य न्यायसार 18 टीकाएँ	रु. 96,700.00
17.	श्री गोपाल कृष्ण हेगड़े ज्योतिष विद्वान, गोरी कृपा हेगड़े 30, कुमाता, उत्तराखण्ड, कर्नाटक 102-1316/03	मण्डल दर्शनम्	रु. 79,920.00
18.	श्री एच.वी. बालाकुडी, टाइप-द्वितीय/22, सेन्ट्रल गवर्नमेंट कॉलोनी, मुकुन्द नगर, पुणे-411037 102-1141/2001	वेदर इन ऋग्वेद	रु. 63,315.00
19.	कैप्टन रामभगत शर्मा द्वारा राजेन्द्र प्रसाद हेडमास्टर सामने बस स्टैंड, सावित्री देवी अस्पताल के पीछे पो.-महेन्द्रगढ़-123029 (हरियाणा) 102-1418/03	रामाभिरामीय महाकाव्यम्	रु. 49,400.00

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता एफ.नं. सहित	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
20.	आचार्य डॉ. नारायण शास्त्री काधर विद्यालंकार सुमेरु कर्ण-मार्ग, रामगज धान्य मंडी, जयपुर-302003 102-1485/05	उणादिपादानुक्रमकोश:	रु. 69,792.00
21.	डॉ. (श्रीमती) प्रेम कुमारी सिंह 47/48ए, बलरामपुर हाऊस इलाहाबाद-211002 (उ.प्र.) 102-145404	साहित्यशास्त्रीय सम्प्रदायों के मूलभूत तत्त्व	रु. 59,560.00
22.	डॉ. वेदनारायण चौधरी श्री रणवीर केन्द्रीय विद्यापीठ जम्मू 102-1368/03	वराहमिहिररचितवृहज्जातस्य संस्कृतहोराभिप्रायनिर्णयटीकाया: सम्पादनमनुवादसमीक्षा च	रु. 2,10,000.00
23.	श्री गोविन्द प्रसाद शर्मा 6, मारवाड़ी घाट, धोला रोड दिल्ली-110094 102-1475/04	ऋजुसिद्धान्त कौमुदी	रु. 93,510.00
24.	प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय सचिव, महर्षि सन्दीपनि वेदविद्या प्रतिष्ठान, भरतपुरी, उज्जैन, म.प्र. 102-1249/02	रसप्रियाविभावनम्	रु. 59,718.00
25.	डॉ. रमेश निर्मल अन्वितिप्रकाशन, 86-88, खादियाकर रोड, मुम्बई-400004 102-1504/05	कालजयी उज्जैनी	रु. 39,92,000.00
26.	श्रीमती इन्दुमती देवी वी. 36-44-सी-4 कबीर नगर दुर्गाकुण्ड, वाराणसी 102-1430/2004	वैदिक, बौद्ध, जैन तर्कभाषाणां तुलनात्मकमध्ययनम्	रु. 58,500.00
27.	आचार्य डॉ. श्रीपति अवस्थी 55/जेएच/108, राम नगर आलमबाग, लखनऊ-5 102-1477/2005	भारत के प्रसिद्ध अभिलेख	रु. 70,950.00
28.	डॉ. नारायण दास क्लासिकल टीचर,	सदनकदृष्ट्या श्रृंगारप्रकाशस्य नाट्यविषयकाध्यायानाम् अध्ययनम्	रु. 55,750.00

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता एफ.नं. सहित	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
	गवर्नमेंट हाई स्कूल, गुमा, गजपति, उड़ीसा 102-1134/2001		
29.	वैकुण्ठनाथ शर्मा 67, राजवाग कॉलोनी सवाई माधोपुर सिटी 102-1274/2002	कथाकल्पतरु	रु. 28,850.00
30.	प्रो. भास्कर मिश्रा सी-73, फ्रीडम फाइटर एन्क्लेव, नेब सराय, दिल्ली 102-1386/03	शिक्षादर्शन	रु. 69,575.00
31.	डॉ. सुद्युम्न आचार्य पी.जी. कॉलेज, बलिया (उ.प्र.)	गणितशास्त्र के विकास की भारतीय परम्परा	रु. 65,240.00
32.	डॉ. नवलता के-680, आशियाना लखनऊ (उ.प्र.)	संस्कृतवाङ्मये कृषिविज्ञानम्	रु. 69,375.00

संलग्नक-ड

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से वार्षिक अनुदान प्राप्तकर्ता आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का विवरण

1. कालीकट
   आदर्श संस्कृत विद्यापीठ,
   पीओ. बालुसरी,
   जिला-कोजीकोड,
   केरल-673612
2. श्री रंगलक्ष्मी
   आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
   वृन्दावन, उत्तर प्रदेश-281121
3. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ,
   पीओ. बघोला, (पलवल),
   जिला-फरीदाबाद,
   हरियाणा
4. वैदिक संशोधन मंडल,
   तिलक विद्यापीठ, गुटेकडी,
   पुणे-400037
5. जे.एन.बी. आदर्श
   संस्कृत महाविद्यालय,
   पीओ. लगमा,
   वाया-लोहना रोड,
   जिला-दरभंगा,
   बिहार-847407

6. श्री भगवानदास आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पीओ. गुरुकुल कांगड़ी,
जिला-हरिद्वार,
उत्तराञ्चल

7. मद्रास संस्कृत कॉलेज
एवं एस.एस.वी. पाठशाला
84, रायीथा हाई रोड,
मइलापुर, चेन्नई-600004,
तमिलनाडु

8. लक्ष्मी देवी सर्राफ
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
काली रेहा, जिला-देवघर,
झारखण्ड-814112

9. श्री एकरसानन्द
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
जिला-मणिपुर,
उत्तर प्रदेश

10. मुम्बा देवी संस्कृत महाविद्यालय
द्वारा भारतीय विद्या भवन,
के.एम. मुंशी मार्ग, मुम्बई
महाराष्ट्र-400007

11. एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
डोहगी, जिला-ऊना,
हिमाचल प्रदेश

12. हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
जंगला (रोहरू), जिला-शिमला
हिमाचल प्रदेश-171207

13. श्री दीवान कृष्ण किशोर
एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
अम्बाला कैंट, हरियाणा-133001

14. राजकुमारी गणेश शर्मा
संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा, पटोरी,
जिला-दरभंगा, बिहार-846003

15. पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम,
काठीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर,
कर्नाटक-560028

16. स्वामी प्राणकुशाचार्य आदर्श संस्कृत
महाविद्यालय, हुलासगंज, गया,
बिहार-804407

17. श्री सीताराम वैदिक
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड,
कोलकाता-700035
पश्चिम बंगाल

18. ठाकुर गदाधर आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
कालीपुर पीओ. आरामबाग,
जिला-हुगली,
पश्चिम बंगाल-712601

19. रामजी मेहता
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
मालीघाट, मुजफ्फरपुर,
बिहार

20. कालियाचक विक्रम किशोर
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
ग्राम-कालियाचक, पीओ. हरिया
जिला-मिदनापुर,
पश्चिम बंगाल-721430

21. रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी
उत्तर प्रदेश

22. श्री अहोविला मठ संस्कृत कॉलेज,
मदुरान्तकम, काञ्चीपुरम,
तमिलनाडु-603306

23. संस्कृत अकादमी
ओसमानिया यूनिवर्सिटी,
हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश

संलग्नक-ढ

परवर्ती वर्ष में शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु विचारित प्रस्तावों का राज्य-वार विवरण

क्रमांक	राज्य का नाम	छात्रवृत्तियों की कुल संख्या
1.	आसाम	29
2.	बिहार	74
3.	चण्डीगढ़	91
4.	छत्तीसगढ़	25
5.	दिल्ली	133
6.	गुजरात	76
7.	गोवा	08
8.	हिमाचल प्रदेश	69
9.	हरियाणा	640
10.	झारखण्ड	148
11.	जम्मू और कश्मीर	03
12.	केरल	465
13.	कर्नाटक	697
14.	मध्य प्रदेश	39
15.	उड़ीसा	447
16.	पंजाब	192
17.	आन्ध्र प्रदेश	94
18.	महाराष्ट्र	64
19.	राजस्थान	391
20.	तमिलनाडु	12
21.	त्रिपुरा	01
22.	उत्तर प्रदेश	324
23.	पश्चिम बंगाल	286
	सर्वयोग	**4308**

लेखापरीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 31 मार्च 2006 के संलग्न तुलन-पत्र एवं 31 मार्च 2006 को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखा, प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखापरीक्षा कर ली है। इन वित्तीय विवरणों में दस क्षेत्रीय कैम्पसों के लेखे भी सम्मिलित हैं। इन लेखों को तैयार करने की जिम्मेदारी संस्थान के प्रबन्धन की है। मेरी जिम्मेदारी यह है कि अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों की बाबत एक राय व्यक्त करूं।

मैंने अपनी लेखापरीक्षा सामान्यत: भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों और लागू नियमों के अनुसार की है। इन मानकों में ये अपेक्षित है कि मैं लेखापरीक्षा की योजना और निष्पादन इस आशय का समुचित आश्वासन प्राप्त करने के उद्देश्य से करूँ कि क्या वित्तीय विवरण भारी मिथ्या कथनों से मुक्त है। एक लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटनों का समर्थन करने वाले प्रमाण नमूना के आधार पर जांच करना शामिल हैं। मुझे विश्वास है कि मेरी लेखापरीक्षा मेरे विचारों को समुचित आधार प्रदान करती है।

अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर मैं सूचित करता हूँ कि

1. अपनी लेखापरीक्षा के उद्देश्य के लिए मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार मैंने समस्त सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिये हैं।

2. निम्नलिखित मुख्य अभियुक्तियों तथा संलग्न लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अन्य अभियुक्तियों के अध्याधीन मैं सूचित करता हूँ कि इस प्रतिवेदन से संबधित तुलन-पत्र और आय एवं व्यय लेखे, प्राप्ति एवं भुगतान लेखे सही प्रकार से तैयार किये गए हैं तथा लेखा बहियों के अनुसार हैं।

   * आय का 911.83 लाख रु. से अधिकथन(पैरा 3.1.1)

3. मेरे विचार, मेरी सर्वोत्तम जानकारी तथा मुझे दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार:

   (i) ये लेखे लेखाओं के निर्धारित प्रारूप के अन्तर्गत जानकारी देते हैं।

   (ii) लेखांकन नीतियों और तत्संबंधी टिप्पणियों के साथ पठित तथा इसके साथ संलग्न लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में वर्णित अन्य विषयों के अध्याधीन कथित तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे, प्राप्ति और भुगतान लेखे सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

   (क) जहाँ तक यह 31 मार्च 2006 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के तुलन-पत्र की विवरण स्थिति से संबंधित है और

   (ख) जहाँ तक इसी तिथि को समाप्त वर्ष के आय एवं व्यय लेखे के आधिक्य से सम्बंधित है।

ह0

महानिदेशक लेखा परीक्षा
केन्द्रीय राजस्व

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 7-2-07

क्रमश:.....

वर्ष 2005-06 के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के लेखाओं पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

प्रस्तावना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (रा.सं.सं.), समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन (अब मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली में अपने मुख्यालय के साथ, की स्थापना भारत सरकार द्वारा अक्टूबर 1970 में की गई थी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य (i) संस्कृत अध्ययन का प्रचार, विकास व प्रोत्साहन करना (ii) शिक्षकों के प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपियों को शामिल करते हुए संस्कृत अध्ययन में अनुसंधान सहायता देना, प्रोत्साहन एवं समन्वय करना तथा प्रकाशनों को प्रकाशित करना तथा (iii) देश के विभिन्न भागों मे केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना करना, अधिकार में लेना तथा संचालन करना है। वर्ष 2005-06 के दौरान ऐसे दस विद्यापीठ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अधीन थे।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लेखाओं की लेखापरीक्षा को 2003-04 से 2007-08 तक पाँच वर्षों की अवधि के लिए नियंत्रक महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक को सौंपी गई है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अपने क्रियाकलापों के लिए पूर्णतया भारत सरकार से प्राप्त अनुदानों से वित्त पोषित है। वर्ष 2005-06 के दौरान इसने माध्यमिक शिक्षा तथा उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय से 3297.69 लाख रु. (1647.69 लाख रु. योजनागत तथा 1650 लाख रु. योजनेत्तर) के अनुदान प्राप्त किए। इस वर्ष के दौरान संस्थान ने 179.54 लाख रु. की आय अपने स्त्रोतों से भी अर्जित की। वर्ष के दौरान कुल व्यय 3765.22 लाख रु. (योजनागत 1768.09 लाख रु. तथा योजनेत्तर: 1997.13 लाख रु.) हुआ। रा.सं.सं. ने अतिरिक्त व्यय अपने ही स्त्रोतों से किया। रा.सं.सं. ने पिछले वर्ष के अनुदान के उ.पू.क्षे. के 64.57 लाख रु. के अव्ययित शेष का उल्लेख अपने लेखाओं में नहीं किया।

लेखाओं पर टिप्पणियाँ

2. तुलन-पत्र

2.1 परिसम्पत्तियाँ

2.1.1 अचल परिसम्पत्तियों का अधिकथन 2033.55 लाख रु.

अचल परिसम्पत्तियों में 2033.55 लाख रु. की अग्रिम राशि सम्मिलित है जिसका भुगतान भवनों के निर्माण हेतु के.लो.नि.वि./लो.नि.वि. को कर दिया गया है। इसके परिणाम स्वरूप अचल परिसम्पत्तियों को अधिक दर्शाया गया है और चालू परिसम्पत्तियों (ऋण एवं अग्रिम) को कम दर्शाया गया है।

2.1.2 एन.पी.एस. की 3.45 लाख रु. की राशि (बैंक शेष) का अनुचित उल्लेख

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने विभिन्न परिसरों की नई पेंशन योजना की 3.45 लाख रु. की राशि (बैंक शेष) का उल्लेख समेकित तुलन-पत्र में पेंशन योजना शीर्ष के अन्तर्गत नहीं किया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने (दिसम्बर 2006) स्पष्ट किया कि क्षेत्रीय परिसरों ने राशि को बैंक में जमा करते समय नई पेंशन योजना की राशि जी.पी.एफ. में सम्मिलित कर दिया है। परिसरों की एन.पी.एस. से सम्बद्ध रु. 3.45 लाख की राशि जी.पी.एफ. लेखा में जमा कर दी गई है और कॉलम जी.पी.एफ/सी.पी.एफ. के अन्तर्गत

जोड़ दी गई है जो 12,50,59,791 रु. है। इसे 31-3-2006 के अनुसार समेकित तुलन-पत्र में दर्शाया गया है। इस राशि को "नई पेंशन योजना" शीर्ष के अन्तर्गत पृथक् रूप से दर्शाया जाना चाहिए था।

3. आय व व्यय लेखा

3.1 आय

3.1.1 आय को 911.83 लाख रु. से अधिक दर्शाना

समेकित आय व व्यय लेख में पिछले साल के 9,11,83,215 रु. के अव्ययित शेष को इस साल की आय के रूप मे दर्शाया गया था। जिसके परिणामस्वरूप आय को 9,11,83,215 रु. अधिक दर्शाया गया है।

4. सामान्य

4.1 वार्षिक लेखाओं को परिशोधित लेखा फार्मेट में तैयार नहीं किया गया

संसद के पटल पर रखे जाने वाले कागज़ात सम्बन्धी समिति की संस्तुति के आधार पर भारत सरकार ने लेखाओं में समरूपता एवं पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए लेखांकन के प्रोद्भवन आधार पर लेखाओं का एक समान फार्मेट लागू किया है। फार्मेट सभी केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए अनिवार्य है। संस्थान ने निर्धारित फार्मेट में अपने लेखे तैयार नहीं किए हैं।

4.2 महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ और लेखा टिप्पणियाँ वार्षिक लेखाओं से संलग्न नहीं हैं

रा.सं.सं. ने अपनी महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ स्पष्ट नहीं की हैं।

4.3 परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास नहीं लगाया गया

रा.सं.सं. द्वारा अचल परिसम्पत्त्यिों पर कोई भी मूल्यह्रास नहीं लगाया गया।

4.4 पेंशन, उपदान (ग्रेच्युटी) तथा छुट्टी नकदीकरण का प्रावधान न होना

रा.सं.सं. ने पेंशन, उपदान तथा छुट्टी नकदीकरण का कोई प्रावधान नहीं किया है।

5. लेखाओं का निबल प्रभाव

लेखाओं का निबल प्रभाव यह है कि अचल परिसम्पत्तियों को 2233.55 लाख रु. अधिक दर्शाया गया है और आय को 911.83 लाख रु. अधिक दर्शाया गया है।

6. जो त्रुटियाँ लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं की गई हैं उन्हें सुधारात्मक एवं उपचारात्मक कार्रवाई हेतु एक प्रबन्धन पत्र के माध्यम से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के रजिस्ट्रार के ध्यान में लाया गया है।

ह0

महानिदेशक लेखा परीक्षा
केन्द्रीय राजस्व

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 7-2-07

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

५६-५७, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-११००५८

२००५-०६ वर्षीय समेकित प्राप्तियाँ तथा भुगतान का विवरण

प्राप्तियां

क्र.सं. / लेखा शीर्ष	चालू वर्ष योजनागत रुपये	चालू वर्ष योजनेत्तर रुपये	चालू वर्ष योग रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
1. पूर्व बकाया				
I. हाथ में रोकड	99,382.00	3,05,743.00	4,05,125.00	3,37,913.00
बैंक में जमा				
i. बचत खाता	2,28,79,164.00	6,73,98,926.00	9,07,78,090.00	7,38,04,389.00
ii. बचत खाता (पत्राचारकैसेट प्रोजेक्ट)	4,50,706.00	—	4,50,706.00	4,50,706.00
iii. बचत खाता (स.शिक्षा का विकास)				2,00,733.00
iv. बचत खाता (स.शिक्षा का विकास)		—		2,38,000.00
v. फेलोशिप	80,614.00	—	80,614.00	
2. मंत्रालय से अनुदान				
i. अनुरक्षण	15,57,00,000.00	16,50,00,000.00	32,07,00,000.00	31,30,00,000.00
ii. केन्द्रीय योजना	90,69,000.00	—	90,69,000.00	1,00,00,000.00
iii. फेलोशिप (यू जी सी)	6,08,200.00		6,08,200.00	3,27,000.00
3. अनुसूची (ए)				
i. विविध प्राप्तिया	41,23,503.00	99,12,998.00	1,40,36,501.00	1,17,86,612.00
ii. प्रकाशन	6,02,147.00	28,78,761.00	34,80,908.00	76,30,157.00
iii. अन्य स्रोत से आय	3,86,099.00	70,500.00	4,36,599.00	2,72,666.00
कुल योग	50,91,749.00	1,28,62,259.00	1,79,54,008.00	1,96,89,435.00
विन्यास निधि पर ब्याज				
i. ब्याज दूबे अवार्ड		337.00	337.00	
ii. ब्याज (जिंदल ट्रस्ट)		8,322.00	8,322.00	
iii. ब्याज (सौमेया ट्रस्ट)		21,251.00	21,251.00	
कुल योग		29,910.00	29,910.00	
4 अनुसूची (बी)				
प्रेषण	63,11,153.00.00	3,68,10,606.00	4,31,21,759.00	6,43,25,871.00
5 अनुसूची (सी)				
I. सावधी योजना	—	9,01,54,226.00	9,01,54,226.00	13,01,54,226.00
6 अनुसूची (डी)				
अग्रिम खाता	5,18,475.00	40,54,608.00	45,73,083.00	56,90,983.00
कुल योग	20,08,08,443.00	37,71,16,278.00	57,79,24,721.00	61,82,19,256.00

भुगतान

क्र.सं. / लेखा शीर्ष	चालू वर्ष योजनागत रुपये	चालू वर्ष योजनेत्तर रुपये	चालू वर्ष योग रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
अनुसूची (एफ)				
I. स्थापना में व्यय	1,70,33,890.00	10,27,96,312.00	11,98,30,202.00	10,26,70,483.00
अनुसूची (जी)				
2. i. प्रशासनिक में व्यय	2,69,05,180.00	3,00,99,387.00	5,70,04,567.00	5,69,25,865.00
ii. विन्यास निधि		40,654.00	40,654.00	18652.00
अनुसूची (एच)				
3 योजना	9,77,35,254.00	5,48,73,539.00	15,26,08,793.00	12,00,12,289.00
अनुसूची (आई)				
4. प्रेषण	63,89,113.00	3,67,19,107.00	4,31,08,220.00	6,43,53,631.00
अनुसूची (जे)				
5 पूजीगत व्यय	3,55,38,668.00	1,19,43,539.00	4,74,82,207.00	4,50,27,092.00
अनुसूची (के)				
6. सावधि योजना	—	9,01,54,226.00	9,01,54,226.00	13,01,54,226.00
7. संस्कृत शिक्षा का विकास		—		4,38,733.00
8. पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट	4,50,706.00	—	4,50,706.00	
अनुसूची (एल)				
9. अग्रिम खाता	5,14,535.00	44,58,458.00	49,72,993.00	69,03,750.00
10. नकद रोकड				
i. हाथ में रोकड	1,68,534.00	2,59,111.00	4,27,645.00	4,05,125.00
बैंक में शेष राशि				
ii. बचत खाता	1,57,87,583.00	4,57,71,945.00	6,15,59,528.00	9,07,78,090.00
iii. बचत खाता (पत्रा.कै.प्रोजेक्ट)				4,50,706.00
iv. बचत खाता फेलोशिप	2,84,980.00	—	2,84,980.00	80,614.00
कुल योग	20,08,08,443.00	37,71,16,278.00	57,79,24,721.00	61,82,19,256.00

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

५६-५७, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-११००५८

२००५-०६ वर्षीय समेकित आय एवं व्यय का विवरण

क्र.सं.	व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	आय		चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये		लेखा शीर्ष		रुपये		रुपये
	अनुसूची (ओ)			1.	पूर्व वर्ष की बकाया राशि		9,11,83,215.00		7,41,42,302.00
1.	स्थापना व्यय	11,98,30,202.00	10,26,70,483.00	2.	मन्त्रालय से प्राप्त अनुदान राशि	32,07,00,000.00		31,30,00,000.00	
	अनुसूची (पी)			3.	केन्द्रीय योजना	90,69,000.00		1,00,00,000.00	
2.	प्रशासनिक व्यय	5,66,00,733.00	5,66,79,479.00		अनुसूची (एम)				
	अनुसूची (क्यू)			4.	कम पूंजीगत	4,81,97,131.00	28,15,71,869.00	4,50,93,949.00	27,79,06,051.00
3.	योजना	15,18,93,869.00	11,99,45,432.00		अनुसूची (एन)				
4.	आय से व्यय की अधिकता	6,23,84,288.00	9,24,13,287.00	5.	विविध प्राप्ति		1,40,36,501.00		1,17,57,505.00
				6.	i. प्रकाशन		34,80,908.00	—	76,30,157.00
					ii. अन्य स्रोतों से प्राप्ति		4,36,599.00	—	2,72,666.00
	कुल योग	39,07,09,092.00	37,17,08,681.00		कुल योग		39,07,09,092.00		37,17,08,681.00

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

५६-५७, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-११००५८

२००५-०६ वर्षीय समेकित तुलन पत्र

क्र.सं.		चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	क्र.सं.		चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये		लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
	देनदारियां					परिसम्पतियां			
	अनुसूची (यू)					अनुसूची (आर)			
1.	पूंजीगत धन				1.	अचल आस्तियां			
	a. पूर्व बकाया	41,65,35,817.00				पूर्व बकाया	41,65,35,817.00		
	वर्ष में जमा	6,30,17,756.00				वर्ष में जमा	6,30,17,756.00		
	वर्ष में समायोजन	1,88,35,495.00	46,07,18,078.00	41,65,35,817.00		वर्ष में समायोजन	1,88,35,495.00	46,07,18,078.00	41,65,35,817.00
	अनुसूची (वी)					अनुसूची (एस)			
2.	विन्यास निधि (निवेश)				2.	प्रामूत (निवेश)			
	पूर्व बकाया	5,67,813.00				पूर्व बकाया	7,78,985.00		
	वर्ष में जमा	36,925.00				वर्ष में जमा	7,015.00	7,86,000.00	7,78,985.00
	वर्ष में समायोजन	40,654.00	5,64,084.00	5,67,813.00		अनुसूची (टी)			
3.	आय से व्यय की अधिकता				3.	पुनः प्राप्त करने योग्य अग्रिम राशि			
	पूर्व बकाया	9,90,24,137.00				पूर्व बकाया	79,03,590.00		
	वर्ष में समायोजन	2,87,98,927.00	7,02,25,210.00	9,90,24,137.00		वर्ष में जमा	51,01,109.00		
	अनुसूची (डब्ल्यू)					वर्ष में समायोजन	47,76,982.00	82,27,717.00	79,03,590.00
4.	अन्य दायित्व				4.	नकद बकाया			
	पूर्व बकाया	8,05,160.00				i. हाथ में राशि		4,27,645.00	4,05,125.00
	वर्ष में जमा	1,39,18,494.00				बैंक में बकाया			
	वर्ष में समायोजन	1,42,27,078.00	4,96,576.00	8,05,160.00		i. बचत खाता		6,15,59,528.00	9,07,78,090.00
						ii. बचत खाता (पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट)			4,50,706.00
5.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		12,50,59,791.00	11,62,76,083.00		iii. बचत खाता (फेलोशिप)		2,84,980.00	80,614.00
6.	छात्रकोष फंड		18,10,168.00	15,02,685.00	5.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		12,50,59,791.00	11,62,76,083.00
					6.	छात्रकोष		18,10,168.00	15,02,685.00
	कुल योग		65,88,73,907.00	63,47,11,695.00		कुल योग		65,88,73,907.00	63,47,11,695.00

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

संलग्नक-ण (क्रमश:.....)

(मानित विश्वविद्यालय)

५६-५७, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-११००५८

२००५-०६ वर्षीय समेकित प्राप्तियाँ एवं भुगतान की अनुसूचियाँ

प्राप्तियां	चालू वर्ष			पूर्व वर्ष
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (ए)				
1 विविध प्राप्तियां				
i. पत्राचार	—	13,522.00	13,522.00	11,451.00
ii. परीक्षा	—	26,42,129.00	26,42,129.00	23,76,624.00
iii. अन्य विविध प्राप्तियां	3,55,064.00	18,23,831.00	21,78,895.00	33,09,830.46
iv. स्थानान्तरित अ भ नि. ब्याज		11,14,487.00	11,14,487.00	14,70,688.00
v. पी.एस.एस.टी. प्राप्तियां	—	43,19,029.00	43,19,029.00	25,68,764.00
vi. संस्थान प्रकाशन	—	28,78,761.00	28,78,761.00	70,85,949.00
vii. मन्त्रालय प्रकाशन	6,02,147.00		6,02,147.00	5,44,208.10
viii. छुट्टी वेतन		—		1,05,343.00
ix. संस्कृत शिक्षा	17,18,187.00	—	17,18,187.00	17,85,391.00
x. ज्ञान दर्शन/ संस्कृत नेट	20,50,252.00	—	20,50,252.00	1,22,704.00
xi. संस्कृत ओरगेनिएशन		—		6,730.00
xii. अन्य स्रोतों से आय	3,66,099.00	70,500.00	4,36,599.00	2,72,666.00
कुल =	50,91,749.00	1,28,62,259.00	1,79,54,008.00	1,96,60,328.00
विन्यास निधि पर ब्याज				
i. सावधि योजना पर ब्याज (दूबे अवार्ड)	—	337.00	337.00	306.00
ii. सावधि योजना पर ब्याज (जिन्दल अवार्ड)	—	8,322.00	8,322.00	7551.00
iii. सावधि योजना पर ब्याज (सौम्मेया)	—	21,251.00	21,251.00	21,250.00
कुल =		29,910.00	29,910.00	29,107.00
अनुसूची (बी)				
2. प्रेषण				
i. आयकर	6,82,189.00	35,83,683.00	42,65,872.00	65,17,050.00
ii. जी.पी.एफ.	29,15,256.00	2,01,20,513.00	2,30,35,769.00	1,85,60,088.00
iii. जी.आई.एस.	20,718.00	69,251.00	89,969.00	87,828.00
iv. जीवन बीमा		15,13,826.00	15,13,826.00	15,81,222.00
v. अन्य विभागों से वसूली	7,83,842.00	1,04,15,360.00	1,11,99,202.00	95,62,929.00
vi. जीवन बीमा निगम (वेतन से)	—	4,56,497.00	4,56,497.00	4,28,577.00
vii. आर.डी. (पी.ओ.)	—	1,13,400.00	1,13,400.00	1,04,400.00
viii. टी.डी.एस.	—	2,35,191.00	2,35,191.00	1,86,571.00
ix. छात्रकोश	—	6,200.00	6,200.00	9,800.00
x. जीवन बीमा निगम	—	10,000.00	10,000.00	—
xi. धरोहर राशि एवं जमानत	—	14,700.00	14,700.00	300.00
xii. प्रधानमन्त्री राहत कोष	15,648.00	38,186.00	53,834.00	1,19,106.00
xiii. भूमि एवं इमारत				2,71,37,000.00
xiv. पुस्तकालय एवं सुरक्षा धन	—	29,900.00	29,900.00	31,000.00
xv. संस्कृत नेट	10,62,500.00		10,62,500.00	
xvi. संस्कृत शिक्षा का विकास	8,31,000.00		8,31,000.00	
xvii. विविध		2,03,899.00	2,03,899.00	
कुल =	63,11,153.00	3,68,10,606.00	4,31,21,759.00	6,43,25,871.00

भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (एफ)				
1. स्थापना व्यय				
i. वेतन एवं भत्ते	1,61,85,025.00	8,30,40,077.00	9,92,25,102.00	8,58,54,767.00
ii. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	1,25,805.00	14,32,599.00	15,58,404.00	15,88,732.00
iii. सेवा निवृत्ति लाभ				
i. परिवर्तित पेंशन/संशासित	—	1,13,33,466.00	1,13,33,466.00	72,58,279.00
ii. उपदान	—	16,03,602.00	16,03,602.00	19,65,523.00
iii. अवकाश का नकदीकरण	—	13,54,941.00	13,54,941.00	10,85,547.00
iv. अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज	6,17,568.00	37,55,631.00	43,73,199.00	46,12,465.00
v. सामान्य भविष्य निधि अंशदान	—	1,82,028.00	1,82,028.00	1,63,356.00
vi. छुटिटयों का भत्ता एवं पेंशन अंशदान	—	29,788.00	29,788.00	1,41,814.00
vii. Sansthan Share N.P.S.	1,05,492.00	64,180.00	1,69,672.00	
	1,70,33,890.00	10,27,96,312.00	11,98,30,202.00	10,26,70,483.00
अनुसूची (जी)				
2. प्रशासनिक व्यय				
i. किराया एवं कर	7,53,168.00	42,17,416.00	49,70,584.00	23,40,992.00
ii. अनुरक्षण एवं मरम्मत	13,642.00	15,08,932.00	15,22,574.00	9,11,983.00
iii. पोस्ट एवं टेलीग्राफ	57,387.00	11,41,799.00	11,99,186.00	11,44,096.00
iv. दूरभाष	65,543.00	5,94,022.00	6,59,565.00	6,09,850.00
v. यात्रा भत्ता	3,07,596.00	31,30,506.00	34,38,102.00	27,38,808.00
vi. विज्ञापन	88,808.00	2,26,036.00	3,14,844.00	7,20,466.00
vii. लेखन सामग्री एवं छपाई	1,53,795.00	14,65,023.00	16,18,818.00	14,03,181.00
viii. लेखा परीक्षा शुल्क	54,345.00	2,77,715.00	3,32,060.00	3,42,020.00
ix. पानी एवं बिजली	1,68,042.00	21,84,692.00	23,52,734.00	16,59,220.00
x. विविध व्यय	13,97,491.00	52,92,645.00	66,90,136.00	56,53,592.00
xi. परीक्षा व्यय	—	29,82,843.00	29,82,843.00	21,28,948.00
xii. पत्राचार व्यय	—	1,052.00	1,052.00	37,400.00
xiii. वर्दियां	939.00	83,847.00	84,786.00	55,842.00
xiv. कानूनी व्यय	—	1,61,490.00	1,61,490.00	2,98,752.00
xv. कार	—	2,66,538.00	2,66,538.00	2,27,903.00
xvi. पूर्व परीक्षा शास्त्री	—	10,94,027.00	10,94,027.00	12,92,596.00
xvii. सम्मेलन/कार्यशाला				20,535.00
xviii. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	1,98,57,913.00	—	1,98,57,913.00	2,82,20,614.00
xix. संस्कृत सम्मेलन	—	77,073.00	77,073.00	2,36,145.00
xx. संस्कृत नेट/ज्ञान दर्शन	34,60,934.00	—	34,60,934.00	31,98,896.00
xxi. फेलोशिप	4,03,834.00	—	4,03,834.00	2,46,386.00
xxii. कम्प्यूटर शिक्षा	—	32,23,350.00	32,23,350.00	34,71,300.00
xxiii. वनोत्सव		11,03,854.00	11,03,854.00	
xxiv. Convocation & Annual Fun.	1,21,743.00	10,66,527.00	11,88,270.00	
कुल =	2,69,05,180.00	3,00,99,387.00	5,70,04,567.00	5,69,25,865.00

क्रमश:.....

संलग्नक-ण (क्रमश:.....)

प्राप्तियां

क्र.सं. / लेखा शीर्ष	चालू वर्ष योजनागत रुपये	चालू वर्ष योजनेत्तर रुपये	चालू वर्ष योग रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
अनुसूची (सी)				
3. i. सावधि योजना से प्राप्त		9.00.00.000 00	9,00,00,000 00	13.00,00,000 00
ii. सावधि योजना से प्राप्त(जिन्दल ट्रस्ट)		1.48.226 00	1,48,226 00	1,48,226 00
iii. सावधि योजना से प्राप्त(दूबे ट्रस्ट)		6.000 00	6,000 00	6,000 00
		9.01,54,226.00	90,154,226.00	13.01,54,226.00
अनुसूची (डी)				
4. अग्रिम अदायगी				
i. छुट्टी यात्रा भत्ता	63.750 00	2,24,600 00	2,88,350 00	3,00,800 00
ii. यात्रा भत्ता	1.40.814 00	6.78,110.00	8,18,924 00	11,26,846 00
iii. त्योहार	14,850 00	2.16.150 00	2,31,000 00	2,37,900 00
iv. वाहन	48.000 00	9,34,510 00	9,82,510 00	7,00,544 00
v. विविध	2,51,061 00	12,59,008 00	15,10,069 00	26,93,876 00
vi. ग्रह निर्माण अग्रिम	—	5,16,510 00	5,16,510 00	4,29,117 00
vii. चिकित्सा	—	75,000 00	75,000 00	1,02,000 00
viii. दंड	—	—	—	7,600 00
ix. कम्प्यूटर	—	1,48,720 00	1,48,720 00	92,300 00
x. पखा	—	2,000 00	2,000 00	
	5.18.475 00	40,54,608 00	45,73,083 00	56,90,983 00

भुगतान

क्र.सं. / लेखा शीर्ष	चालू वर्ष योजनागत रुपये	चालू वर्ष योजनेत्तर रुपये	चालू वर्ष योग रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
Endowment Fund				
i. छात्र सम्मान (सोमेया ट्रस्ट)	—	33,885 00	33,885 00	13,306 00
ii. छात्र सम्मान (जिन्दल ट्रस्ट)	—	5,569 00	5,569 00	5,346 00
iii. छात्र सम्मान (दूबे ट्रस्ट)	—	1,200 00	1,200 00	—
कुल =	—	40,654 00	40,654 00	18,652 00
अनुसूची (एच)				
3 योजना				
i शारद चूडामणि	18,45,082 00	—	18,45,082 00	11,20,334 00
ii विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	1,59,600 00	—	1,59,600 00	1,25,400 00
ii प्राडक्शन संस्कृत साहित्य	26,50,708 00	—	26,50,708 00	17,03,434 00
iv संस्कृत किताब की खरीद	7,14,924 00	—	7,14,924 00	23,53,879 00
v संस्कृत किताब की खरीद(पुनर्मुद्रण)	28,78,776 00	—	28,78,776 00	66,857 00
vi डक्कन कालेज पुणे	—	36,75,000 00	36,75,000 00	34,18,000 00
vii राष्ट्रपति पुरस्कार	—	2,11,76,140 00	2,11,76,140 00	1,35,75,580 00
viii आदर्श पाठशाला	2,83,93,617 00	2,36,24,268 00	5,20,17,885 00	4,77,93,872 00
ix छात्रवृत्ति	10,45,106 00	63,98,131 00	74,43,237 00	66,47,203 00
x. स्वैच्छिक संस्थायें	4,33,52,530 00	—	4,33,52,530 00	3,83,40,044 00
xi अखिल भारतीय वादविवाद प्रतियोगिता	6,58,026 00	—	6,58,026 00	5,65,234 00
xii एन ई आर	39,78,089 00	—	39,78,089 00	39,32,370 00
xiii मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट	—	—	—	2,00,400 00
xiv कन्टेंट जनरेशन	1,33,671 00	—	1,33,671 00	1,69,682 00
xv दूरवर्ती शिक्षा	50,125 00	—	50,125 00	—
xvi केन्द्रीय योजना	11875000.00	—	1,18,75,000 00	—
	9,77,35,254 00	5,48,73,539 00	15,26,08,793 00	12,00,12,289 00
अनुसूची (आई)				
4 प्रेषित राशि				
i आयकर	6,82,189 00	35,83,683 00	42,65,872 00	65,17,050 00
ii. अशदायी/सा.भ.नि.	29,15,256 00	2,01,20,513 00	2,30,35,769 00	1,85,60,088 00
iii. सामूहिक बीमा	7,399 00	63,442 00	70,841 00	69,184 00
iv. जीवन बीमा	—	15,29,060 00	15,29,060 00	15,74,520 00
v अन्य विभागों को भेजा	875,121.00	1,04,06,540 00	1,12,81,661 00	96,45,785 00
vi वेतन से जीवन बीमा	—	4,56,076 00	4,56,076 00	4,28,577 00
vii आर डी (पी.आ.)	—	1,13,400 00	1,13,400 00	1,04,400 00
viii टी डी एस	—	2,35,191 00	2,35,191 00	1,86,571 00
ix अरनस्ट मनी	—	10,900 00	10,900 00	300 00
x पुस्तकालय सुरक्षा धन	—	20,400 00	20,400 00	10,550 00
xi छात्रकोष	—	3,600 00	3,600 00	500 00
xii जीवन बीमा निगम	—	10,000 00	10,000 00	
xiii भूमि एवं भवन	—	—	—	2,71,37,000 00
xiv प्रधानमंत्री राहत कोष	15,648 00	38,186 00	53,834 00	1,19,106 00
xv संस्कृत नेट	10,62,500 00	—	10,62,500 00	—
xvi संस्कृत शिक्षा का विकास	8,31,000 00	—	8,31,000 00	—
xvii विविध	—	1,28,116 00	1,28,116 00	—
कुल =	63,89,113 00	3,67,19,107 00	4,31,08,220 00	6,43,53,631 00

क्रमश:......

संलग्नक-ण (क्रमशः.....)

प्राप्तियां	चालू वर्ष				भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
					अनुसूची (जे)				
					5. पूंजीगत व्यय				
					i. गृहनिर्माण प्रगति	3,50,00,000.00		3,50,00,000.00	4,00,00,000.00
					ii. फर्नीचर	3,97,289.00	1,03,28,485.00	1,07,25,774.00	16,99,123.00
					iii. मशीनरी एवं साज सज्जा	11,400.00	5,09,281.00	5,20,681.00	10,31,171.00
					iv. पुस्तकालय पुस्तकें	27,691.00	2,98,512.00	3,26,203.00	3,84,457.00
					v. प्रकाशन	1,02,288.00	8,06,381.00	9,08,669.00	18,62,141.00
					vi. प्रयोगशाला यन्त्र	—	880.00	880.00	—
					vii. पाण्डुलिपि संग्रह	—	—	—	50,200.00
						3,55,38,668.00	1,19,43,539.00	4,74,82,207.00	4,50,27,092.00
					अनुसूची (के)				
					6. i. एफ.डी.आर. खरीद	—	9,00,00,000.00	9,00,00,000.00	13,00,00,000.00
					ii. एफ.डी.आर. खरीद (जिन्दल ट्रस्ट)	—	1,48,226.00	1,48,226.00	1,48,226.00
					iii. दूबे अवार्ड	—	6,000.00	6,000.00	6,000.00
					iv. संस्कृत शिक्षा का विकास	—	—		2,38,000.00
					v. संस्कृत शिक्षा का विकास	—	—		2,00,733.00
					vi.	4,50,706.00	—	4,50,706.00	
						4,50,706.00	9,01,54,226.00	9,06,04,932.00	13,05,92,959.00
					अनुसूची (एल)				
					7. अग्रिम खाता				
					i. अवकाश यात्रा भत्ता	46,350.00	2,63,600.00	3,09,950.00	3,19,010.00
					ii. यात्रा भत्ता	1,60,300.00	7,47,110.00	9,07,410.00	11,06,360.00
					iii. त्योहार	17,400.00	2,02,500.00	2,19,900.00	2,32,500.00
					iv. वाहन	30,000.00	16,89,490.00	17,19,490.00	14,56,000.00
					v. विविध	2,60,485.00	12,60,008.00	15,20,493.00	26,59,365.00
					vi. चिकित्सा	—	74,000.00	74,000.00	1,03,000.00
					vii. पंखा	—	—	2,21,750.00	2,000.00
					viii. गृहनिर्माण अग्रिम	—	—	—	3,90,000.00
					ix. कम्प्यूटर	—	2,21,750.00	—	6,27,915.00
					x. अग्रिम देय	—	—	—	7,600.00
						5,14,535.00	44,58,458.00	49,72,993.00	69,03,750.00
					नकद रोकड़				
					1. हाथ में रोकड़	1,68,534.00	2,59,111.00	4,27,645.00	4,05,125.00
					बैंक बकाया				
					i. बचत खाता	1,57,87,583.00	4,57,71,945.00	6,15,59,528.00	9,07,78,090.00
					ii. बचत खाता (पत्राचार कैसेट योजना)	—	—	—	4,50,706.00
					iii. फैलोशिप	2,84,980.00	—	2,84,980.00	80,614.00
कुल योग	11921377.00	143911609.00	155832986.00	219860515.00	कुल योग	20,08,08,443.00	37,71,16,278.00	57,79,24,721.00	61,82,19,256.00

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
उप कुलसचिव (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमशः......

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

संलग्नक-ण (क्रमश:.....)

५६-५७, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-११००५८

२००५-०६ वर्षीय समेकित आय एवं व्यय की अनुसूचियाँ

क्र.सं. व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
अनुसूची (ओ)		
1. स्थापना व्यय		
i वेतन एव भत्ते	9,92,25,102.00	8,58,54,767.00
ii. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	15,58,404.00	15,88,732.00
iii. सेवा निवृत लाभ		
i. पेशन	1,13,33,466.00	72,58,279.00
ii. ग्रेच्यूटी	16,03,602.00	19,65,523.00
iii. अवकाश का नगदीकरण	13,54,941.00	10,85,547.00
iv. जी.पी.एफ पर व्याज	43,73,199.00	46,12,465.00
v. सामान्य भविष्य निधि पर अंशदान	1,82,028.00	1,63,356.00
vi. छुट्टियां एव पेंशन अंशदान	29,788.00	1,41,814.00
vii. सस्थान शेयर (एन.पी.एस.)	1,69,672.00	—
	11,98,30,202.00	10,26,70,483.00
अनुसूची (पी)		
2. प्रशासनिक व्यय		
i. किराया दरें एव कर	49,70,584.00	24,34,992.00
ii. अनुरक्षर एवं मरम्मत	15,22,574.00	9,11,983.00
iii. पोस्ट एवं टेलीग्राफ	11,99,186.00	11,44,096.00
iv. दूरभाष	6,59,565.00	6,09,850.00
v. यात्रा भत्ता	34,38,102.00	27,38,808.00
vi. विज्ञापन	3,14,844.00	7,20,466.00
vii. लेखन सामग्री एव छपाई	16,18,818.00	14,03,181.00
viii. लेखा परीक्षा शुल्क	3,32,060.00	3,42,020.00
ix पानी एव बिजली	23,52,734.00	16,59,220.00
x. विविध व्यय	66,90,136.00	56,53,592.00
xi परीक्षा व्यय	29,82,843.00	21,28,948.00
xii सी सी व्यय	1,052.00	3,740.00
xiii वर्दिया	84,786.00	55,842.00
xiv. कानूनी व्यय	1,61,490.00	2,98,752.00
xv कार व्यय	2,66,538.00	2,27,903.00
xvi पूर्व शिक्षा शास्त्री	10,94,027.00	12,92,596.00
xvii सम्मेलन/कार्यशाला	—	20,535.00
xviii अनौपचारिक सस्कृत शिक्षा	1,98,57,913.00	2,82,20,614.00
xix सस्कृत सम्मेलन	77,073.00	2,36,145.00
xix सस्कृत नेट/ज्ञान दर्शन	34,60,934.00	31,98,896.00
xx कम्प्यूटर शिक्षा	32,23,350.00	34,71,300.00
xxi वनोत्सव	11,03,854.00	—
xxii. कन्वोकेशन	11,88,270.00	—
	5,66,00,733.00	5,66,79,479.00

क्र.सं. आय		चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष		रुपये		रुपये
1. पूर्व वर्ष का बकाया		9,11,83,215.00		7,41,42,302.00
2. मंत्रालय से अनुदान	32,07,00,000.00		31,30,00,000.00	
3. केन्द्रीय योजना	90,69,000.00		1,00,00,000.00	
अनुसूची (एम)				
3. पूंजीगत व्यय				
i. निर्माण कार्य (प्रगति पर)	3,50,00,000 00		4,00,00,000.00	
ii. फर्नीचर	1,07,25,774.00		16,99,123 00	
iii. मशीनरी उपकरण	5,20,681.00		10,31,171.00	
iv. पुस्तकालय पुस्तकें	3,26,203 00		3,84,457.00	
v. प्रकाशन	9,08,669.00		18,62,141.00	
vi. प्रयोगशाला यन्त्र	880.00		--	
vii. पाण्डुलिपि संग्रह	--		50,200 00	
viii. संस्कृत पुस्तक खरीद (पुनर्मुद्रण)	7,14,924.00		66,857.00	
	4,81,97,131.00	28,15,71,869.00	4,50,93,949.00	27,79,06,051.00
अनुसूची (एन)				
विविध प्राप्तियां				
i. सी.सी. प्राप्तियां		13,522.00		11,451.00
ii. परीक्षा		26,42,129.00		23,76,624 00
iii. अन्य प्राप्ति		21,78,895.00		33,09,830.00
iv. भविष्य निधि ब्याज		11,14,487.00		14,70,668.00
v. पूर्व शिक्षा शास्त्री		43,19,029.00		25,68,764.00
vi. संस्थान प्रकाशन		28,78,761.00		70,85,949.00
vii. मंत्रालय प्रकाशन		6,02,147.00		5,44,208.00
viii. अवकाश नगदीकरण एवं पेंशन		—		1,05,343 00
ix. विविध स्रोतो से आय		4,36,599.00		2,72,666.00
x. अनोपचारिक संस्कृत शिक्षा		17,18,187.00		17,85,391.00
xi. ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट		20,50,252 00		1,22,704 00
xii. स्वैच्छिक संस्कृत संस्थायें		—		6,730 00
		1,79,54,008.00		1,96,60,328 00

क्रमश:.....

क्र.सं. व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं. आय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
अनुसूची (क्यू)					
1. योजना					
i. शास्त्र चूडामणि	18,45,082.00	11,20,334.00			
ii. स्पेशल औरियन्टल कोर्स	1,59,600.00	1,25,400.00			
iii. संस्कृत पुस्तकों की खरीद	26,50,708.00	23,53,879.00			
iv. संस्कृत साहित्य का उत्पादन	28,78,776.00	17,03,434.00			
v. डक्कन कालेज पुणे	36,75,000.00	34,18,000.00			
vi. राष्ट्रपति सम्मान	2,11,76,140.00	1,35,75,580.00			
vii. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	5,20,17,885.00	4,77,93,872.00			
viii. छात्रवृति	74,43,237.00	66,47,203.00			
ix. स्वैच्छिक संस्कृत संस्थायें	4,33,52,530.00	3,83,40,044.00			
x. अखिल भारतीय प्रतियोगिता	6,58,026.00	5,65,234.00			
xi. एन.ई.आर.	39,78,089.00	39,32,370.00			
xii. मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट	—	2,00,400.00			
xiii. कन्टैट जनरेशन	1,33,671.00	1,69,682.00			
xiv.....	50,125.00				
xv.....	1,18,75,000.00				
	15,18,93,869.00	11,99,45,432.00			
Excess of income over expenditure	6,23,84,288.00	9,24,13,287.00			
कुल योग	39,07,09,092.00	37,17,08,681.00	कुल योग	39,07,09,092.00	37,17,08,681.00

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

५६-५७, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-११००५८

संलग्नक-ण (क्रमश:.....)

३१.३.२००६ का समेकित तुलन पत्र

क्र.सं.	देनदारियां	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	क्र.सं.	आस्तियां	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये		लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
	अनुसूची (यू)					सम्पत्तियां			
	देनदारियां					अनुसूची (आर)			
1.	पूंजीगत निधि				1.	अचल अस्तियां			
	पूर्व बकाया	41,65,35,817.00			a.	भूमि एवं भवन			
	वर्ष में जमा	2,80,17,756.00				पूर्व बकाया	17,49,07,423.00		
	वर्ष में समायोजन	38,09,156.00				वर्ष में जमा	1,41,94,339.00	18,91,01,762.00	17,49,07,423.00
	वर्ष में समायोजन	*18,38,81,463.00	25,73,62,954.00	41,65,35,817.00	b.	मशीनरी उपकरण			
2.	सी.पी.डब्ल्यू./पी.डब्ल्यू.डी. के पास जमा					पूर्व बकाया	1,33,29,223.00		
	पूर्व बकाया					वर्ष में जमा	5,20,681.00		
	वर्ष में जमा	18,33,81,463.00				वर्ष में जमा	*10,291.00		
	वर्ष में समायोजन	3,50,00,000.00				वर्ष में समायोजन	*1,55,353.00	1,37,04,842.00	1,33,29,223.00
	वर्ष में समायोजन	1,50,26,339.00	20,33,55,124.00	—	c.	फर्नीचर			
	कुल =		46,07,18,078.00	41,65,35,817.00		पूर्व बकाया	1,24,99,976.00		
	अनुसूची (वी)					वर्ष में जमा	1,07,25,774.00		
3.	a. विन्यास निधि (जिन्दल ट्रस्ट)		1,48,226.00	1,48,226.00		वर्ष में जमा	*19,929.00		
	b. आचार्य छात्रों को पुरस्कार (दूबे)		6,000.00	6,000.00		वर्ष में समायोजन	*93,765.00	2,31,51,914.00	1,24,99,976.00
	c. विन्यास निधि (सामेया ट्रस्ट)		2,50,000.00	2,50,000.00	d.	पुस्तकालय पुस्तकें			
	d. ब्याज भविष्य निधि (जिन्दल ट्रस्ट)					पूर्व बकाया	1,44,82,692.00		
	पूर्व बकाया	10,914.00				वर्ष में जमा	3,26,203.00		
	वर्ष में जमा	8,322.00				वर्ष में जमा	# 1,03,550.00		
	वर्ष में समायोजन	5,569.00	13,667.00	10,914.00		वर्ष में जमा	# 99,749.00		
	e. ब्याज भविष्य निधि (दूबे सम्मान)					वर्ष में समायोजन	@ 253.00	1,50,11,941.00	1,44,82,692.00
	पूर्व बकाया	2,144.00			e.	प्रकाशन			
	वर्ष में जमा	337.00				पूर्व बकाया	1,37,72,003.00		
	वर्ष में समायोजन	1,200.00	1,281.00	2,144.00		वर्ष में जमा	9,08,669.00		
	f. ब्याज भविष्य निधि (सामेया ट्रस्ट)					वर्ष में समायोजन	28,78,761.00		
	पूर्व बकाया	12,634.00				वर्ष में समायोजन	# 49,859.00	1,17,52,052.00	1,37,72,003.00
	वर्ष में जमा	21,251.00			f.	संस्कृत पुस्तकों की खरीद			
	वर्ष में समायोजन	33,885.00	—	12,634.00		पूर्व बकाया	24,60,882.00		
	g. विन्यास निधि (जी)		301.00	301.00		वर्ष में जमा	7,14,924.00		
	h. बैंक में जमा (जी)					वर्ष में जमा	594.00		
	पूर्व बकाया	1,37,594.00				वर्ष में जमा	3,92,173.00		
	वर्ष में जमा	7,015.00	1,44,609.00	1,37,594.00		वर्ष में समायोजन	6,02,147.00	29,66,426.00	24,60,882.00
		2,40,865.00	5,64,084.00	5,67,813.00	g.	प्रयोगशाला उपकरण			
						पूर्व बकाया	3,73,684.00		
						वर्ष में जमा	880.00	3,74,564.00	3,73,684.00
					h.	कार			
						पूर्व बकाया	13,28,471.00		
						वर्ष में जमा	@ 29,018.00	12,99,453.00	13,28,471.00

क्रमश:.....

क्र.सं.	देनदारियां	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
4	आय से व्यय की अधिकता			
	पूर्व बकाया	9,90,24,137.00		
	वर्ष में जमा	2,87,98,927.00	7,02,25,210.00	9,90,24,137.00
	अनुसूची (डब्ल्यू)			
	a अन्य जगहों को भेजने वाली राशि			
	पूर्व बकाया	15,613.00		
	वर्ष में जमा	1,11,99,202.00		
	वर्ष में समायोजन	1,12,81,661.00	(-)66,846.00	15,613.00
	b. ब्याना एवं जमानत			
	पूर्व बकाया	21,100.00		
	वर्ष में जमा	14,700.00		
	वर्ष में समायोजन	10,900.00	24,900.00	21,100.00
	c पुस्तकालय सुरक्षित धन			
	पूर्व बकाया	1,45,357.00		
	वर्ष में जमा	29,900.00		
	वर्ष में समायोजन	20,400.00	1,54,857.00	1,45,357.00
	d सामूहिक बीमा योजना			
	पूर्व बकाया	44,373.00		
	वर्ष में जमा	89,969.00		
	वर्ष में समायोजन	70,841.00	63,501.00	44,373.00
	e जीवन बीमा प्रीमियम			
	पूर्व बकाया	28,297.00		
	वर्ष में जमा	15,13,826.00		
	वर्ष में समायोजन	15,29,060.00	13,063.00	28,297.00
	f छात्रकोष			
	पूर्व बकाया	18,900.00		
	वर्ष में जमा	6,200.00		
	वर्ष में समायोजन	3,600.00	21,500.00	18,900.00
	g पत्राचार कैसट प्राजेक्ट			
	पूर्व बकाया	4,50,706.00		
	वर्ष में समायोजन	4,50,706.00	00	4,50,706.00

क्र.सं.	आस्तियां	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
2.	जमा एवं अग्रिम			
	a. सी.पी.डब्ल्यू.डी में जमा			
	पूर्व बकाया	18,33,81,463.00		
	वर्ष में जमा	3,50,00,000.00		
	वर्ष में समायोजन	1,41,94,339.00		
	वर्ष में समायोजन	8,32,000.00	20,33,55,124.00	18,33,81,463.00
	कुल =		46,07,18,078.00	41,65,35,817.00
	अनुसूची (एस)			
3.	विन्यास निधि			
	i. डी.ए.वी.पी. में जमा		53,100.00	53,100.00
	ii. विन्यास निधि व्यय (जिन्दल ट्रस्ट)		1,48,226.00	1,48,226.00
	iii. आचार्य छात्रों को पुरस्कार (दूबे)		6,000.00	6,000.00
	iv विन्यास निधि व्यय (सौमेया ट्रस्ट)		2,50,000.00	2,50,000.00
	v बैंक में जमा (जी)			
	पूर्व बकाया	1,37,594.00		
	वर्ष में जमा	7,015.00	1,44,609.00	1,37,594.00
	vi. यी.एस.ई.एस. में जमा		1,74,065.00	1,74,065.00
	vii. जमानत जमा (लोजिंग हाउस)		1,00,000.00	10,000.00
	कुल =		7,86,000.00	7,78,985.00
	अनुसूची (एस)			
4.	अग्रिम वसूली			
	a. विविध व्यय			
	पूर्व बकाया	66,562.00		
	वर्ष में जमा	15,20,493.00		
	वर्ष में समायोजन	15,10,069.00	76,986.00	66,562.00
	b. अग्रिम छुट्टी यात्रा भत्ता			
	पूर्व बकाया	18,210.00		
	वर्ष में जमा	3,09,950.00		
	वर्ष में समायोजन	2,88,350.00	39,810.00	18,210.00
	c. अग्रिम यात्रा भत्ता			
	पूर्व बकाया	57,457.00		
	वर्ष में जमा	9,07,410.00		
	वर्ष में समायोजन	8,18,924.00	1,45,943.00	57,457.00
	d. अग्रिम वाहन			
	पूर्व बकाया	35,85,540.00		
	वर्ष में जमा	17,19,490.00		
	वर्ष में समायोजन	9,82,510.00	43,22,520.00	35,85,540.00

क्रमश:.....

क्र.सं.	देनदारियां	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	क्र.सं.	आस्तियां	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये		लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
	H. आयकर	--	200.00	200.00		e. अग्रिम त्योहार			
	I. फैलोशिप					पूर्व बकाया	1,33,590.00		
	पूर्व बकाया	80,614.00				वर्ष में जमा	2,19,900.00		
	वर्ष में जमा	6,08,200.00				वर्ष में समायोजन	2,31,000.00	1,22,490.00	1,33,590.00
	वर्ष में समायोजन	4,03,834.00	2,84,980.00	80,614.00		f. अग्रिम भवन निर्माण			
	J. जीवन बीमा निगम					पूर्व बकाया	27,99,103.00		
	पूर्व बकाया	--				वर्ष में समायोजन	5,16,510.00	22,82,593.00	27,99,103.00
	वर्ष में जमा	4,56,497.00				g. अग्रिम पखा			
	वर्ष में समायोजन	4,56,076.00	421.00	--		पूर्व बकाया	2,040.00		
	कुल =	15,67,73,596.00	7,05,98,996.00	9,98,29,297.00		वर्ष में जमा	2,000.00	40.00	2,040.00
5.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		12,50,59,791.00	11,62,76,083.00		h. परीक्षा अग्रिम		40,441.00	40,441.00
6.	छात्रकोष फंड		18,10,168.00	15,02,685.00		i. कम्प्यूटर अग्रिम			
						पूर्व बकाया	11,03,315.00		
						वर्ष में जमा	2,21,750.00		
						वर्ष में समायोजन	1,48,720.00	11,76,345.00	11,03,315.00
						j. अग्रिम चिकित्सा			
						पूर्व बकाया	8,000.00		
						वर्ष में जमा	74,000.00		
						वर्ष में समायोजन	75,000.00	7,000.00	8,000.00
						k. अन्य			
						पूर्व बकाया	89,332.00		
						वर्ष में जमा	1,28,116.00		
						वर्ष में समायोजन	2,03,899.00	13,549.00	89,332.00
								82,27,717.00	79,03,590.00
					4.	नकद रोकड			
						I. हाथ में रोकड		4,27,645.00	4,05,125.00
					5.	बैंक में बकाया			
						i. बचत खाता		6,15,59,528.00	9,07,78,090.00
						ii. बचत खाता (पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट)			4,50,706.00
						iii. बचत खाता फेलोशिप		2,84,980.00	80,614.00
					6.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		12,50,59,791.00	11,62,76,083.00
					7.	छात्रकोष फंड		18,10,168.00	15,02,685.00
						कुल =		18,91,42,112.00	20,94,93,303.00
	कुल योग		65,88,73,907.00	63,47,11,695.00		कुल योग		65,88,73,907.00	63,47,11,695.00

i. बेसिक रिकार्ड के अनुसार जमा
ii. बेसिक रिकार्ड के अनुसार समायोजन
iii. उपहार में मिली पुस्तकें
iv. उपहार में दी गई पुस्तकें

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
उप कुलसचिव (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

५६-५७, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-११००५८

२००५-०६ वर्षीय समेकित अं.भ.नि./सा. भ. नि. की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का विवरण

प्राप्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	भुगतान		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
1.	पूर्व बकाया	75,95,840.00	79,06,535.00	1.	अन्तिम भुगतान	1,18,07,303.00	83,91,720.00
2.	अंशदायी भविष्य निधि	1,06,17,081.00	1,19,11,455.00	2.	भविष्य निधि अग्रिम	72,65,017.00	76,81,929.00
3.	भविष्य निधि अग्रिम से वसूली	93,29,054.00	53,92,656.00	3.	सावधि योजना की खरीद	4,70,93,276.00	4,26,44,999.00
4.	भविष्य निधि नगद अग्रिम वसूली	3,87,026.00	1,39,070.00	4.	अन्य संस्थाओं को भेजी राशि	85,75,303.00	23,01,520.00
5.	सावधि योजना से प्राप्त	4,09,77,817.00	3,07,92,552.00	5.	भविष्य निधि का ब्याज मुख्य खातों में	11,58,987.00	15,39,429.00
6.	सावधि योजना से प्राप्त ब्याज	84,44,432.00	66,95,537.00	6.	बैंक चार्ज	4,833.00	1,907.00
7.	बचत खाते से ब्याज	2,00,126.00	1,95,227.00	7.	नई पेंशन स्कीम में स्थानान्तरण	76,956.00	—
8.	दूसरी संस्थाओं से प्राप्त	73,46,603.00	23,43,241.00		नकद शेष		
9.	संस्थान का अंशदान	1,68,318.00	1,56,636.00	1.	बैंक में शेष	1,27,15,152.00	75,95,840.00
10.	भविष्य निधि पर ब्याज	36,18,232.00	46,19,185.00				
11.	स्थानान्तर जमा की वसूली	—	5,250.00				
12.	टी.डी.एस. ब्याज बैंकों में जमा	12,298.00					
	कुल योग	**8,86,96,827.00**	**7,01,57,344.00**		कुल योग	**8,86,96,827.00**	**7,01,57,344.00**

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

क्रमश:.....

संलग्नक-ण (क्रमश:.....)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

५६-५७, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-११००५८

३१.३.२००६ का अं.भ.नि./सा. भ. नि. का तुलन पत्र

क्र.सं.	दायित्व	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष	क्र.सं.	आस्तियां	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
	राकड निधि	रुपये	रुपय	रुपये			रुपये	रुपये	रुपये
1	पूर्व बकाया	10,38,94,065.00			1.	भविष्य निधि अग्रिम			
	वर्ष में जमा	12,81,94,263.00				पूर्व बकाया	1,23,82,018.00		
	वर्ष में समायोजन	11,69,59,492.00	11,51,28,836.00	10,38,94,065.00		वर्ष में जमा	72,65,017.00		
2	भविष्य निधि अग्रिम					वर्ष में समायोजन	97,16,080.00	99,30,955.00	1,23,82,018.00
	पूर्व बकाया	1,23,82,018.00			2.	सावधि जमा			
	वर्ष में जमा	72,65,017.00				पूर्व बकाया	9,62,98,225.00		
	वर्ष में समायोजन	97,16,080.00	99,30,955.00	1,23,82,018.00		वर्ष में जमा	4,70,93,276.00		
						वर्ष में समायोजन	4,09,77,817.00	10,24,13,684.00	9,62,98,225.00
					3.	बचत खाता			
						पूर्व बकाया	75,95,840.00		
						वर्ष में जमा	8,11,00,987.00		
						वर्ष में समायोजन	7,59,81,675.00	1,27,15,152.00	75,95,840.00
	कुल योग		12,50,59,791.00	11,62,76,083.00		कुल योग		12,50,59,791.00	11,62,76,083.00

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव